वर्ष : 17 अंक : 103 लखनऊ शनिवार, 19 अप्रैल 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण **

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मूल्य ₹4

मौसम

सूर्योदय	:	5:38
सूर्यास्त	:	6:32
अधिकतम	:	37:00°
न्यूनतम	:	26:00°

ड्रीम गर्ल 2 ये फिल्म सीक्वल नहीं बल्कि एक फ्रेंचाइजी थी 10

विकास की रोशनी से रौशन हो रहा श्रीराम.... 2

नेशनल हेराल्ड के चक्रव्यूह में सोनिया-राहुल 6

बंगाल हिंसा पर बयानबाजी न करे... 12

धनखड़ के बयान पर सियासी भूचाल

विपक्षी दल आगबबूला, कानून विशेषज्ञों ने कहा– यह अदालत की सरासर तौहीन

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हालिया बयानों ने सियासी हलकों में जोरदार भूचाल ला दिया है। विपक्षी पार्टियों ने उनके बयानों को न्यायपालिका की तौहीन बताते हुए तीखी आलोचना की है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी समेत कई दिग्गज कानूनी जानकारों ने धनखड़ पर आरोप लगाया कि उन्होंने संविधान और अदालतों की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। वहीं इस विवाद में बीजेपी ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उपराष्ट्रपति का बचाव किया और कहा कि हमें मर्यादा मत सिखाओ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने साफ कहा, 'हमारे लोकतंत्र में सबसे ऊपर अगर कोई चीज है तो वो है भारत का संविधान। न राष्ट्रपति, न प्रधानमंत्री और न ही राज्यपाल, कोई भी व्यक्ति संवैधानिक मर्यादा से ऊपर नहीं हो सकता।' सुरजेवाला ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को भी सराहा जिसमें राष्ट्रपति को राज्यपालों द्वारा रोके गए बिलों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने इसे

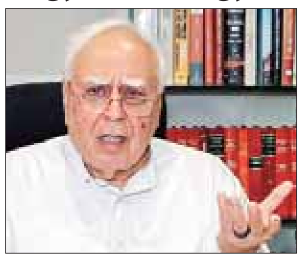

साहसिक और समय पर लिया गया फैसला बताया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति के बयान को बेहद आपत्तिजनक करार दिया और कहा कि ये अदालत की अवमानना के दायरे में आता है। उन्होंने कहा, 'उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से ये उम्मीद की जाती है कि वो बाकी संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करे, न कि बार-बार उनकी उपेक्षा करे।'

वहीं, बीजेपी ने उपराष्ट्रपति का बचाव करते हुए विपक्ष पर पलटवार किया। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, "मुझे उस पार्टी से संवैधानिक मर्यादा सीखने की जरूरत नहीं है जो कहती है कि वह संसद द्वारा पारित कानून को लागू नहीं करेगी, उपराष्ट्रपति के पद का मजाक उड़ाती है, वोट बैंक की राजनीति के नाम पर दंगाइयों को बचाती है और बंगाल में हिंदू पीड़ितों से मिलने के लिए उसके पास समय नहीं है।"

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी धनखड़ के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जब कार्यपालिका काम नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा। सिब्बल ने कहा, 'भारत में राष्ट्रपति नाममात्र का मुखिया है। राष्ट्रपति-राज्यपाल को सरकारों की सलाह पर काम करना होता है। मैं उपराष्ट्रपति की बात सुनकर हैरान हूं, दुखी भी हूं। उन्हें किसी पार्टी की तरफदारी करने वाली बात नहीं करनी चाहिए।'

सिब्बल ने 24 जून 1975 को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा- 'लोगों को याद होगा जब इंदिरा गांधी के चुनाव को लेकर फैसला आया था, तब केवल एक जज, जस्टिस कृष्ण अय्यर ने फैसला सुनाया था। उस वक्त इंदिरा को सांसदी गवानी पड़ी थी। तब धनखड़ को यह मंजूर था। लेकिन अब सरकार के खिलाफ दो जजों की बेंच के फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं।'

सिब्बल ने कहा- आज के समय में अगर किसी संस्था पर पूरे देश में भरोसा किया जाता है, तो वह न्यायपालिका है। सुप्रीम कोर्ट को अनुच्छेद 142 की ताकत संविधान से मिली है। ऐसे में अगर किसी को कोई परेशानी है तो वो अपने अधिकार का प्रयोग कर रिव्यू डाल सकते हैं। वे अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से सलाह भी मांग सकते हैं। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है। **(विस्तृत पेज 12 पर)**

धनखड़ ने कहा था- कोर्ट राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं

दरअसल, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल राज्यसभा इंटर्न के एक ग्रुप को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जताई, जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। धनखड़ ने कहा था– 'अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।'

फिलहाल लागू रहेगा देश में फास्टैग

उपग्रह आधारित टोल संग्रह प्रणाली लागू करने का निर्णय नहीं

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उसने आगामी एक मई से देश भर में उपग्रह आधारित टोल संग्रह प्रणाली लागू करने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।फिलहाल फास्टैग पूरे देश में लागू रहेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि उसने या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। सरकार ने कुछ मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए यह स्पष्टीकरण जारी किया है। इन रिपोर्टों में कहा गया था कि आगामी एक मई से देश भर में मौजूदा फास्टैग प्रणाली के स्थान पर टोल संग्रह के लिए उपग्रह आधारित प्रणाली की शुरूआत की जा रही है। मंत्रालय ने कहा है कि टोल प्लाजा के माध्यम से वाहनों की निर्बाध, बाधा-मुक्त आवाजाही को सक्षम बनाने और यात्रा के समय को कम करने के लिए चुनिंदा टोल प्लाजा पर स्वचालित नम्बर प्लेट पहचान- फास्टैग आधारित 'बैरियर-

लेस टोलिंग सिस्टम' लागू किया जाएगा। इससे पहले 1 मई से फास्टैग को बंद कर सैटेलाइट टोल सिस्टम लागू करने की बात सामने आई थी। इस पर मंत्रालय ने कहा कि नेशनल हाइवे अथॉरिटी ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। सैटेलाइट टोल सिस्टम के बजाय, सरकार एक नए बैरियर-लेस टोल सिस्टम का टेस्ट कर रही है। इसमें ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन, कैमरों और फास्टैग को मिलाकर वाहनों का टोल बिना रोके काटा जाएगा, जिससे ट्रैफिक जाम और समय की बचत होगी।

सरकार देश के कुछ चुनिंदा टोल प्लाजा पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान प्रणाली और फास्टैग को मिलाकर बिना बैरियर वाली टोल प्रणाली टेस्ट कर रही है। इस सिस्टम में वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा। हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे वाहन का नंबर प्लेट स्कैन करेंगे और फास्टैग से पैसे काटे जाएंगे।

उन्नत टोलिंग प्रणाली में 'स्वचालित नंबर प्लेट पहचान' तकनीक वाहनों की नंबर प्लेट पढ़कर उन्हें मौजूदा 'फास्टैग प्रणाली' जो टोल कटौती के लिए रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन का उपयोग करती है के साथ जोड़ेगी। इसके तहत वाहनों से टोल प्लाजा पर रुके बिना ही इस तकनीक के आधार पर उनसे टोल संग्रह किया जाएगा। नियमों का पालन न करने की स्थिति में उल्लंघनकर्ताओं को ई-नोटिस भेजा जाएगा, जिसका भुगतान न करने पर फास्टैग निलंबित किया जा सकता है और वाहन से संबंधित अन्य दंड लगाया जा सकता है। प्राधिकरण ने नयी तकनीक के क्रियान्वयन के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। सफल कंपनी चुनिंदा टोल प्लाजा पर अपनी तकनीकी का इस्तेमाल कर टोल संग्रह करेंगी और बाद में समीक्षा के बाद इस तकनीक को देश भर में लागू करने का निर्णय लिया जायेगा।

बंगाल हिंसा पीड़ितों से मिलने पहुंचे राज्यपाल

आनंद बोस ने सीएम ममता की सभी अपीलों को किया दरकिनार

एजेंसी

कोलकाता। वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद सरकार और राज्यपाल के बीच भी ठन गई है। एक तरफ जहां राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने की घोषणा कर हलचल मचाई थी, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने कई बार राज्यपाल से ऐसे क्षेत्रों में न जाने की अपील की थी।

सभी अपीलों को दरकिनार रखते हुए राज्यपाल सी वी आनंद बोस शुक्रवार को मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे जिलों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने हिंसा पीड़ितों संग मुलाकात भी की। इस बीच राज्य बंगाल की स्थिति पर बात करते हुए राज्यपाल ने कहा है कि बंगाल में हिंसा का मामला नया नहीं है और यह एक सतत मुद्दा है। पीड़ितों से वार्ता के बाद वह अपनी रिपोर्ट केन्द्र

राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की।

सरकार को भेजेंगे।

राज्यपाल सीवी बोस ने कहा कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में दो चीजें कैंसर की तरह बढ़ रही है, हिंसा और भ्रष्टाचार। उन्होंने कहा, "बंगाल में हिंसा की संस्कृति वास्तविकता है। हमें इसकी जड़ों को खत्म करना होगा। मुझे यकीन है कि जीत हमारी होगी। इस दौरान राज्यपाल ने दावा किया है कि उनके पास हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से लगातार बड़ी संख्या में शिकायतें आ रही हैं और लोग उनसे मदद मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उन इलाकों से 100 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। हालांकि पिछले दो दिनों में केंद्रीय बलों की तैनाती के बाद हिंसा में काफी कमी आई है। मैंने उनसे खुद बात की ताकि उन्हें भरोसा दिलाया जा सके कि हम सब उनके साथ हैं। राज्यपाल ने बताया कि वे मालदा में राहत शिविरों का भी दौरा करेंगे।

हनुमान जी की मूर्ति देखकर भड़क गए थे आजम खां

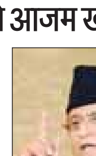

नयी दिल्ली। यूपी के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने आजम खां को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे आजम खां ने इस बात पर आपत्ति कर दी थी कि उनकी (विक्रम सिंह की) कार में हनुमान जी की मूर्ति लगी है। इस पर आजम काफी भड़क गए, लेकिन फिर भी वह मूर्ति गाड़ी से नहीं हटी।

आजम खां से तकरार पर विक्रम सिंह ने कहा, "मैं सिर्फ लीगल काम करता था। उन लोगों के लिए इन्कन्विनिएंट था मैं। आजम खां को दिखाई दिया कि ड्राइवर ने गाड़ी में छोटी सी हनुमान जी की मूर्ति लगाई हुई है। इस पर मैंने कहा कि यह हटेगी नहीं, मैंने साफ कर दिया कि आपकी आपत्ति पर वह हट जाए, तो ऐसा नहीं होगा। यह गाड़ी मेरे पूर्व अधिकारी की थी। जिस तरह की थी, उसी तरह की मुझे भी मिली।

चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना

एम्स गोरखपुर में 500 बेड की क्षमता वाले विश्राम सदन का शिलान्यास किया सीएम योगी ने

विश्ववार्ता ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है। यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। उसकी पहचान ही संवेदना से है। चिकित्सक की संवेदना गंभीर से गंभीर मरीज की आधी बीमारी को दूर कर सकती है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों को यह नसीहत भी दी की वे बेवजह मरीजों को हायर सेंटर रेफर करने की प्रवृत्ति से बचें और मरीज को क्रिटिकल केयर उपलब्ध कराने में रिस्क लेने की आदत डालें।

सीएम योगी शुक्रवार दोपहर बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर के परिसर में 500 लोगों की क्षमता वाले विश्राम सदन (रैन बसेरे) का भूमि पूजन-शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। 44.34 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा। इसका निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर निधि से कराया जा रहा। शिलान्यास समारोह में

शुक्रवार को एम्स, गोरखपुर में 500 बेड के 'पॉवरग्रिड विश्राम सदन' के शिलान्यास एवं भूमि पूजन के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान डॉक्टर के व्यवहार के माध्यम से संवेदना का केंद्र भी होता है। संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज भर्ती होने आता है तो उसके साथ कम से कम 3 या 4 अटेंडेंट होते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो कई बार अटेंडेंट की संख्या 10 तक हो जाती है। ऐसे में मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट को आश्रय की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 500 बेड के विश्राम सदन के शिलान्यास के साथ ही गोरखपुर एम्स को एक नई उपलब्धि प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स गोरखपुर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2016 में किया था। 2019 में एम्स गोरखपुर का पहला मैच एडमिशन लिया था और 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एम्स का लोकार्पण किया था। 2016 में जो बीज एम्स के रूप में गोरखपुर में रोपा गया था, आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीड़ितों को आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एक नया जीवनदान देने का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर में होगा, यह एक कल्पना मात्र लगती थी। हम लोग 2003 से इस आवाज को उठा रहे थे।

भारत के साथ भूमि सम्पर्क प्रस्ताव श्रीलंका ने किया खारिज

एजेंसी

कोलंबो/नयी दिल्ली। श्रीलंका ने सड़क और रेल-पुल के माध्यम से दोनों देशों को जोड़ने वाली भूमि संपर्क परियोजना के निर्माण के भारत के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि वह अभी भूमि संपर्क के लिए तैयार नहीं है। 'डेली मिरर' ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ कोलंबो में आयोजित बैठक में यह प्रस्ताव रखा था। इससे पहले पिछले साल दिसंबर में दिसानायके की यात्रा के दौरान भी भारत ने जिस प्रस्ताव का उल्लेख किया था, उसे अव्यावहारिक मानते हुए अस्वीकार कर दिया गया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल में दोनों नेताओं की बैठक के दौरान यह मुद्दा चर्चा में शामिल नहीं था। फिर भी हाल ही

» दिसानायके ने कहा कि यह अभी व्यावहारिक नहीं

में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान श्री मोदी ने दोनों देशों के बीच भूमि संपर्क के महत्व और इससे होने वाले कई लाभों का उल्लेख किया। दोनों देशों को जोड़ने वाले भूमि पुल का विचार सबसे पहले 2002/2004 की सरकार के दौरान आया था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे थे।

भूमि संपर्क परियोजना का उल्लेख वर्ष 2023 में राष्ट्रपति के रूप में प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे की नयी दिल्ली यात्रा के दौरान एक संयुक्त बयान में भी किया गया था। पीएम मोदी ने हाल में अपनी श्रीलंका यात्रा के बाद राम सेतु का अवलोकन किया, जो प्राचीन काल में श्रीलंका और भारत को जोड़ता था।

असम पंचायत चुनावों में भाजपा का डंका

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में पंचायत प्रणाली की कुल 348 सीटों पर निर्विरोध फैसला हुआ है, जिनमें से 325 सीटें भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जीती हैं। त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली के लिए मतदान दो चरणों में दो मई और सात मई को कराए जाएंगे। सरमा ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 18 अप्रैल थी।

भाजपा नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया, ''अब तक एनडीए ने पहले ही 37 जिला परिषद (35 भाजपा और दो असम गण परिषद) और 288 आंचलिक पंचायत (259 भाजपा और 29 असम गण परिषद) सीटें निर्विरोध जीत ली हैं।'' सरमा द्वारा साझा किए गए चार्ट के अनुसार, निर्दलीय उम्मीदवारों ने आंचलिक परिषद की 15 सीटें निर्विरोध हासिल की हैं जबकि कांग्रेस ने 9 और एआईयूडीएफ ने एक सीट निर्विरोध जीती है।

श्रीमद्भगवद्गीता–नाट्यशास्त्र यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक विरासत को ऐतिहासिक मान्यता देते हुए, श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- यह वैश्विक सम्मान भारत के शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्न है। ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं। ये दार्शनिक आधार हैं जिन्होंने हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को बेहतर बनाया है। वर्ल्ड हेरिटेज डे के दिन इसे शामिल किया गया है।

पीएम मोदी ने एक्स पर ट्वीट करते हुए इसे दुनिया भर में हर भारतीय के

» यह गर्व का क्षण, हमारे ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक मान्यता मिली : मोदी

लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा- यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल करना हमारे शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। इसके साथ ही, अब हमारे देश के 14 अभिलेख इस यूनेस्को के रजिस्टर में शामिल हो गए हैं। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर एक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसे यूनेस्को ने 1992 में शुरू किया था।

अंतरिक्ष में एक और इतिहास रचेगा भारत

नयी दिल्ली। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। देश अपनी अंतरिक्ष यात्रा में फिर से इतिहास लिखने वाला है। 4 दशक के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अगले महीने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में भेजने का फैसला हुआ है। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की भविष्य की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मिशन में भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भेजा जा रहा है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय राकेश शर्मा हैं। सोवियत अंतरिक्ष यान पर 1984 की उनकी उड़ान के बाद चार दशकों में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले यह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री होंगे।

चुनाव आयोग एआई के इस्तेमाल पर बना रहा गाइडलाइन

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। चुनाव प्रचार के लिए कंटेंट तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए चुनाव आयोग इसके दुरुपयोग पर रोक लगाने और बेहतर इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए गाइडलाइंस बना रहा है। इसकी झलक बिहार विधानसभा चुनाव में दिख सकती है। सूत्रों ने बताया कि राजनीतिक दलों, मीडिया और सोशल मीडिया के लिए जनरेटिव एआई संबंधी कंटेंट के बारे में बताना होगा। प्रचार में एआई के इस्तेमाल के नियम और तरीके साफ किए जाएंगे। फेक और डीपफेक प्रचार वीडियो और ऑडियो के बारे में भी दिशा-निर्देश बनाए जा रहे हैं।

इसका मकसद है कि एआई कंटेंट का इस्तेमाल करके मतदाताओं को भ्रमित या उनकी पसंद को गलत तरीके से प्रभावित

» बिहार विधानसभा चुनाव में दिखेगी झलक

न किया जा सके। साथ ही यह यह करने की कोशिश की जाएगी कि मतदाताओं की निजता या चुनाव की निष्पक्षता पर आंच न आए। आयोग का यह कदम ग्लोबल इलेक्शन ट्रैकिंग की एआई पर रिपोर्ट को देखते हुए अहम है। इससे पता चला है कि 2024 लोकसभा चुनाव में एआई का इस्तेमाल अमेरिकी चुनाव से 10% और ब्रिटिश चुनाव से 30% ज्यादा है।

सुकमा में 36 नक्सलियों ने किया समर्पण

सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी, माओवादियों पर था 49 लाख का इनाम

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों को उस वक्त बड़ी सफलता मिली जब 11 महिलाओं समेत कम से कम 33 नक्सलियों ने उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से लगभग आधे यानी 17 पर 49 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि नौ महिलाओं समेत 22 नक्सलियों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष हथियार डाले, जबकि बाद में दो महिलाओं समेत 11 अन्य नक्सलियों ने भी पुलिस अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली सुरक्षा बलों पर कई हमलों में भी शामिल रह चुके हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए सुकमा

के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि हथियार डालने वाले माओवादियों में माड़ डिवीजन के तहत पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कंपनी नंबर 1 में डिप्टी कमांडर मुचाकी जोगा (33) और उसी दस्ते की सदस्य व उसकी पत्नी मुचाकी जोगी (28) शामिल हैं, जिन पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। साथ ही उन्होंने बताया कि अन्य नक्सलियों में किकिद देवे (30) और मनोज उर्फ दुधी बुधरा (28) शामिल हैं, जो कि माओवादियों के एरिया कमेटी के सदस्य हैं और जिन पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सात अन्य नक्सलियों पर 2-2 लाख रुपए का इनाम था, जबकि एक अन्य नक्सली पर 50,000 रुपए का इनाम था।

पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने माओवादियों की खोखली और अमानवीय विचारधारा और स्थानीय आदिवासियों पर अत्याचारों से निराश होकर सरेंडर किया। साथ ही उन्होंने बताया कि वे राज्य सरकार की नई आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अलावा 'नियाद नेल्लनार' (आपका अच्छा गांव) योजना से भी प्रभावित हुए, जिसका उद्देश्य दूरदराज के गांवों में विकास कार्यों को सुविधाजनक बनाना है।

सक्रियता जेपीसी अध्यक्ष जगदम्बिका पाल बोले– वक्फ विधेयक असंवैधानिक साबित हुआ तो इस्तीफा दूंगा

यूपी में वक्फ सम्पत्तियों के अवैध इस्तेमाल की रपट आनी शुरू

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। वक्फ विधेयक के असंवैधानिक होने के सवाल पर भाजपा नेता और जाइंट पार्लियामेंट कमेटी के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने कहा है कि- अगर समिति की रिपोर्ट कानूनी रूप से गलत पाई जाती है तो मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा।

उन्होंने विपक्ष के धार्मिक भेदभाव फैलाने के दावों और वक्फ संपत्तियों और बोर्ड की सदस्यता के बारे में चिंताओं को नकारते हुए कहा कि 'वक्फ बोर्ड कोई धार्मिक निकाय नहीं है, बल्कि एक कार्यकारी निकाय है, एक वैधानिक निकाय है जो सिर्फ संपत्तियों की देखभाल करता है।'

इस बीच यूपी के जिलों से

जिलाधिकारियों ने धीरे-धीरे वक्फ संपत्तियों की जानकारी शासन को भेजनी शुरू कर दी है। शासन को अब तक मिली जिलों की रिपोर्ट के मुताबिक धार्मिक, शैक्षिक कामों और कब्रिस्तान के लिए दी गई 761 से अधिक संपत्तियों पर घर और दुकानें बना दी गई हैं। शासन ने जिलाधिकारियों से वक्फ संपत्तियों के बारे में पूरी रिपोर्ट मांगी है। इसमें पूछा गया है

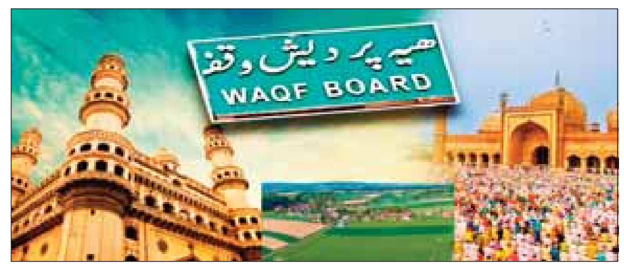

कि वक्फ की संपत्तियों का आवंटन के बाद मनमाना इस्तेमाल किया जा रहा है।

जिलाधिकारियों से अपने-अपने जिलों में स्थित वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रदेश भर में वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। शासन को करीब 2528 वक्फ संपत्तियों की रिपोर्ट मिली है। इनमें 761 संपत्तियां ऐसी हैं जिनका उपयोग किन्हीं और कार्यों में किया जा रहा है। 25 संपत्तियों को वक्फ संपत्तियां घोषित करने के मामला अदालत में चल रहा है। चंदौली की 15 और मुजफ्फरनगर की चार, बाराबंकी, हमीरपुर, झांसी, कासगंज, लखीमपुर खीरी व सिद्धार्थनगर की एक-एक संपत्तियां हैं।

अंबेडकरनगर में 15 संपत्तियों का सही और 15 का उपयोग दूसरे कार्यों में हो रहा है। अमेठी में छह का उपयोग सही और छह का उपयोग दूसरे, इटावा में 11 का सही और 11 का गलत, गौतमबुद्ध नगर में एक-एक, हमीरपुर में चार का सही और एक का गलत उपयोग हो रहा है। अमरोहा में पांच का सही एक का गलत उपयोग हो रहा है। बागपत में 44 का सही चार का गलत, बाराबंकी में 21 में से तीन संपत्तियों का उपयोग दूसरे कार्यों में किया जा रहा है। इसी प्रकार झांसी में 20 में से एक संपत्ति का उपयोग दूसरे कार्य में किया जा रहा है। मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, आगरा, बस्ती, उन्नाव, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत में भी गड़बड़ियां मिली हैं।

मुख्यमंत्री ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नज़र रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस सम्बन्ध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए। प्रदेश में कई जनपदों से आंधी-बारिश, ओलावृष्टि की सूचना प्राप्त हुई है। किंतु चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक प्रदेश वासी की सुरक्षा आपकी सरकार की प्राथमिकता है। आंधी-बारिश, ओलावृष्टि, वज्रपात से प्रभावित जनपदों के अधिकारियों को क्षेत्र का सर्वे कर पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं।जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करने तथा घायलों का समुचित उपचार कराए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है। साथ ही, अधिकारियों को वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखने एवं फसलों के नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं ताकि इस संबंध में अग्रेतर कार्यवाही हो सके।अधिकारियों को जल निकासी की व्यवस्था प्राथमिकता पर करने के निर्देश भी दिए हैं।

पावर कार्पोरेशन प्रबंधन के रवैये को लेकर समिति ने चलायी ज्ञापन मुहिम

ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा के बावजूद पावर कार्पोरेशन प्रबंधन पर फाइल दबाए रखने का आरोप

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र ने आज बिजली के निजीकरण के विरोध में ज्ञापन दो अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे , पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और कई विधायकों को ज्ञापन दिया। संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि वह ट्रांजेक्शन कंसल्टेंट की नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा की फाइल को दबाए हुए हैं और कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण हेतु अवैध ढंग से नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट मेसर्स ग्रांट थॉर्टन द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद कि उस पर अमेरिका में 40000 डॉलर की पेनल्टी लगी है, इंजीनियर आफ द कांट्रैक्ट ने अनुशंसा की है कि ग्रांट थॉर्टन को ब्लैक लिस्ट किया जाय और ग्रांट थॉर्टन की ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट के रूप में की गई नियुक्ति का आदेश रद्द किया जाए। 4 दिन पूर्व की गई अनुशंसा की फाइल को पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष दबाए हुए हैं और कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि प्रारंभ से ही पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की निजीकरण की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। ट्रांजेक्शन कंसल्टेंट नियुक्त करने हेतु पहले कनफ्लिक्ट आफ इंटरेस्ट के प्राविधान को हटाया गया। अब नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट का झूठ और फर्जीवाडा सामने आने के बाद उसकी नियुक्ति रद्द करने की अनुशंसा की फाइल पर निर्णय न लेना बहुत गम्भीर मामला है। संघर्ष समिति ने आश्चर्य व्यक्त किया कि पॉवर कॉरपोरेशन के शीर्ष अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति की खुले आम धज्जियां उड़ा रहे हैं। संघर्ष समिति के आह्वान पर आज प्रदेश भर में निजीकरण के विरोध में विरोध सभाओं और प्रदर्शन का दौर जारी रहा।

> ● ज्ञापन दो अभियान के अंतर्गत उपमुख्यमंत्री, नेता विपक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री और विधायकों को ज्ञापन दिया गया

राजधानी लखनऊ में आज प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और विधायक जय देवी को ज्ञापन दिया गया। सिद्धार्थनगर में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे को और गोंडा में राज्य मंत्री संजीव कुमार को ज्ञापन दिया गया। प्रदेश के अन्य जनपदों में कई विधायकों को ज्ञापन दिए गए।

सीएम योगी से मिले केंद्रीय राज्य मंत्री और पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद।

देश के तीन मेट्रो सिटी में स्थापित करेगी इन्वेस्ट यूपी का ऑफिस

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। ऐसे में योगी सरकार प्रदेश में देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए लगातार बड़े कदम उठा रही है। यही वजह है कि योगी सरकार निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए अब एक नई रणनीति पर विचार कर रही है। इसके तहत योगी सरकार देश के तीन मेट्रो सिटीज क्रमशः नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में इन्वेस्ट यूपी के ऑफिस की स्थापना पर मंथन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य निवेशकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना, उनके प्रश्नों का समाधान करना और प्रदेश की निवेश नीति तथा उपलब्धियों को प्रस्तुत करना है।

योगी सरकार देश के इन तीन शहरों में इन्वेस्ट यूपी का ऑफिस स्थापित कर एक ऐसा नेटवर्क बनाना चाहती है, जिससे प्रदेश को निवेशकों के लिए और भी अधिक सुलभ तथा आकर्षक बनाया जा सके। इससे न केवल निवेश बढ़ेगा, बल्कि लाखों रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि उत्तर प्रदेश न केवल एक सशक्त आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, बल्कि 'विकसित भारत 2047' की दिशा में भी एक सशक्त भूमिका निभा रहा है।

विकास की रोशनी से रौशन हो रहा श्रीराम का प्रिय चित्रकूट

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस वे, राम वनगमन मार्ग, सतना ग्रीनफील्ड हाइवे से और बेहतर हो जाएगी कनेक्टिविटी

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। कभी दस्यु गिरोहों के लिए बदनाम रहा चित्रकूट अब विकास की रोशनी से रौशन हो रहा है। यह वही चित्रकूट है जहां कभी ददुआ, ठोकिया, राधे, बबली कोल, गौरी यादव, साधना पटेल और गोप्पा जैसे दस्यु गिरोहों का समानांतर शासन चलता था। लोगों में हरदम इन दस्युओं को लेकर दहशत का माहौल था। यहां तक कि ये राजनीति को प्रभावित करने की स्थित में थे। लेकिन सीएम योगी के शासन काल में अब यह सब बीते दिनों की बात हो गई है।वनवास के दौरान भगवान श्री राम ने पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण सहित जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय बिताया था। जो चित्रकूट उनको अयोध्या से भी अच्छा लगने लगा था (अवध सहस सम बनु प्रिय लागा)। उन्होंने यहीं कोल, किरात आदि को खुद से जोड़कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इसी चित्रकूट में भरत के साथ हुआ उनका मिलन भाई-भाई के प्रेम की मिसाल बन गया। उसी चित्रकूट में वह ऋषियों और मुनियों के संपर्क में आए। कुल मिलाकर राम,लक्ष्मण और सीता के लिए चित्रकूट प्रवास का अहसास जंगल में मंगल जैसा रहा। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निजी रुचि और प्रयासों के नाते चित्रकूट एक बार फिर वैसा ही अहसास करा रहा है। त्रेता युग में चित्रकूट की ख्याति क्या थी इसका वर्णन करते हुए तुलसीदास ने रामचरित मानस में लिखा है कि जब वनवास के दौरान वह बाल्मीकि ऋषि से मिलने उनके आश्रम गए थे चलते उनको ऋषिवर ने चित्रकूट में कुछ समय गुजारने के साथ उसकी महिमा का वर्णन कुछ ऐसे किया था, चित्रकूट गिरि करहु निवासू। तहँ तुम्हार सब भाँति सुपासू। सैलु सुहावन कानन चारू। करि केहरि मृग बिहग बिहारू। नदी पुनीत पुरान बखानी। अत्रिप्रिया निज तपबल आनी। सुरसरि धार नाउँ मंदाकिनि। जो सब पातक पोतक डाकिनि।।अत्रि आदि मुनिबर बहु बसहीं। करहिं जोग जप तप तन कसहीं अब उसी चित्रकूट को योगी सरकार उसी ख्यातिके अनुसार सजा और संवार रही है जिसका वर्णन करते हुए तुलसीदास ने कहा है,चित्रकूट महिमा अमित कही महामुनि गाइ।

चित्रकूट के समग्र विकास के लिए चित्रकूट धाम तीर्थ विकास परिषद का गठन हो चुका है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से सड़क कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। यहां की पहाड़ियों पर एक खूबसूरत एयरपोर्ट भी खुल चुका है। यह सात जिलों वाले बुंदेलखंड का पहला एयरपोर्ट है।

कनेक्टिविटी बढ़ने और पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं बढ़ने से हाल में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान उलट प्रवाह के कारण यहां ढेर सारे पर्यटक आए। आने वाले दिनों में चित्रकूट आने वाले पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी। इसके मद्देनजर योगी सरकार पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं लगातार बेहतर कर रही है। 8 अप्रैल को हुई कैबिनेट की बैठक में भी इसके किए सरकार ने 50 करोड़ रुपए मंजूर किए। इस पैसे से राम वनगमन के पड़ाव स्थल पर पर्यटक सुविधा केंद्र की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा। इसमें करीब 12 करोड़ रुपए की लागत आएगी। एयरपोर्ट के पास देवांगना में 17.56 करोड़ रुपए की लागत से पर्यटक सुविधा केंद्र बनेगा। इसी क्रम में कामदगिरि परिक्रमा मार्ग के विकास में 20.45 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन सभी कार्यों के लिए पहली किस्त के रूप में क्रमशः 50, 70 और 75 लाख रुपए जारी भी किए जा चुके हैं। राम के वनवास से जुड़े स्थलों, मंदाकिनी जिसका हमारे धर्मग्रंथों में खासा महत्व है। उसके घाटों खासकर रामघाट, तुलसी दास की जन्म स्थली राजापुर ,महर्षि बाल्मीकि का आश्रम लालपुर आदि का सुंदरीकरण शामिल हैं। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस वे , बुंदेलखंड को चित्रकूट को बाया प्रयागराज रीवा मार्ग से जोड़ने के लिए एक्सप्रेस वे से जोड़कर चित्रकूट की कनेक्टिविटी को और बेहतर किया जा रहा है। सतना से चित्रकूट को जोड़ने के लिए भी चार लेन के ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे की घोषणा केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कर चुके हैं। भारत माला परियोजना के तहत इस पर काम भी हो रहा। इससे मध्यप्रदेश और इससे आगे मुंबई तक चित्रकूट की कनेक्टिविटी और बेहतर हो जाएगी। इसके अलावा फरवरी में लखनऊ में आए नितिन गडकरी ने बताया कि अयोध्या से चित्रकूट तक बनने वाले राम वन गमन मार्ग पर केंद्र सरकार 11000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। अगले साल तक (2026) तक इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इससे अयोध्या और चित्रकूट की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। साथ ही वनगमन के दौरान जिन जगहों पर श्रीराम ने कुछ समय गुजारे थे उनका आकर्षण पर्यटकों के लिए और बढ़ जाएगा। खासकर श्रृंगवेरपुर जहां राम और निषाद राज का मिलन और संवाद हुआ था और निषाद राज ने उन्हें गंगा पार कराया था। इसके बढ़ते महत्व के मद्देनजर श्रृंगवेरपुर में सरकार विकास के कई काम करा चुकी है। साथ ही सामाजिक समरसता के प्रति के रूप में श्रीराम और निषादराज के मिलन को दर्शाती एक विशाल प्रतिमा भी लग चुकी है।

बेहतर कनेक्टिविटी ने ट्रांसपोर्टेशन एवं लॉजिस्टिक सेवाओं को सस्ता व सुलभ बनाया : नन्दी

डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति स्मृति मंदिर में डॉ. हेडगेवार जी एवं गोलवलकर को अर्पित की श्रद्धांजलि

विश्ववार्ता ब्यूरो

नागपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट एवं औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर में दो दिवसीय प्रवास के दौरान शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से उनके आवास पर प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ जाकर मुलाकात किया। वहीं विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मंत्री नन्दी ने नागपुर में डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति में स्थित स्मृति मंदिर में दर्शन कर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार एवं माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। नागपुर में प्रवास के दौरान मंत्री नन्दी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात करप्रयागराज के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक माहात्म्य के साथ ही महाकुम्भ-2025 की व्यापक उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री नन्दी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में प्रयागराज में लगभग 100 करोड़ की लागत से स्वीकृत 2.2 किलोमीटर लम्बी

रोपवे परियोजना के लिए प्रयागराजवासियों की ओर से आभार प्रकट किया। कहा कि यह परियोजना प्रयागराज के धार्मिक पर्यटन के प्रोत्साहन की दृष्टि से मील का पत्थर सिद्ध होगी।मंत्री नन्दी ने कहा कि रोड कनेक्टविटी के क्षेत्र में आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में अव्वल है। यूपीडा एवं एनएचआई द्वारा संचालित एक्सप्रेसवेज-हाइवेज की श्रृंखला विश्वस्तरीय सुविधाओं से परिपूर्ण है। बेहतर कनेक्टिविटी ने ट्रांसपोर्टेशन एवं लॉजिस्टिक सेवाओं को सस्ता व सुलभ बनाया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कनेक्टिविटी को और भी बेहतर व विस्तृत बनाने हेतु भविष्य में भी हर प्रकार के सहयोग व प्रोत्साहन का आश्वासन दिया।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद मंत्री नन्दी डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति स्थल पहुंचे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के गौरवशाली शताब्दी वर्ष शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर मंत्री नन्दी ने महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर में डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति में स्थित स्मृति मंदिर में दर्शन कर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार एवं परम माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

लखनऊ। योगी सरकार ने 2024-25 में पिछड़े वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए अपना खजाना खोल दिया है। प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत पिछड़े वर्ग के लाखों लोगों को राहत देने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ढाई हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उनकी शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, सामाजिक सहयोग और आवासीय सुविधाओं के साथ ही आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देकर सरकार सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2024-25 में सरकार ने पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना पर 168.75 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिससे 7.94 लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिला है। इसके तहत, कक्षा एक से कक्षा 10 तक के पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वहीं, दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 1981.45 करोड़ रुपए व्यय किए गए, जिससे 21.31 लाख छात्रों को शैक्षिक सहायता मिली।

6 कताई मिलों के पुन : उपयोग को मंजूरी

यूपीसीडा की 48वीं बोर्ड बैठक में 2025-26 का 6190 करोड़ का बजट पारित

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से यूपीसीडा (उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण) की 48वीं बोर्ड बैठक शुक्रवार को लोक भवन, लखनऊ में संपन्न हुई।

बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए 6190 करोड़ के बजट को मंजूरी दी गई, औद्योगिक क्षेत्रों को उनकी विकास गति के आधार पर पुनर्गठित किया गया, एक्स-लीडा के मास्टर प्लान 2041 को अंतिम रूप देने का निर्णय लिया गया और कताई मिलों के आवंटन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की स्वीकृति दी गई।इस बैठक की अध्यक्षता राज्य के मुख्य सचिव एवं यूपीसीडा के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने की, जिसमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में राज्य के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने हेतु कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई। सबसे प्रमुख निर्णय 2025-26 के बजट को लेकर लिया गया, जिसमें 6190.00 करोड़ स्वीकृत किया गया। यह बजट राज्य के औद्योगिक ढांचे को सुदृढ़ करने और नई परियोजनाओं को शुरू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके अतिरिक्त एक्स-लीडा के मास्टर प्लान में जन – आपतियों का

निवारण एवं सुझाव का समायोजन करते हुए 2041 की महायोजना पर विचारोपरांत शासन में भेजने हेतु निर्देशित किया गया। 06 कताई मिलों जो शासन द्वारा प्राधिकरण को उपलब्ध कराई गई थी उसके आवंटन हेतु एवं दर निर्धारण हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया। औद्योगिक क्षेत्र उतेलवा जनपद अमेठी, ए.टी.एल. प्रतापगढ़, कताई मील बांदा, कताई मील मेजा, कताई मील मलवा फतेहपुर आदि के तलपट मानचित्रों का अनुमोदन प्रदान किया गया। यह भी निर्देश दिए गये कि शीघ ही आवंटन हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया जाए एवं आवंटन की कार्यवाही प्रारम्भ की जाए। मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी ने कहा कि, यूपीसीडा राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और बेहतर औद्योगिक माहौल तैयार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस बजट से राज्य के अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों में नए प्रोजेक्ट्स को शुरू करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने यह भी कहा कि ललितपुर में बनने वाला फार्मा पार्क और एक्स-लीडा जैसे क्षेत्रीय विकास प्रोजेक्ट्स न सिर्फ औद्योगिक आधारभूत ढांचे को मजबूत करेंगे, बल्कि उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए देश का सबसे पसंदीदा राज्य बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे।

10 जिलों में नये आश्रय केंद्र की जल्द होगी शुरुआत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तीकरण और पुनर्वास को लेकर शक्ति सदन के संचालन की योजना अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। 'मिशन शक्ति' योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 10 जनपदों में "शक्ति सदन" की स्थापना की जा रही है, जो संकटग्रस्त, घरेलू हिंसा से पीड़ित, आपदा प्रभावित और अन्य असहाय महिलाओं के लिए एक बड़ी राहत साबित होंगे। इन केंद्रों का योगी सरकार जल्द शुरुआत करने जा रही है। इसके संचालन की दिशा में आगे बढ़ते हुए योगी सरकार द्वारा 127.72 लाख रुपये की धनराशि भी स्वीकृत की जा चुकी है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश अब महिलाओं के लिए न केवल सुरक्षित हो रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की ठोस बुनियाद भी रखी जा रही है। यह योजना केन्द्र व राज्य सरकार के सहयोग से 60:40 के अनुपात में चलाई जा रही है। यह योजना भारत सरकार मिशन शक्ति की उप योजना सामर्थ्य के तहत संचालित की जाएगी। इसके अंतर्गत अलीगढ़, आजमगढ़, कानपुर नगर, चित्रकूट, झांसी, बस्ती, गोंडा, मिर्जापुर, वाराणसी और सहारनपुर जनपदों में प्रत्येक में 50 महिलाओं की क्षमता वाले एक-एक नवीन शक्ति सदन स्थापित किए जाएंगे। इन शक्ति सदनों का उद्देश्य सिर्फ एक सुरक्षित आश्रय स्थल प्रदान करना नहीं, बल्कि महिलाओं को समुचित संसाधनों और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस मार्गदर्शन देना है। इन सदनों में निवास कर रहीं महिलाओं को निःशुल्क आवासीय सुविधा, पोषणयुक्त भोजन, वस्त्र, बिस्तर और व्यक्तिगत उपयोग की अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना की खास बात यह है कि यहां संवासिनियों को न केवल मानसिक, शारीरिक और कानूनी सहायता मिलेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु योग्यता अनुसार व्यावसायिक और कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

मिर्जापुर के शिखड़ ब्लॉक में कृषि मंत्री ने देखी खेती और जाना किसानों का हाल

लखनऊ/मिर्जापुर। शुक्रवार को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा मिर्जापुर के शिखड़ ब्लॉक के रामगढ़ कला के किसानों के साथ वार्ता की गई। साथ ही मक्का, पपीता, मूंगफली, पत्तागोभी, केला, लोबिया, रामदाना इत्यादि फसलों का निरीक्षण किया गया। जनपद मिर्जापुर में जायद सत्र में 288 हेक्टेयर मक्का फसल के आच्छादन का लक्ष्य निर्धारित है। त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत मक्का की फसल को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत, विकासखंड तथा जनपद स्तर पर गोष्ठी एवं मेले का आयोजन कर अधिक से अधिक मक्के की फसल लगाने हेतु प्रचार प्रसार अभियान चलाया गया है। साथ ही साथ किसानों का अन्यत्र जनपद में भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कराए गए हैं। जनपद मिर्जापुर में मक्का आच्छादन लक्ष्य 288 हेक्टेयर के सापेक्ष 517 हेक्टेयर का आच्छादन हुआ है। जो कि लक्ष्य से काफी अधिक है। जनपद में

जायद सत्र में संकर मक्का का 180 एकड़ क्लस्टर प्रदर्शन कराया गया है। साथ ही साथ सामान्य बीज वितरण के अंतर्गत 42 कुंतल शंकर मक्का का वितरण भी कृषि विभाग द्वारा किया गया है। प्रदर्शन बीज पर 2400 रुपये प्रति एकड़ अनुदान डीबीटी के माध्यम से दिया गया है। सामान्य बीज वितरण के अंतर्गत बीज मूल्य का 50% अथवा 150 प्रति किलो अनुदान देय है। मंत्री द्वारा बताया गया कि प्रदर्शन हेतु वितरित देसी मक्का, संकर मक्का एवं पॉपकॉर्न पर प्रति एकड़ पर 2400 अनुदान देय है।

> 800 लोगों की क्षमता वाला नया परिसर बैंक, क्रेच, लाइब्रेरी, जिम, ईवी चार्जिंग वाली पार्किंग तथा सौर ऊर्जा चालित संयंत्र जैसी सुविधाओं से होगा युक्त

जल्द ही यीडा को मिलेगा नया ऑफिस

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अब जल्द ही यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के लिए नए सेंट्रल ऑफिस परिसर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। यीडा का नया ऑफिस गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-18 में स्थित होगा तथा कुल 27,800 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में फैला होगा। यह नया परिसर 800 लोगों की क्षमता युक्त होगा तथा यमुना एक्सप्रेसवे से इसकी दूरी मात्र 110 मीटर होगी। इस परिसर को वर्क फ्रेंडली डिजायन के आधार पर बनाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि परिसर में बैंक, क्रेच, लाइब्रेरी, जिम, ईवी चार्जिंग स्टेशन डेसिगनेटेड पार्किंग स्थल तथा सौर ऊर्जा चालित संयंत्र जैसी सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। इस विषय में यीडा द्वारा कॉन्सेप्ट प्लान तैयार किया गया है। योजना के अनुसार, परिसर को GRIHA 5 स्टार रेटिंग सर्टिफिकेशन युक्त किया जाएगा और उत्तम कनेक्टिविटी युक्त होगा। यहां हाई स्पीड एलिवेटर्स, 24 घंटे सीसीटीवी सर्विलांस व खूबसूरत लैंडस्केप प्लाजा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। यीडा की कॉन्सेप्ट प्लान के अनुसार, नए परिसर में भव्य एंट्री लॉबी का निर्माण होगा जो आगंतुकों के बीच आकर्षण का केंद्र होगा। यह खूबसूरत लैंडस्केप प्लाजा में बनाया जाएगा तथा फ्यूचर रेडी इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त होगा। परिसर में आकर्षक हरित क्षेत्र का निर्माण व विकास भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, परिसर में स्टाफ पार्किंग, वीआईपी पार्किंग समेत विभिन्न प्रकार की पार्किंग्स का निर्माण किया जाएगा जो कि आगंतुकों को वाहन पार्किंग की समस्या से निजात दिलाएंगे। कम्यूनिटी एंगेजमेंट और सोशल इंटरैक्शन के लिए परिसर में ओपन स्पेसेस को आकर्षक बनाने के लिए विशिष्ट आर्किटेक्चर पर काम किया जाएगा। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए परिसर को सस्टेनेबिलिटी और कम ऊर्जा खपत परिसर के तौर पर विकसित किया जाएगा जहां स्मार्ट लाइटिंग व प्राकृतिक प्रकाश की उत्तम व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा। यीडा द्वारा तैयार किए गए खाके के अनुसार परिसर का कुल प्रसार 27,800 स्क्वेयर मीटर में होगा, जबकि ऑफिस का कुल बिल्ड अप एरिया 45,528.18 स्क्वेयर मीटर होगा। परिसर में मुख्यतः कई प्रकार की अनावासीय सुविधाओं का निर्माण व विकास किया जाएगा, जिसके लिए कॉन्सेप्ट प्लान के जरिए एक शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है। इसके अनुसार, सर्विस रोड, प्रवेश व निकास द्वार, बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार की अवसंरचनाओं के निर्माण व विकास का अनुमानित प्रस्ताव बना लिया गया है। योजना के अनुसार, गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-18 स्थित प्लॉट नंबर एफ-4 पर प्रस्तावित परिसर का निर्माण किये जाने की तैयारी है। नया परिसर यमुना एक्सप्रेसवे से समीप होगा और मात्र 110 मीटर की दूरी पर स्थित होगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेश सोनकर पुत्र वासुदेव निवासी अंगूरी बाग कॉलोनी जिला अयोध्या अपने पुत्र आयुष सोनकर जिसकी जन्म तिथि 10/07/ 2015 है का नाम बदलकर आरुष सोनकर कर रहा हूं। भविष्य में मेरे पुत्र को आरुष सोनकर नाम से जाना जाए तथा मैं अपने पुत्र के समस्त शैक्षणिक व सरकारी अभिलेखों में आयुष सोनकर से बदलकर आरुष सोनकर कर रहा हूं।

-राजेश सोनकर पुत्र वासुदेव

एक नजर

हज यात्रियों की ट्रेनिंग 21 अप्रैल को होगी

लखनऊ। हज यात्रियों का प्रशिक्षण सरोजनीनगर स्थित हज हाउस में सोमवार को सुबह साढ़े नौ से दोपहर दो बजे तक होगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई ने पत्र जारी कर कहा है कि सऊदी सरकार ने बीजा जारी करने की अंतिम तारीख 18 अप्रैल 25 रखी है। इसलिए सभी हज यात्रियों का पासपोर्ट जमा होना आवश्यक है।

करणी सेना ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की

लखनऊ। करणी सेना की ओर से शुक्रवार को हजरतगंज में प्रदर्शन किया गया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने खूब नारेबाजी की। इस दौरान ट्रैफिक थम गया। प्रदर्शनकारियों ने हजरतगंज स्थित अटल चौक के पास पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाया। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने ममता सरकार पर हिन्दुओं पर अत्याचार करने का आरोप लगाया। कहा कि मुर्शिदाबाद में लगातार वक्फ संशोधन कानून को लेकर हिंसा और आगजनी हो रही है। हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें पलायन के लिए मजबूर किया जा रहा है।

सरोजनीनगर में श्मशान की सुविधाओं को विकसित करें

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए आदेश दिया है कि जिलाधिकारी, लखनऊ व नगर आयुक्त, लखनऊ नगर निगम को सरोजनी नगर में स्थित श्मशान घाट की सुविधाओं को विकसित करने पर विचार का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रथम की खंडपीठ ने अखिलेश कुमार रावत की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याचिका में गांव की भूमि प्रबंधन समिति के श्मशान के निर्माण संबंधी प्रस्ताव पर निर्णय लेने का आदेश देने की मांग की गई थी। हालांकि सरकारी वकील ने बताया कि उक्त प्रस्ताव को अब तक मंजूरी नहीं दी गई है। इस पर न्यायालय ने वर्तमान में जहां अंतिम संस्कार किया जा रहा है, उसी श्मशान की सुविधाओं को बेहतर करने का आदेश दिया।

150 से अधिक क्रिकेटरों ने टैलेंट हंट में दिखाया जलवा

लखनऊ। नौ से 15 वर्ष की आयु के 150 से अधिक युवा खिलाड़ियों ने क्रिकेट टैलेंट हंट कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। द स्पोर्ट्स स्कूल, आर्यावर्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, शहीद पथ की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में चयन प्रक्रिया का संचालन कर्नाटक रणजी टीम के पूर्व खिलाड़ी और एनसीए लेवल 2 सर्टिफाइड कोच आर. अनंत के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों के हर प्रदर्शन को बारीकी से देखा।आर. अनंत ने ट्रायल के बाद कहा कि इतनी कम उम्र में इतना टैलेंट देखना वाकई शानदार रहा। दिनभर चले इस ट्रायल में उभरते हुए क्रिकेटरों ने तकनीकी कौशल, गेम अवेयरनेस, फिटनेस और समग्र क्रिकेटिंग समझ से जुड़ी ड्रिल्स और असेसमेंट्स में हिस्सा लिया।

करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

लखनऊ। चिनहट के गोयला में करंट की चपेट में आकर अवधेश कुमार (20) की मौत हो गई। बाराबंकी के बड्डूपुर निवासी अवधेश कुमार (20) कुछ समय से गोयला स्थित अस्कर के मछली पालन का काम देख रहा था। गुरुवार शाम को वह तालाब में मछलियों को दाना डालने गए थे। दाना डालने के बाद जैसे ही बोरिंग को स्विच ऑन किया करंट की चपेट में आकर वह झुलय गए। साथी उन्हें लोहिया अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार में मां गीता, पांच बहन व एक भाई है।

तीसरी मंजिल से गिरकर कारपेंटर की मौत

लखनऊ। गुडंबा के कल्याणपुर में निर्माणाधीन मकान के तीसरी मंजिल से गिरकर कारपेंटर अफसर बाबू (42) की मौत हो गई। फुफेरे भाई मुन्ना ने बताया कि हुसैनाबाद निवासी अफसर बाबू गुरुवार को कल्याणपुर स्थित निर्माणाधीन मकान में काम करने गए थे। तीसरी मंजिल पर खिड़की लगाते समय वह असंतुलित होकर नीचे आ गिरे। साथी उन्हें ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार में पत्नी अंजुम है।

अग्निशमन विभाग ने अस्पताल और होटल का किया निरीक्षण

लखनऊ। लोक बंधु अस्पताल में हुए अग्निकांड के बाद शुक्रवार को एफएसओ हजरतगंज ने टीम के साथ सरकारी अस्पताल व होटल का निरीक्षण कर आग से बचाव की व्यवस्था परखी। एफएसओ राम कुमार रावत के मुताबिक टीम के साथ महानगर स्थित भाऊराव देवरस अस्पताल और विवेकानंद अस्पताल का निरीक्षण किया। इसके बाद होटल क्लार्क अवध, होटल जैमिनी कॉन्टिनेंटल, होटल मेपल लीफ व दस्तरखान रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। एफएसओ के मुताबिक कहीं कोई बड़ी कमी नहीं पाई गई। इस दौरान लोगों को आग से बचाव के तरीके भी बताए गए।

मोबाइल लुटेरा गिरफ्तार

लखनऊ। तालकटोरा पुलिस ने मोबाइल लूट करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आलमनगर निवासी सुनील कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था कि तीन मार्च को खिन्नी चौराहे के पस बाइक सवार दो बदमाश उनका मोबाइल लूट कर भाग निकले। इंस्पेक्टर कुलदीप दुबे के मुताबिक इस मामले में बालागंज निवासी वसी अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में शामिल आरोपित दीपक की तलाश की जा रही है।

महानगर में एसयूवी ने नगर निगम कर्मी को रौंदा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। सफाईकर्मी को तेज रफ्तार SUV ने रौंद दिया। घटना कपूरथला चौराहे के पास मंगलवार को हुई। घायल सफाई कर्मी राहुल की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने नगर निगम मुख्यालय के बाहर शव रखकर हंगामा किया।

परिजनों ने SUV कार सवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मुआवजा की मांग की। परिजनों का कहना है कि आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा और नौकरी दी जाए। भाई मनीष ने बताया- मंगलवार सुबह SUV कार महानगर की ओर से कपूरथला चौराहे की तरफ आते समय बेकाबू हो गई। उसने सड़क किनारे खड़े नगर निगम में संविदा सफाईकर्मी भाई राहुल वाल्मीकि को टक्कर मार दी। इसके बाद भागने के चक्कर में रिक्शा ठेला और स्कूटी में टक्कर मारी। कार सड़क किनारे पार्किंग में लगे एंगल में जाकर फंस गई।

कार की टक्कर से राहुल, स्कूटी सवार राजकुमार और उनकी बेटी अस्मिता (10) घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कूटी सवार राजकुमार पहिए के नीचे आने से बच गए। राहगीरों ने कार का पिछला हिस्सा उठाकर नीचे फंसे राहुल को निकाला। राजकुमार ने बताया कि वह बेटी को स्कूल छोड़ने जा रहे थे, उसी वक्त हादसा हुआ। बाबूगंज निवासी राहुल के भाई मनीष ने बताया- राहुल की 24 अप्रैल 2024 को नीलू से शादी हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही पत्नी नीलू बेहोश हो गई। किसी तरह परिजनों ने पूरे परिवार ने संभाला। भाई बीमारी में भी नौकरी करने गया था। इंस्पेक्टर अलीगंज विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। गाड़ी चालक की तलाश की जा रही है। लायन सिक्योरिटी के फाउंडर ने हादसे के तुरंत बाद 50000 की तत्काल आर्थिक सहायता मृतक के परिजनों को दी। वहीं मौत केबाद कंपनी की ओर से 200000 रुपए की अतिरिक्त सहायता राशि भी भिजवाई गई है। लायन सिक्योरिटी के फाउंडर ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा- कंपनी मृतक कर्मचारी के परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने यह भी कहा- कंपनी की ओर से मृतक के इंश्योरेंस के अंतर्गत जो भी देय राशि होगी, उसे शीघ्र दिलवाने की कोशिश की जाएगी। इसी के साथ नगर निगम प्रशासन ने भी संवेदनशील रुख अपनाते हुए राहुल के ईपीएफ भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया है। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया- नगर निगम स्वीपर वेलफेयर फंड से 1 लाख रुपए की आर्थिक मदद करेगा।

विश्व धरोहर दिवस पर पर्यटन विभाग और नेशनल पीजी कालेज ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय और आईटी कालेज सहित प्रतिष्ठित कालेजों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और नेशनल पीजी कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कालेज के श्मेराकी 2.0 मीडिया कल्चरल फेस्टश के अंतर्गत 'यूपी हेरिटेज क्विज' का आयोजन हुआ। संगीत नाटक अकादमी में आयोजित इस प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय, आईटी कॉलेज सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।हेरिटेज क्विज में टीम सेरेब्रल के विशेष यादव और शशांक कुमार सिंह ने पहला पुरस्कार हासिल किया। टीम ब्लैक साबत के हर्षित उपाध्याय और मृत्युंजय विक्रम सिंह को दूसरा स्थान मिला, जबकि टीम दास्तानगोई इनसाइडर के देवेश पाण्डेय और इंद्र भास्कर मिश्रा तीसरे स्थान पर रहे। पहले, दूसरे और तीसरे पुरस्कार क्रमशः '10,000, 5,000 और 3,000' की नकद राशि के साथ प्रदान किए गए।उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्र ने पत्रकारिता विभाग को इस क्विज के आयोजन हेतु धन्यवाद दिया और क्विज मास्टर कुणाल सावरकर की रोचक प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा, ष्उत्तर प्रदेश विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का भंडार है। हमें अपनी विरासत को जानने

और संजोने की उत्सुकता होनी चाहिए। विश्व धरोहर दिवस पर इस प्रकार का आयोजन अत्यंत प्रासंगिक है।ष्'नेशनल पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि भारत की संस्कृति प्रकृति से जुड़ी हुई है और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का उद्देश्य भी इस संस्कृति और प्रकृति को संरक्षित कर युवाओं को आगे बढ़ाने का है।इस मौके पर रील मेकिंग में पहला पुरस्कार दिपांशु यादव, दूसरा पुरस्कार मानस गुप्ता और तीसरा पुरस्कार उत्कर्ष भटनागर को मिला। वहीं फोटोग्राफी में पहला पुरस्कार नमन कुशवाहा, दूसरा पुरस्कार दमनदीप सिंह और तीसरा पुरस्कार प्रणव श्रीवास्तव को मिला। मेंहदी में पहला पुरस्कार मेहविश कुरैशी, दूसरा अदिति और तीसरा पुरस्कार अभिषेक नायर को मिला। सोलो सिंगिंग में पहला पुरस्कार यशस्वी श्रीवास्तव, दूसरा योगेंद्र तिवारी और तीसरा पुरस्कार शुभंकर विश्वास को मिला। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ बुशरा तुफैल ने किया। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने संदेश में कहा, "प्रदेश में विरासत पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। पर्यटन विभाग युवाओं को इस दिशा में जोड़कर इसे सशक्त बना रहा है। क्विज जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को न केवल ज्ञानवर्धन का अवसर देती हैं, बल्कि उन्हें राज्य की सांस्कृतिक धरोहर से भी जोड़ती हैं।

सिगरेट-बीयर पिलाकर दरिंदगी की

लखनऊ। लखनऊ में महिला ने खुद से 15-16 साल छोटे जिस युवक को बेटा माना, उसी ने भरोसा जीतकर रेप किया। पहले उसने सिगरेट और बीयर पिलाई। इसके बाद दरिंदगी शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर बोला- बहुत बड़ा अपराधी हूं। जेल भी जा चुका हूं।

वहां से पीड़िता किसी तरह थाने पहुंच शिकायत दी। उसके साथ जो भी हुआ पुलिस को सब बताया। पीड़िता के पति ने कहा- लखनऊ पुलिस कार्रवाई करने के बजाय मामले को दबाने में लगी है। आरोपी को केवल रेप के प्रयास में जेल भेजकर खानापूर्ति कर दी।

महिला के पति ने बताया- राजधानी में एक युवक पूरा कमरे वाली महिला के साथ यह करता है। उस पर फिर भी कार्रवाई नहीं हो रही है। वह अपने साथ ई-रिक्शा नहीं, बल्कि एक पूरा कमरे के बराबर जगह लेकर चल रहा है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पति दिल्ली में काम करते हैं। 19 अप्रैल 2024 को चिनहट में नया घर बनकर तैयार हुआ। गृह प्रवेश के दौरान ई-रिक्शा से आरोपी रवि शर्मा सामान पहुंचाने आया, तभी से उससे परिचय हुआ। इमरजेंसी के लिए उसने रवि का मोबाइल नंबर ले लिया। गृह प्रवेश के बाद से पीड़िता हर दो महीने में यहां आने लगी। जब भी दिल्ली से यहां आती थी, तो रवि से सिगरेट और नॉनवेज मंगवाती थी। इसके लिए उसे 100-200 रुपए टिप देती थी।

सहारागंज के बाद अब लाटूश रोड पर 2 फीट धंसी सड़क

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में लगातार दूसरे दिन सड़क धंस गई। लाटूश रोड पर सीवर में रिसाव के चलते दो फीट गहरा गड्ढा हो गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों ने गड्ढे के आस-पास ईंट रखकर वाहन चालकों को सचेत किया। लाटूश रोड पर यादव लस्सी दुकान के सामने सड़क धंस गई। सूचना के बाद मौके पर नगर निगम की टीम ने पहुंचकर बैरिकेडिंग कर दी है। वाहन चालक आवाजाही करने में सावधानी बरत रहे हैं।

सहारा गंज माल के सामने गुरुवार को करीब 4 फुट से ज्यादा गहरा गड्ढा हो गया था। सीवर लीकेज के चलते गड्ढा होने की बात सामने आई थी। सड़क पर वाहनों की कतार लगी हुई थी। घटनास्थल से पुलिस कमिश्नर का आवास थोड़ी दूरी पर है। सड़क पर जाम होने से फरियादियों

> ● ईंट लगाकर गड्ढे को घेरा, बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक व्यवस्थित किया

और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी थी। लोक निर्माण विभाग और नगर निगम के अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंच कर सड़क के धंसे हुए भाग को चारों तरफ से बैरिकेड करते हुए यातायात शुरू कराया था। अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड ने बताया था कि मार्ग की सतह की खुदाई करके नगर निगम द्वारा मार्ग धंसने के कारणों को पता लगाया जा रहा है। विकास नगर में चार महीने पहले सड़क अचानक धंस गई थी। इससे 29 फीट लंबा, 19 फीट चौड़ा, 36 फीट गहरा गड्ढा हो गया। इसकी गहराई 11 मीटर थी। मौके पर बैरिकेडिंग कर रास्ता ब्लॉक किया गया था।

लोकबंधु अस्पताल में सिगरेट बीड़ी से लगी थी आग

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लोकबंधु राजनारायण अस्पताल में 14 अप्रैल की रात सिगरेट या बीड़ी से आग लगी थी। किसी ने गैलरी में बने स्टोर रूम में सिगरेट या कोई जलती चीज फेंक दी थी। स्टोर रूम से लगकर एक वाशरूम बना है। दोनों के बीच में एक खिड़की है। यहीं पर बीड़ी या सिगरेट फेंकी गई। कुछ देर में स्टोर रूम से आग भड़क उठी। यह खुलासा विद्युत सुरक्षा टीम की जांच में हुआ है।

अब शुरुआती जांच में अहम बात ये है कि स्टोर रूम में आग लगने की भी पुष्टि हुई है।इसकी आशंका भी दैनिक भास्कर ने पहले ही जाहिर की थी। बीड़ी या सिगरेट किसने फेंकी, इसके लिए जांच टीम सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। 14 अप्रैल के इस अग्निकांड से 1 बुजुर्ग मरीज की मौत हो गई थी। उस दौरान अस्पताल में कुल 237 मरीज भर्ती थे। घटना के बाद सभी को अस्पताल से निकालना पड़ा था। लोकबंधु राजनारायण अस्पताल में लगी आग की घटना का राज सीसीटीवी फुटेज में कैद हैं। अस्पताल परिसर 103 सीसीटीवी कैमरे से लैस है। इनमें से करीब 8 कैमरे तीसरे फ्लोर पर हैं। ऐसे में सीसीटीवी फुटेज से आग लगने की सटीक जगह और असल कारण भी सामने आएंगे। सोमवार रात 9 बजकर 25 मिनट पर तीसरे मंजिल में जब स्टोर बंद था तब स्टोर के अंदर शौचालय के पीछे भाग में अचानक आग लग गई, जिससे स्टोर में रखी ज्वलनशील सामग्री जलने लगी। यहां से उठा धुआं स्टोर से निकलकर कॉरिडोर और आईसीयू में भरने लगा। मौके पर रहे लोगों ने मेन स्विच को ऑफ किया और स्टोर के एल्युमिनियम के दरवाजे को तोड़कर आग बुझाई। शुरुआती दौर में एसी के शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कही गई। बाद में वॉर्ड के एसी और लाइट सभी दुरुस्त बताए गए। बताया गया था कि 3 दिन पहले ही आइसोलेशन वार्ड में लगे एसी की सर्विस की गई थी। ड्रेनेज पाइप न होने के कारण एसी की विद्युत आपूर्ति एमसीबी से बंद कर दी गयी थी। अग्निकांड के समय सभी एसी बंद थे।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 3 स्टूडेंट्स को हाईकोर्ट से राहत

लखनऊ। राजधानी के डॉ.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के निष्कासित 3 स्टूडेंट्स को लखनऊ हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली। कोर्ट ने स्टूडेंट्स को एग्जाम देने की छूट देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के आदेश के विरूद्ध निर्णय दिया है।

राहत पाने वाले स्टूडेंट्स में एलएलबी स्टूडेंट कार्तिकेय सिंह के अलावा एलएलएम के सम्यक यादव और नवीन राय शामिल हैं। लखनऊ हाईकोर्ट में एलएलबी स्टूडेंट कार्तिकेय सिंह की तरफ से 16 अप्रैल को अर्जेंट पिटीशन फाइल की गई थी। इसकी सुनवाई 17 अप्रैल को जस्टिस जसप्रीत सिंह द्वारा की गई। इस दौरान कोर्ट ने विश्वविद्यालय के काउंसिल विजय प्रताप सिंह से पूछा कार्रवाई से पहले क्या 'शो-कॉज' नोटिस सर्व की गई थी। इसके जवाब में विश्वविद्यालय की तरफ से 'शो-कॉज' नोटिस नहीं दिखाई जा सकी। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी स्टूडेंट को एग्जाम में शामिल होने का आदेश दिया।

पीजी स्कॉलर्स को दिये गये प्रशंसा प्रमाण पत्र

लखनऊ। इल्मुलसैदला विभाग, राजकीय तकमील-उत-तिब कॉलेज और राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के बीच 17 अप्रैल 2025 को सहयोगी परियोजना पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम अब्दुल अजीज हॉल, एसटीटीसी लखनऊ में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अब्दुल कुवी, प्राचार्य और अधीक्षक, राजकीय तकमील-उत-तिब कॉलेज और अस्पताल, लखनऊ थे, साथ ही फार्मास्यूटिक्स विभाग, एनआईपीईआर, रायबरेली से दो विशेष अतिथि, डॉ राहुल शुक्ला, सहायक प्रोफेसर और डॉ रविंदर के कौंडल, सहायक प्रोफेसर और तहफ्फुजीवाससमाजीतिब (पीएसएम) विभाग, राजकीय तकमील-उत-तिब कॉलेज से प्रोफेसर अताउल्लाह खान इल्मुलसैदला विभाग के एचओडी प्रोफेसर अब्दुल हकीम के साथ सत्र की अध्यक्षता करने के लिए वहां मौजूद थे।

नाइपर के सहयोग से इल्मुलसैदला विभाग की एक परियोजना जिसका शीर्षक है अध्ययन डिजाइन, न्यूरोप्रोटेक्टिव भूमिका के लिए

माजूनज़बीबयूनानी फॉर्मूलेशन के नैनोफॉर्मूलेशन का विकास - एक अवलोकन अध्ययन। इस परियोजना की मुख्य अन्वेषक इल्मुलसैदला विभाग की रीडर डॉ. शगुफ्ता परवीन हैं और सह-अन्वेषक डॉ. राहुल शुक्ला, सहायक प्रोफेसर, फार्मास्यूटिक्स विभाग, नाइपर, रायबरेली हैं। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया। इसके बाद डॉ. रविंदर के. कौंडल, डॉ. शगुफ्ता परवीन और डॉ. राहुल शुक्ला ने तीन सेमिनार प्रस्तुतियाँ दीं जो बहुत ही जानकारीपूर्ण थीं। प्रस्तुतियों के समय सभी शिक्षक और पीजी विद्वान मौजूद थे। प्रस्तुतियों के बाद सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिए गए।

प्रोफेसर अब्दुल क़वी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और उन्होंने डॉ. शगुफ्ता परवीन की एनआईपीईआर के साथ सहयोग करने और इस तरह के अच्छे सेमिनार की व्यवस्था करने की पहल की प्रशंसा की। समारोह के अंत में इल्मुलसैदला विभाग के सभी पी.जी. स्कॉलर्स को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

कुछ लोग बाबा साहब के संविधान को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे : चौधरी

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने प्रदेश के समस्त जनपदों में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में 8 अप्रैल से लेकर 14 अप्रैल तक स्वाभिमान-स्वामान समारोह के आयोजन में सम्मिलित होकर बाबा साहब के मिशन और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। श्री चंद्रशेखर चौधरी ने कहा है कि बाबा साहब ने जो संविधान दिया है उससे बढ़कर हमारे लिए कोई सम्मान नहीं है। संविधान ने ताकत दी है। संविधान हम सबकी ढाल है। संविधान ने सभी को सम्मान दिया है। अब सबकी जिम्मेदारी है कि उस संविधान को बचाने के लिए लगातार काम करते रहे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बाबा साहब के संविधान को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को लोकतंत्र की ताकत का एहसास करा दिया है।

श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा ने संविधान के अनुसार काम नहीं किया। लोकतंत्र को कमजोर किया। पीडीए के आरक्षण को छीना। जनता ने भाजपा को लोकसभा चुनाव में हराया। जनता ने ही समाजवादी पार्टी को लोकसभा चुनाव में जिताने का काम किया। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में तीसरी देश की सबसे बड़ी पार्टी है। जब देश के सामने कठिन परिस्थितियां थी। लोकतंत्र और संविधान बचाने की चुनौती थी तब यहां की जनता ने समाजवादियों का साथ दिया। पीडीए परिवार ने एकजुटता दिखाई। हम समाजवादी लोग संकल्प लेकर लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे।

चंद्रशेखर चौधरी ने कहा बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर स्वाभिमान-स्वामान समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ और सभी ने संकल्प लिया है कि बाबा साहब के बताये रास्ते पर चलेंगे। जो प्रभुत्ववादी और ताकतवर लोग है। जो भेदभाव पैदा करते है और अपमानित करते हैं उनसे लड़ते रहेंगे और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे।

श्री चौधरी ने कहा कि समाजवादियों को किसी से दो-दो हाथ नहीं करना है। हमें संविधान और कानून का सहारा लेना है। समाजवादी सरकार आने पर कानून का राज होगा। सामाजिक न्याय होगा तो आज जो लोग कानून तोड़ रहे हैं उन्हें यही पुलिस वाले कानून के अनुसार सजा देंगे। पीडीए परिवार से समाजवादियों का बेहद लगाव है। राजनैतिक परिस्थितियां चाहे जैसी रही हों लेकिन पीडीए परिवार ने हमेशा समाजवादियों का साथ दिया। इस अवसर पर उन्होंने समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के समस्त प्रदेश के पदाधिकारियों एवं समस्त जिला/महानगर अध्यक्षों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

भड़के | सपा प्रमुख ने भाजपा पर जैन समाज के खिलाफ बढ़ते हमलों का आरोप लगाया

जैन समाज याद रखे, भाजपाई किसी के सगे नहीं : अखिलेश

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करेंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और आर्थिक गैरबराबरी दूर करना दो बड़ी चुनौतियां है।

समाजवादी पार्टी इन चुनौतियों का मुकाबला कर रही है। आने वाले समय में प्रदेश में समाजवादी सरकार होगी। हम सामाजिक न्याय के रास्ते पर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर ने देश को जो संविधान दिया है उसकी प्रस्तावना में ही लिखा है कि हमें धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी और लोकतांत्रिक देश बनाना है। बाबा साहब के बनाये संविधान की प्रस्तावना में ही समाजवाद है। नेताजी ने हम लोगों को विरासत में समाजवादी विचारधारा और समाजवादी आंदोलन दिया है। नेताजी समाजवादी आंदोलन को यहां तक लेकर आये अब युवाओं की जिम्मेदारी है कि कई सौ वर्षों तक इसे आगे लेकर चलें।

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में श्री यादव ने कहा कि 2012 से 2017 तक समाजवादी सरकार की कई बड़ी उपलब्धियां है। प्रदेश का आधारभूत ढांचा तैयार कर विकास के रास्ते पर ले जाने का कार्य किया। आज तो भाजपा सरकार एक्सप्रेस-वे का झूठा प्रचार कर रही है। मुख्यमंत्री जी नहीं समझते कि एक्सप्रेस-वे क्या होता है। वह तो फोरलेन सड़क और किसी भी सड़क को एक्सप्रेस-वे कहने लगते है। समाजवादी सरकार ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे तब बनाया था जब इंडियन रोड़ कांग्रेस के मानक भी तय नहीं हुए थे। समाजवादी पार्टी की सरकार ने 323 किलोमीटर का एक्सप्रेस-वे रिकार्ड 23 माह में बना दिया था। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे 6 लेन का है। इसे आठ लेन किया जा सकता है। यह पहला एक्सप्रेस-वे है जिस पर सेना के लड़ाकू विमान उतारने के लिए हवाई पट्टी बनायी गयी थी। जब हमने नेताजी से इसका उद्घाटन कराया तो देश के सबसे उन्नत किस्म के लड़ाकू विमान सुखोई और मेराज उतारे गये थे। बाद में हरक्यूलिस भी उतारा गया। यह समाजवादियों की उपलब्धि थी। समाजवादी सरकार में ही हमने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की शुरूआत की थी, उसकी डिजायन किया, जमीन खरीदी गयी। उस पर भी लड़ाकू विमानों की एमरजेंसी लैंडिंग के लिए हवाई पट्टी डिजायन की गयी थी, जिसका परिणाम था कि प्रधानमंत्री जी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हरक्यूलिस विमान से उतरे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के बाद एनएचएआई ने उसकी डिजायन की नकल की। श्री यादव ने कहा कि मैंने कई बार कहा कि अमेरिका ने सड़कें बनायी और सड़कों ने अमेरिका को बनाया। अगर स्पीड डबल होगी तो अर्थव्यवस्था तीन गुनी हो जायेगी। भाजपा सरकार जो एक्सप्रेस-वे बना रही है उस पर चलने से पेट दर्द होने लगेगा। प्रधानमंत्री ने एक बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था। उसका मेंटिनेंस आज भी चल रहा है। भाजपा सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे एक इंच भी आगे नहीं बढ़ाया। अगर उसे गाजीपुर से आगे बलिया से जोड़ दिया गया होता तो वह बिहार से जुड़ जाता और उत्तर प्रदेश को दुनिया का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे मिल गया होता। इसके साथ ही समाजवादी सरकार में बच्चों को लैपटॉप बांटा गया। जो लैपटॉप दिये थे आज भी चल रहे हैं।

लखनऊ, कानपुर, आगरा, नोएडा, ग्रेटर नोएडा में मेट्रो दी। इस सरकार ने कोई मेट्रो नहीं दी। लखनऊ में मेट्रो का काम नहीं बढ़ने दिया। समाजवादी सरकार में हमने वाराणसी में भी मेट्रो दी थी लेकिन मुख्यमंत्री जी ने वाराणसी में प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में मेट्रो नहीं बनने दिया। वह अपने गृह जिले गोरखपुर में भी मेट्रो नहीं बना पाये। भाजपा सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री जी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के मानकों के साथ खिलवाड़ किया। एक्सप्रेस-वे का मीडियम कम कर दिया। मंडियां नहीं बनायी। केवल सस्ता दिखाने के लिए क्वालिटी खराब किया। सेफ्टी और सिक्योरिटी के साथ खिलवाड़ किया। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे 90 किलोमीटर सड़क 7 हजार करोड़ में बन रही है। उसके निर्माण में आज भी गोरखधंधा चल रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की एक ही उपलब्धि है पकौड़ा और भगोड़ा। नौकरी के नाम पर युवाओं को पकौड़ा तलने का काम मिला और कई लोग बैंकों से पैसा लेकर भाग गयें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा व्यवस्था भाजपा सरकार ने खराब कर दी है। मेडिकल कॉलेजों को बर्बाद कर दिया। वहां पर्याप्त स्टाफ नहीं है। तकनीकी स्टाफ नहीं है। इलाज नहीं मिल पा रहा है। शाहजहांपुर, जौनपुर, आजमगढ़ समेत कई अन्य मेडिकल कॉलेज है जिनमें सुविधायें नहीं है। राजधानी लखनऊ के डॉ0 राममनोहर लोहिया संस्थान और केजीएमयू का बुरा हाल है। ट्रामा सेंटर में दलाल घूमते हैं। गरीबों को इलाज नहीं मिल रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो इतिहास सही दिशा न दिखा सके, समाज में खाई पैदा करे, उसे इतिहास ही रहने देना चाहिए। हमने पार्टी नेताओं से कहा है कि कोई धार्मिक टिप्पणी नहीं करनी है। कोई ऐसी बात नहीं करनी है जो नकारात्मकता पैदा करे। भाजपा का लक्ष्य बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और किसानों की समस्यायें जैसे मुद्दों से ध्यान हटाना। आज दुनिया जान रही है कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। नकारात्मक काम हो रहे हैं। यहां घरों पर बुलडोजर चल रहे है। राजनीतिक लोगों को झूठा फंसाया जा रहा है। यही कारण है कि दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में भारत का कोई एक भी व्यक्ति नहीं है। आज दुनिया देख रही है कि भारत प्रेस की स्वतंत्रता, समानता की सूची, भुखमरी की सूची में कहां खड़ा है। डालर की तुलना में रूपया कहां है। इसकी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अल्पसंख्यकों पर हमला हो रहा है। अब तो जैन समाज पर भी हमला शुरू हो गया है। उनकी जमीनों पर भी कब्जे हो रहे है। भाजपा जहां जमीन देख लेती है उस पर कब्जा करने में जुट जाती है। भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए नाम बदलती है लेकिन काम रोक देती है। भाजपा विकास विरोधी है। अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान और कानून कहता है कि अगर कोई किसी को धमकी देता है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन भाजपा सरकार में देश कानून और संविधान से नहीं चल रहा है। भाजपा संविधान नहीं मानती है। जिन लोगों ने गोली मारने और अन्य तरह की धमकियां दी उनके ऊपर कार्रवाई नहीं हुई। ये धमकियां भाजपा ने दिलवायी है। इसीलिए कार्रवाई नहीं हो रही है। मै मंदिर गया तो उसे गंगा जल से धुलवाया। क्या संविधान में ऐसा है।

भाजपा सरकार कानून और संविधान से नहीं चल रही है। इसीलिए उत्तर प्रदेश फर्जी मुठभेड़ में नम्बर वन है। पुलिस हिरासत में मौतों में नम्बर वन है। भाजपा सरकार राजनीतिक विरोधियों, मुसलमानों और अब जैन समाज के खिलाफ बदले की भावना से काम कर रही है। मुंबई में जैन मंदिर गिरा दिया। मध्य प्रदेश में हमला हुआ। भाजपा दूसरों को बदनाम करने के लिए किसी हद तक जा सकती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जो वन नेशन वन इलेक्शन की बात करते है वे अपना अध्यक्ष नहीं चुन पा रहे है। भाजपा में सबसे ज्यादा परिवारवाद है। भाजपा का एक परिवार है जो बहुत खतरनाक है। भाजपा में परिवारवाद भरा पड़ा है। भाजपा दूसरों को बदनाम करती है। उसे अपना परिवारवाद नहीं दिखाई देता है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी जातिवादी पार्टी है। वह जाति के हिसाब से फैसला लेती है। कुलपतियों की नियुक्ति, डीजीपी की नियुक्ति, अधिकारियों की नियुक्ति में जातिवाद दिखाई दे रहा है। समाजवादी कभी जातिवादी नहीं होते है। समाजवादी सबको साथ लेकर चलते है। हम पीडीए को एकजुट करके अन्याय, अत्याचार के खिलाफ लड़ रहे है। पीड़ित दुखी लोगों के खिलाफ अन्याय हो रहा है। समाजवादी लोग पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी है। उनकी लड़ाई लड़ रही है। भाजपा भूमाफिया पार्टी है। इसकी नज़र लोगों की जमीनों पर है। यह जमीनें छीनना चाहती है। कार्यक्रम में एक व्यक्ति के व्यवधान डालने पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों द्वारा कार्यकमों में व्यवधान डालना ठीक नहीं है। भाजपा के लोग अलोकतांत्रिक है। यही इनका चाल, चरित्र और चेहरा है।

एक नजर

युवा समाज कल्याण समिति में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ। सरोजनीनगर के चिल्लावां स्थित युवा समाज कल्याण समिति (वाईएसएस) कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मोहम्मद इलियास को संस्था का जिला महासचिव नियुक्त किया गया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष पंकज यादव ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समिति निरंतर समाजसेवा में जुटी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को नि:शुल्क कंप्यूटर शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का काम किया जा रहा है। इस मौके पर कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष मुजम्मिल अंसारी के अलावा जुनेद, देवाशीष चौधरी, सुमित यादव, आजाद गौतम, यासीन खान, आसिफ खान और सुएब सिद्दीकी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायक की दूसरी पुण्यतिथि उनके पैतृक निवास में मनाई गई

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके पूर्व मंत्री स्व. शारदा प्रताप शुक्ला की दूसरी पुण्यतिथि शुक्रवार को उनके पैतृक निवास बंथरा के रहीमनगर पड़ियाना में मनाई गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने स्व. शारदा प्रताप शुक्ला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मौजूद लोगों ने कहा कि स्व. शारदा प्रताप शुक्ला हमेशा आम जनता की मदद के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कठिन परिश्रम और संघर्ष किया। वह हमेशा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर प्रयासरत रहते थे। उनकी पुण्यतिथि के इस मौके पर कृष्ण प्रताप शुक्ला एडवोकेट, पूर्व प्रधान गोविंद प्रताप शुक्ला एडवोकेट, सूरजपाल प्रधान , नन्हे लाल यादव, रामपाल, पवन मिश्रा और शैलेंद्र शुक्ला सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे।

प्लॉट के नाम पर 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी की थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

लखनऊ। झांसी जिला न्यायालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत अलका गुप्ता ने प्लॉट के नाम पर 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अलका को मुताबिक उन्होंने अपनी बेटी के लिए घर बनवाने का सपना देखा था। इसी बीच नवंबर 2021 में उनकी मुलाकात ए.के. इंफ्रा के कर्मचारी देवेंद्र सिंह भुल्लर और मानसी श्रीवास्तव से हुई। तब दोनों ने रायबरेली हाईवे पर हनुमंत सिटी में प्लॉट नंबर 53 दिखाया। इस पर अलका को प्लाट पसन्द आ गया और उन्होंने 8 जून 2022 को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित जेबी मेट्रो ऑफिस में भुल्लर को 10 लाख रुपए नकद दिए। साथ ही 2-2 लाख के तीन चेक भी दिए। आरोप है कि बिल्डर भुल्लर ने 25 दिसंबर 2024 तक प्लॉट की रजिस्ट्री का वादा किया था। लेकिन बाद में उसने फोन उठाना और मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। बाद में परेशान होकर जब पीड़िता उनके ऑफिस पहुंची तो वहां ताला लगा मिला। इसके बाद परेशान पीड़िता ने डीसीपी दक्षिणी लखनऊ से शिकायत की। फिलहाल डीसीपी दक्षिणी के आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने मामले में देवेंद्र सिंह भुल्लर, मानसी श्रीवास्तव और ड्राइवर उमेश दीक्षित के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम की तरफ रहेगा डायवर्जन

लखनऊ। राजधानी के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक सांसद खेल महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। जिसके चलते शनिवार सुबह सात बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक इधर आने वाले रास्तों पर डायवर्जन व्यवस्था लागू होगी। वहीं कार्यक्रम में आने वालों लोगों और बीस हजार बच्चों के लिए पार्किंग की व्यवस्था भी की है। इन रास्तों पर लागू होगा डायवर्जन : डालीगंज पुल चौराहा की तरफ से क्लार्क अवध तिराहा, सुभाष चौराहा से हजरतगंज चौराहा की तरफ कोई वाहन नहीं जा सकेगा। इधर जाने वाले वाहन डालीगंज पुल चौराहा से डालीगंज इक्का तांगा चौराहा, आईटी चौराहा, कैसरबाग बस स्टॉप, अशोक लाट चौराहा होते हुए जा सकेंगे। क्लार्क अवध तिराहा/सुभाष चौराहा होकर हजरतगंज चौराहा की तरफ कोई वाहन नहीं जाएगा। इधर जाने वाले वाहन सुभाष/परिवर्तन चौराहा, अशोक लाट चौराहा से लालबाग होकर जा सकेंगे। अशोक लाट चौराहा से परिवर्तन/सुभाष चौराहा/ हजरतगंज चौराहा की तरफ कोई वाहन नहीं जा सकेगा। यह वाहन कैसरबाग बस स्टॉप, स्वास्थ्य भवन तिराहा, सीडीआरआई तिराहा, डालीगंज चौराहा से बर्लिंग्टन चौराहा होते हुए जा सकेंगे। आईटी चौराहा सुभाष चौराहा/हजरतगंज चौराहा की तरफ कोई वाहन नहीं जाने दिए जाएंगे। इधर जाने वाले वाहन निशातगंज या डालीगंज चौराहा होते हुए जा सकेंगे। हजरतगंज चौराहा से अल्का तिराहा, मेफेयर तिराहा, सुभाष चौराहा, डालीगंज चौराहा की तरफ वाहनों की आवाजाही नहीं होगी। इधर जाने वाले वाहन गोल मार्केट चौराहा से आईटी चौराहा या रॉयल होटल चौराहा, बर्लिंग्टन चौराहा, कैसरबाग बस स्टॉप चौराहा या लालबाग चौराहा होते हुए जा सकेंगे। सहारागंज तिराहा से चिरैयाझील की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे। यह वाहन हजरतगंज चौराहा, रॉयल होटल चौराहा होकर जा सकेंगे। मोतीमहल तिराहा से एसबीआई तिराहा, केडी सिंह बाबू स्टेडियम तिराहा की तरफ सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा। यह यातायात सहारागंज तिराहा से सिकन्दरबाग होते हुए जा सकेगा। चिरैयाझील तिराहा से क्लार्क अवध तिराहा और मोतीमहल तिराहा से केडी सिंह स्टेडियम तिराहा और हिन्दी संस्थान तिराहा के कोई वाहन नहीं चलेगा। वीवीआईपी वैकल्पिक आवागमन मार्ग होने के कारण एसबीआई तिराहा से मोतीमहल तिराहा तक किसी भी प्रकार के वाहन पार्क नहीं होंगे। रोडवेज/सिटी बसें/ कॉमर्शियल वाहन समतामूलक चौराहा, 1090 चौराहा से संकल्प वाटिका ओवरब्रिज, चिरैयाझील तिराहा होकर क्लार्क अवध तिराहा की तरफ नहीं जा सकेंगी। यह वाहन कमता तिराहा से शहीदपथ होकर उतरेठिया चौराहा, तेलीबाग चौराहा, करियप्पा से केकेसी रेलवे अंडर पास होकर जा सकेंगे। वर्लिंग्टन चौराहा, 1090 चौराहा से हजरतगंज की ओर सभी प्रकार के रोडवेज/सिटी बसें/कॉमर्शियल वाहन प्रतिबंधित रहेगें। संकल्प वाटिका ओवर ब्रिज (पीएनटी बालू अडडा) से चिरैया झील की तरफ तक यातायात प्रतिबंधित रहेगा। निशातगंज से आने वाले वाहन पेपर मिल तिराहा से सिंकदरबाग की तरफ नहीं जा सकेंगे। यह वाहन पेपर मिल तिराहा से आरआर बंधा, समता मूलक होते हुए जा सकेंगे।

छेड़छाड़ के बाद ब्यूटीशियन की हत्या

पति बोला- शादी में मेहंदी लगाने के लिए बुलाया, रास्ते में चाकुओं से गोदा-कार से कुचला

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बंथरा इलाके में ब्यूटीशियन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पति ने आरोप लगाया कि मेरी पत्नी को तीन युवक शादी पार्टी में मेहंदी लगाने ले गए थे। तीनों ने उससे छेड़छाड़ की, विरोध करने पर चाकू से गोदा और कार से कुचल कर मार डाला। घटना गुरुवार देर रात की है।

बताया गया छाया बंथरा के लोनहा में पति मोनीलाल उर्फ सूर्या और 3 वर्षीय बेटे के साथ रहती थी। गुरुवार रात करीब 1 बजे उन्नाव के अजय और विकास एक अन्य साथी के साथ स्विफ्ट कार से आए। उन्होंने बंथरा के रामदासपुर में अपने साले सुधांशु की शादी में मेहंदी लगाने को कहा। छाया अपनी चचेरी बहन पलक के साथ कार में बैठी।

बंथरा थाना क्षेत्र के हरौनी चौकी से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर लोनहा में किराए पर रहकर ब्यूटी पार्लर का काम करने वाली 30 वर्षी छाया की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई ।

बताते हैं कि शुक्रवार तड़के जब कार चला रहा युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मौक से फरार हो गया। हालांकि हरौनी पुलिस ने कार चालक के साले को हिरासत में ले लिया है।

नारायणपुर- फतेगंज मार्ग पर कार नम्बर यूपी 32ई जे 23 शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे अचानक अनियंत्रित होकर एक दीवार में जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में दो महिलाएं बैठी थी । पहली छाया पत्नी सूर्या उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी इन्दिरा नगर लखनऊ वर्तमान में बन्थरा के लोनहा गाँव में रहती थी। छाया के 4 वर्ष की बेटी भी है। गाड़ी को अजय रावत चला रहा था। अजय रामदासपुर अपनी ससुराल में साले की बारात में आया था। साले सुधांशु रावत की शुक्रवार को बारात जानी हैं।

गुरूवार को मेहदी की रस्म थी । छाया ने अजय को फोन किया कि मुझे भी मेहदी की रस्म देखनी है । अजय छाया को लोनहा से लेकर जा रहा था ,लेकिन रामदासपुर गांव में गाड़ी अनियंत्रित होकर दीवार में जा टकराई। जिससे छाया गम्भीर रूप से घायल हो गई। वहीं दूसरी महिला बाल बाल बच गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची बन्थरा पुलिस ने एम्बुलेंस द्वारा घायल महिला को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया । जहाँ डाक्टरों ने छाया को मृत घोषित कर दिया। पुलिस कार चालक की तलाश में जुटी हुई है। वह सूत्रों की माने तो उक्त महिला की धारदार हथियार से हत्या की गई है ।इंस्पेक्टर बंथरा का कहना है कि परिजनों ने आरोप लगाया कि कार में महिला से छेड़छाड़ हुई है । तभी इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर टकरा गई है ।जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इंजरी आई हुई है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, एल्डिको में 'अलंकरण समारोह' का आयोजन

लखनऊ। दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको में 'अलंकरण समारोह' का आयोजन किया गया । विद्यालय के महत्वपूर्ण विभिन्न पदों की शपथ हेतु प्रधानाचार्या मनीषा अंथवाल जी और लेफ्टिनेंट कर्नल आशुतोष चतुर्वेदी (एमडी ,डीएनबी) जी ने छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई और उनके उत्तरदायित्व के निर्वाहन के प्रति उन्हें जागरूक कराते हुए निष्ठापूर्वक उसे निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस समारोह में हेड बॉय अर्णव सुमन,हेड गर्ल वेरोनिका राज सिंह, वॉइस हेड बॉय अयांश सिंह, वाइस हेड गर्ल मिश्का प्रकाश बनी। स्पोर्ट्स कैप्टन अभय पाल, वाइस कैप्टन बॉय अद्यांश मिश्रा, वाइस कैप्टन गर्ल वान्या त्रिपाठी अन्य सदस्य में अदित्री राठौर और एकांश सिंह को बनाया गया। डिसिप्लिन काउंसिल में हेड दर्श उपाध्याय अन्य सदस्य में हिमानी मोहंती, अर्विका, निकित प्रताप सिंह, निथान जॉन, को बनाया गया। एनवायरनमेंट काउंसिल में हेड धैर्य कुमार, अन्य सदस्य में आरव मिश्रा, आरुष गुप्ता,यशिका मेहरोत्रा को चयनित किया गया। ब्लूबेल सदन की कैप्टन आरव श्रीवास्तव, वाइस कैप्टन अविरल प्रताप सिंह को बनाया गया । ट्यूलिप सदन की कैप्टन अविरल त्रिवेदी, और वाइस कैप्टन दृशाना द्विवेदी को बनाया गया । शैमरॉक हाउस सदन की कैप्टन वानिया सिंह और वाइस कैप्टन हर्षवर्धन सिंह को बनाया गया। डैफोडिल सदन की कैप्टन आरिज़ अली और वाइस कैप्टन एम. डी. विवान को चुना गया।

लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन चुनाव : 22 पदों के लिए 128 वकील मैदान में

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। अध्यक्ष, महासचिव समेत कुल 22 पदों के लिए 128 प्रत्याशी मैदान में हैं। नामांकन की प्रक्रिया 8 और 9 अप्रैल को पूरी हो गई है। अब 28 अप्रैल को मतदान और 29 अप्रैल को मतगणना होगी। सेंट्रल बार के लिए 3742 मतदाता मतदान करेंगे।

एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन पीएन श्रीवास्तव और मुख्य चुनाव अधिकारी उमाशंकर श्रीवास्तव ने बताया- अध्यक्ष पद के लिए तीन, जबकि महासचिव पद के लिए पांच उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 11, उपाध्यक्ष (मध्य) के दो पदों के लिए भी 11 दावेदार सामने आए हैं।

वोटर मोहम्मद फुरकान एडवोकेट ने बताया- कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दो, कोषाध्यक्ष के लिए आठ, संयुक्त सचिव के तीन पदों के लिए 34 प्रत्याशी चुनावी रण में हैं। वरिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों के लिए 16 और कनिष्ठ कार्यकारिणी के छह पदों पर 38 उम्मीदवार मैदान में हैं। सेंट्रल बार एसोसिएशन का चुनाव इस बार हाईकोर्ट के निर्देश पर एल्डर्स कमेटी की निगरानी में हो रहा है। सभी नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया अब शुरू होगी, जिसके बाद फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। बार के इतिहास में ये चुनाव इसलिए भी अहम हैं क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर वकीलों की भागीदारी देखने को मिल रही है। सभी निगाहें 28 अप्रैल को होने वाले मतदान और 29 अप्रैल को आने वाले नतीजों पर टिकी हैं।

हनी ट्रैप में फंसा डॉक्टर, लड़की ने ऑनलाइन बात की

अश्लील वीडियो भेज पैसे मांगे, पत्नी पहुंची थाने

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। महानगर क्षेत्र में एक महिला ने डॉ. रमेश भारती को हनी ट्रैप में फंसा लिया। उसने पहले सोशल मीडिया के जरिए डॉक्टर से बातचीत की। उसके बाद उसे कुछ अश्लील वीडियो भेजकर धमकी दी। बोली- अगर मुझसे मिलोगे तो बच जाओगे। नहीं तो ये तुम्हारे रिश्तेदारों को भेज दूंगी।

इस पर डॉक्टर उससे मिलने पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित शिवम होटल पहुंचा। यहां महिला ने डॉक्टर के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड किए। इसके बाद इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर रुपए मंगाने लगी। इसकी जानकारी होने पर डॉक्टर की पत्नी ने पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। डॉक्टर की पत्नी ने पुलिस को बताया- पूजा पांडेय नाम की महिला ने सोशल मीडिया के जरिए उसके पति से संपर्क किया। शुरुआत में वह मैसेज भेजती रही, जिसे पति सामान्य मानते रहे। उसके बाद उसने एक बार पति से वीडियो कॉल पर बात की।

● पहले मार्फ्ड वीडियो भेजा वीडियो डिलीट करने के लिए मांगे पैसे

फिर अलग नंबर से मार्फ्ड वीडियो भेजा। उस अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देने लगी। उसने बताया कि इसे वह उसकी पत्नी और परिचितों को भेज देगी, जिससे पति की बदनामी होगी। डॉक्टर ने महिला से वीडियो डिलीट करने की गुहार लगाई। इस पर महिला ने पैसों की मांग शुरू कर दी। यूपीआई और गूगल-पे के जरिए उसने डॉक्टर से लाखों रुपए वसूल लिए। 7 अप्रैल को समझौते के बहाने महिला ने डॉक्टर को पीजीआई क्षेत्र स्थित शिवम इंटरनेशनल होटल में बुलाया।

वहां उसने एक और अश्लील वीडियो बना लिया और फिर से धमकी देने लगी। इस घटना से डॉक्टर पिछले 10 दिनों से डिप्रेशन में हैं। परेशान होकर डॉक्टर ने अपनी पत्नी को पूरी बात बताई। डॉक्टर की पत्नी ने पीजीआई थाने में महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आईपीएल के टिकट की कालाबाजारी करने के दौरान युवक को किया गिरफ्तार

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने प्लासियो मॉल के पास आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी करते युवक को पकड़ा। आरोपी प्लासियो मॉल के आस-पास घूमकर लोगों को आईपीएल मैच के टिकट ऊंचे दामों पर बेच रहा था। बीती गुरुवार दोपहर को एक व्यक्ति ने टिकटों की कालाबाजारी करने वाले युवक का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंच कर युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई थी, इसके बाद पूछताछ कर देर रात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 43 टिकट बरामद हुए। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने 17 अप्रैल को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर शुक्रवार को जेल भेज दिया है। पुलिस इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सुजीत यादव पुत्र सूर्य लाल यादव निवासी मिनर्वा क्लीनिक के पास पृथ्वीपुरम अहिमामऊ बताया है।

बच्चे पढ़ेंगे बाल कहानियां और महापुरुषों की जीवनी

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। गोसाईंगंज विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय उर्दू, अमेठी के बच्चे अब बाल कहानियां और महापुरुषों की जीवनी सहित बहुत कुछ पढ़ सकेंगे और चौमुखी ज्ञान हासिल करेंगे। इसके लिए विद्यालय में पुस्तकालय की स्थापना की गई है। एक समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी रामराज और प्रथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ने फीता काट कर पुस्तकालय का उद्घाटन किया।

अमेठी उर्दू प्राथमिक विद्यालय में पुस्तकालय का उद्घाटन करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी रामराज और शिक्षक संघ अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ने पुस्तकालय स्थापना को शिक्षकों की सामूहिक प्रतिबद्धता तथा ज्ञानार्जन की दिशा में सराहनीय पहल बताया और कहा कि यह पुस्तकालय शिक्षार्थियों के बौद्धिक

विकास एवं ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में नवचेतना का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार का प्रयास विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर एसआरजी सुनीता तिवारी, एआरपी शैलेन्द्र शर्मा, आशीष सिंह, लाल बहादुर, जुलकरनैन खान, नौशाद अली, संतोष राय, मोहम्मद राशिद, महेश चंद्र, श्रीमती तरन्नुम निशात, श्रीमती विनीता, श्रीमती सरिता यादव और अहमद अली सहित अन्य शिक्षक, अतिथि और बच्चे मौजूद रहे। पुस्तकालय में बाल कहानियां, महापुरुषों की जीवनी और कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक पुस्तकें रखी गई हैं। यह पुस्तकालय बच्चों के मानसिक विकास, भाषा ज्ञान, कल्पनाशक्ति और तर्कशक्ति को भी सशक्त करेगा।

डेटा इस्तेमाल का तरीका एक्सआर के उपयोग से कार्यस्थल, प्रशिक्षण, शैक्षिक उद्देश्यों, चिकित्सीय उपचारों और डेटा अन्वेषण एवं विश्लेषण में संयुक्त प्रयास किए जा सकते हैं

वेव्स एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन ने भारत में गहन अभिनव की आधारशिला रखी

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। वर्चुअल वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता के तेजी से बढ़ते क्षेत्र- मनोरंजन, सिनेमा, विपणन, प्रशिक्षण, शिक्षा, रखरखाव और दूरस्थ कार्य जैसे कई क्षेत्रों में क्रांति ला रहे हैं। एक्सआर अर्थात विस्तारित वास्तविकता, एक व्यापक अवधारणा है जिसमें वर्चुअल रियलिटी (वीआर), ऑग्मेटिड रियलिटी (एआर) और मिक्सिड रियलिटी (एमआर) जैसी गहन तकनीकें शामिल हैं और यह वास्तविक और वर्चुअल वातावरण का संयोजन करती है।

स्थानीय अथवा नेटवर्क से प्राप्त वर्चुअल डेटा का इस्तेमाल करते हुए इसे व्यक्ति के मनोभावों के साथ साझा और स्थानांतरित किया जाता है, एक्सआर डिवाइस वर्चुअल रूप से भावनाओं में वास्तविक समय में होने वाली प्रतिक्रियाओं को बढ़ाते हुए विशेष अनुभव का भाव जगाते हैं।सेंसर और मनमोहक अनुभव द्वारा संचालित इंटरैक्टिव कियोस्क के साथ, मूवी स्टूडियो ने आज अपनी फिल्मों को प्रोत्साहन देने के लिए एक्सआर के उपयोग का एक शानदार तरीका खोज लिया है। यूनिवर्सल स्टूडियो ने जुरासिक वर्ल्ड: फॉलन किंगडम फिल्म के निर्माण के लिए कई तरह के डायनासोरों को दिखाते हुए खासतौर पर इन-स्टोर और इन-होम अनुभवों का अहसास कराने के लिए ऐसे ही संवर्द्धित वास्तविक प्रभावों का उपयोग किया। भारत में, 'सुपर 30' और 'संजू' जैसी बॉलीवुड फिल्में, 2012 की तेलुगु भाषा की जबरदस्त एक्शन फिल्म 'ईगा', दुनियाभर में लोकप्रिय 'बाहुबली', 'आरआरआर' सभी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों पर राज करने और उनकी सोच पर अनूठा प्रभाव डालने के लिए इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल किया है। भारतीय फिल्म निर्माता पोलोमी बसु की 'माया: द बर्थ ऑफ ए सुपरहीरो' 2024 में कान्स फिल्म महोत्सव की नवीन इमर्सिव प्रतिस्पर्धा श्रेणी में शामिल आठ परियोजनाओं में से एक थी। सामुदायिक कॉलेजों और व्यावसायिक स्कूलों से लेकर आरआई अनुसंधान संस्थानों तक के उच्च शिक्षा संस्थान विभिन्न क्षमताओं में एक्सआर तकनीकों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। एक्सेंचर की एक रिपोर्ट के अनुसार, वीआर-प्रशिक्षित विशेषज्ञ पारंपरिक रूप से प्रशिक्षित विशेषज्ञों की तुलना में 40 प्रतिशत कम गलतियां करते हैं। एआर/वीआर तकनीकें दिव्यांगों के लिए भी पहुंच और समावेशन में सुधार करने की महत्वपूर्ण क्षमता प्रदान करती हैं, जिसमें एआर सांकेतिक भाषा अनुवाद से लेकर वीआर सहानुभूति उपकरण और बहुत कुछ शामिल हैं। एक्सआर तकनीक इमर्सिव वातावरण के सृजन के साथ वर्चुअल बैठक के स्वरूप को भी बदल सकता है इसमें प्रतिभागी अलग-अलग स्थलों पर होने के बावजूद 3डी मॉडल के साथ वार्तालाप करने के साथ-साथ अपनी प्रस्तुतियां साझा करने के अलावा इस तरह से विचार-विमर्श कर सकते हैं जैसे वह सभी एक ही कक्ष में उपस्थित हों। एक्सआर के उपयोग से कार्यस्थल, प्रशिक्षण, शैक्षिक उद्देश्यों, चिकित्सीय उपचारों और डेटा अन्वेषण एवं विश्लेषण में संयुक्त प्रयास किए जा सकते हैं।वैश्विक और भारतीय एक्सआर बाज़ार तेज़ी से बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र 2030 तक 34 प्रतिशत सीएजीआर के साथ 26 बिलियन डॉलर का उद्योग बनने के लिए तैयार है। भारत का एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग और कॉमिक्स एवं एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीसी-एक्सआर) क्षेत्र अगले पांच से छह वर्षों में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए तैयार है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम के अनुसार, एक्सआर तकनीकें 2030 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अनुमानित 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक व्यवस्था बना सकती हैं और यह 30 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दर को रेखांकित करता है। ट्रैक्सन रिपोर्ट इंडस्ट्री के अनुमान के अनुसार, 2018 में 170 एक्सआर स्टार्टअप थे, जबकि 2025 में यह संख्या 300 को पार कर गई है। एक्सआर क्षेत्र में कई तरह रोजगारों की भूमिकाएं और विशेषज्ञताएं शामिल हैं। कुछ सामान्य एक्सआर जॉब प्रोफाइल में एआर/वीआर/एमआर एप्लिकेशन बनाने वाले सॉफ़्टवेयर डेवलपर, एक्सआर हार्डवेयर इंजीनियर, 3डी आर्टिस्ट और डिज़ाइनर, शोधकर्ता और कंप्यूटर विज़न इंजीनियर, उत्पाद प्रबंधक और यूएक्स विशेषज्ञ, कंटेंट क्रिएटर और प्रशिक्षक आदि शामिल हैं। भारत को एवीजीसी के लिए वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, नवंबर 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मुंबई में एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी (एवीजीआर-एक्सआर) के लिए एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना को स्वीकृति दी। 5,00,000 रोजगारों के सृजन के अनुमान के साथ, एनसीओई को आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों के आधार पर तैयार किया गया है। इसके लिए केंद्र एक कुशल प्रतिभा समूह बनाने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी अवसंरचना, अत्याधुनिक तकनीक और विशेष कौशल प्रदान करेगा।

सह-लेखक आशुतोष कुमार, संस्थापक और सीईओ, वेवलैप्स और श्रीयंका चटर्जी, मीडिया एवं संचार अधिकारी, पत्र सूचना कार्यालय

इस प्रकार से भारत एक व्यापक क्रांति का साक्षी बन रहा है। हाल ही में संपन्न एक्सआर क्रिएटर हैकथॉन एक राष्ट्रव्यापी पहल रही और यह विस्तारित वास्तविकता प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देती है। इसका आयोजन सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से वेवलैप्स, एक्सडीजी और भारत एक्सआर द्वारा किया गया था, जिसमें इमर्सिव प्रौद्योगिकियों के भविष्य को आकार देने के लिए पूरे भारत से रचनात्मक सोच को एक मंच पर स्थान दिया गया था। एक्सआर हैकथॉन 32 विविध और गतिशील चुनौतियों में से एक है और यह क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) सीजन-1 का निर्माण करती है। इसे 1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया है। क्रिएट इन इंडिया चुनौतियों के विजेताओं को मुंबई में एक भव्य समारोह में 'वेव्स क्रिएटर अवाड्र्स' से सम्मानित किया जाएगा। इन चुनौतियों ने रचनात्मक परिदृश्य में एक जबरदस्त पैठ के साथ-साथ भारत और विदेशों में नवाचार और जुड़ाव का एक उत्कृष्ठ भाव जगाया है और यह वैश्विक स्तर पर रचनात्मक प्रतिभा के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभरी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में कहा कि वेव्स भारतीय कलाकारों को विषयवस्तु तैयार करने और इसकी वैश्विक पहुंच बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा, साथ ही दुनिया भर के कलाकारों को भारत में सहयोग करने के लिए आमंत्रित करेगा।देश के सभी क्षेत्रों में एक्सआर हैकाथॉन का शुभारंभ 2,200 से ज़्यादा प्रतिभागियों के साथ हुआ। एक प्रतिष्ठित जूरी ने फाइनल प्रतिभागियों की गहनता से समीक्षा की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चयनित परियोजनाऐं तकनीकी निष्पादन, उपयोगकर्ता अनुभव और वास्तविक दुनिया के प्रभाव के उच्चतम मानकों को पूर्ण करती हों। इनमें से हर विशेषज्ञ एक अलग क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे भारत में सबसे आशाजनक एक्सआर प्रोजेक्ट का एक समग्र मूल्यांकन सुनिश्चित होता है। हैकाथॉन के प्रत्येक संबंधित विषयों जैसे स्वास्थ्य सेवा, इमर्सिव टूरिज्म, ई-कॉमर्स, शिक्षा और मीडिया एवं मीडिया और मनोरंजन से पांच विजेताओं की घोषणा 9 अप्रैल, 2025 को की गई थी। इसके अलावा एक्सआर हैकाथॉन विजेताओं के साथ-साथ अन्य चुनौतियों के फाइनलिस्ट, जिनकी संख्या 750 से अधिक है, को भी अपनी व्यक्तिगत चुनौती, प्रतिभा और कौशल के परिणाम और कार्य को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्राप्त होगा। इसके साथ-साथ विशेष गतिविधि सत्रों सहित अपने संबंधित क्षेत्र के व्यापारिक प्रमुखों के साथ नेटवर्किंग के अवसर और मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, सम्मेलनों आदि के माध्यम से वैश्विक दिग्गजों से शिक्षण का अवसर प्राप्त होगा।इस पहल की वास्तविक सफलता सिर्फ विजेताओं से नहीं अपितु इस परिणाम से तय की जाएगी कि ये परियोजनाऐं वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में कैसे परिवर्तित होती हैं। एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन जैसी भविष्यगत पहलों के साथ, भारत न केवल वैश्विक एक्सआर दौड़ में भागीदारी कर रहा है, बल्कि यह अपनी शर्तों पर गहन अभिनव की आधारशिला भी रख रहा है। एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन और वेव समिट ने हजारों उत्साही युवा एक्सआर व्यक्तित्वों को एक मंच प्रदान किया है जिससे उन्हें समर्थन और मार्गदर्शन भी मिला है और यह नवाचार करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। हैकाथॉन के 30 प्रतिशत से अधिक फाइनल प्रतिभागी श्रेणी-2 और 3 शहरों से आते हैं और यह एक्सआर क्षेत्र के व्यापक होने का प्रमाण है। एक्सआर क्रिएटर हैकाथॉन के साथ, हम भारतीय एक्सआर उद्योग में क्रांति ला रहे हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म से निकलने वाले समाधानों के माध्यम से हम दुनिया भर में, उद्योगों में, वास्तविकताओं में किस प्रकार से वार्तालाप किये जा सकते हैं इस दिशा को एक नया आयाम देंगे।

एक नजर

सीडीपीओ व कार्यकत्री पर होगी एफआईआर

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के धौरहरा में फर्जी दस्तावेजों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नौकरी हासिल करने का मामला सामने आया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने इस मामले में सीडीपीओ, लेखपाल और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के खिलाफ धारा 156/3 के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।शिकायतकर्ता श्याम किशोर के अनुसार, पूनम देवी ने 2007 में ग्राम दिलावरपुर में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नौकरी प्राप्त की। उन्होंने झूठे शपथपत्र और आधार कार्ड के जरिए लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार से ग्राम समैसा का निवास प्रमाण पत्र बनवा लिया।शिकायत मिलने पर एसडीएम धौरहरा राजेश कुमार ने निवास प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी को पत्र भेजा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सभी सबूतों की जांच के बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूनम देवी, लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार और सीडीपीओ ईसानगर प्रियंका कुमारी के खिलाफ ईसानगर पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार गंगवार ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

पीएम आवास योजना से वंचित परिवार, शिकायत

खीरी टाउन। जनपद लखीमपुर खीरी में परिवार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार जहां करोड़ों रुपए खर्च रही तो वही खीरी क्षेत्र में योजनाओं से वंचित परिवार है। कस्बे मोहल्ला हानियां टोला के रहने वाले प्रताप पुत्र आसाराम ने बताया कि मेरे परिवार में पांच सदस्य हैं जिसमें तीन बेटियां और दो बेटे हैं बड़ी बेटी सोनी जिसकी उम्र लगभग 18 वर्ष और दूसरी बेटी मोनी 17 वर्ष की है मेरी ये दोनों बेटियां बचपन से ही नेत्रहीन हैं इनसे छोटे दो बच्चे हैं जिसमे सोनू 10 वर्ष मोनू 8 वर्ष का है मेरी पत्नी रामरती का तीन वर्ष पहले स्वर्गवास हो चुका है मैं लगभग तीस वर्षों से पत्ते बेचकर अपने परिवार का गुजर बसर कर रहा था। परंतु बीते कुछ दिनों से पत्तों की बिक्री नही हो रही है। जिससे मेरे परिवार की स्थिति बहुत ही खराब चल रही है। लगभग 10 दिनों से मेरे घर का चूल्हा नहीं जला है कस्बे के ही रहने वाले राम प्रकाश मिश्रा द्वारा हम लोगों के खाने की व्यवस्था की जा रही है।मेरे परिवार को किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला है चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास या फिर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर औए चूल्हा आजतक मेरा राशन कार्ड भी नही बन पाया है मैं सारी कोशिशें करके अब तक चुका हूँ मेरी नेत्रहीन बेटी मजबूरन मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी जलाकर खाना बनाती आ रही है प्रशासन से मेरी अपील है कि हमें जल्द से जल्द सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

चिकित्सक की तैनाती न होने से पशुपालक परेशान

सिंगाही खीरी। पशु चिकित्सक का स्थानांतरण होने बाद स्थानीय कस्बे स्थित पशु चिकित्सालय पर किसी भी चिकित्सक तैनाती न होने के कारण नहीं यहां के पशुपालकों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।सरकार पशु संवर्धन के लिए बढ़ावा दे रही है। इसके लिए उनके अच्छी सेहत के भी प्रयास किए जा रहे हैं।लेकिन तहसील के सभी पशु अस्पताल खुद बीमार है। यहा कोई स्थाई डॉक्टर नहीं है। सिंगाही अस्पताल में एक साल पहले यहां कार्यरत डॉक्टर एके पटेल का स्थानांतरण बीते 30 जून को हो गया। 31 जनवरी को चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी सुरेश चन्द्र सक्सेना भी सेवानिवृत्त होने के बाद अस्पताल में ताला लगाकर बन्द कर दिया गया था उसके बाद अभी तक किसी डॉक्टर की नियुक्ति नहीं कि गई। इस कारण चिकित्सालय पर आए पशुपालक अस्पताल में लटका हुआ ताला देख कर घर वापस लौट जा रहे हैं।निघासन पशु चिकित्सालय में फार्मासिस्ट सियाराम राणा के सहारे, तिकुनिया में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी गुलाब सिंह, बेलपरसुआ में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ठगीराम के सहारे अस्पताल चल रहा है। पशु चिकित्सालय में डॉक्टर की तैनाती न होने के कारण, गौशालाओं में पशुओं की देखभाल और इलाज में काफी दिक्कतें आ रही हैं। गौशालाओं में पशुओं के बीमार होने पर, उन्हें समय पर डॉक्टर की सलाह और इलाज नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति पशुओं की सेहत के लिए खतरनाक है और गौशालाओं के संचालन को भी प्रभावित कर रही है।नीमगांव के पशु चिकित्सक सौरभ सिंघई ने बताया कि उनके पास निघासन, सिंगाही, तिकुनिया, बेलपरसुआ के अलावा दो अन्य अस्पतालों के चार्ज है इस वजह से नियमित आना संभव नहीं होता। हर जगह देखना पड़ता है। स्टाफ कम होने की वजह से पशुपालकों को परेशानी हो रही है। फिर भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। सीवीओ डॉ सोमदेव चौहान ने बताया कि जिले में चिकित्सक के अभाव में समस्या हो रही है। शासन को पत्र लिखा गया है डॉक्टरों के आने पर तैनाती की जाएगी।

भरी बाल्टी में गिरा दो साल का मासूम,मौत

मैगलगंज खीरी। लखीमपुर खीरी के मैगलगंज कोतवाली क्षेत्र से दिल झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। गांव सेमराघाट में दो साल के बच्चे की पानी की बाल्टी में डूबने से मौत हो गई। लखीमपुर खीरी के मैगलगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव सेमराघाट में शुक्रवार को पानी से भरी बाल्टी में डूबने से दो साल के मासूम बच्चे के मौत हो गई। इस घटना से उसके परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया। दोपहर के बाद मासूम के शव को दफना दिया गया। गांव सेमराघाट निवासी हरजिंदर सिंह उर्फ चिंटू का लगभग दो साल का पुत्र वर्षदीप सिंह शुक्रवार को घर में खेल रहा था। इसी दौरान वह खेलते-खेलते बाथरूम में चला गया। वहां पानी से भरी बाल्टी रखी थी। किसी तरह मासूम इस बाल्टी में सिर के बल गिर गया। सिर पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।वर्षदीप को घर में न देख उसकी मां पहले उसे कमरों में देखा। फिर बाथरूम में गईं तो उनकी चीख निकल गई। मासूम औंधे मुंह बाल्टी में पड़ा हुआ था। उसकी मौत हो चुकी थी। इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मासूम की मां रो-रोकर बेसुध हो गई।

शांति भंग में युवक गिरफ्तार

नीमगांव खीरी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की गई है। क्षेत्राधिकारी मितौली शमशेर बहादुर सिंह के पर्यवेक्षण में नीमगांव पुलिस ने शांति भंग के एक मामले में कार्रवाई की है।थाना नीमगांव पुलिस टीम ने ग्राम बैबहा से 30 वर्षीय मनोज कुमार को गिरफ्तार किया है। मनोज कुमार बालकराम का पुत्र है और ग्राम बैबहा का निवासी है। आरोपी के खिलाफ धारा 151 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की गई है गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कानूनी कार्रवाई के लिए उपजिलाधिकारी मितौली के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में चौकी प्रभारी सिकंदराबाद उपनिरीक्षक आशीष सहरावत और कॉन्स्टेबल सोमनाथ शामिल थे यह कार्रवाई अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

बाघ के दांतों के साथ पकड़ा गया तस्कर वन विभाग की टीम को चकमा देकर फरार

विश्ववार्ता ब्यूरो

पलिया खीरी। पलिया रेंज के मकनपुर गांव से गिरफ्तार किए गए दो वन्यजीव अंग तस्करों में एक तस्कर वनकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। वन विभाग ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई हैं। लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व के बफरजोन व पलिया तहसील क्षेत्र के मकनपुर गांव से बृहस्पतिवार को पकड़े गए दो वन्यजीव तस्करों में से एक तस्कर शुक्रवार सुबह वन विभाग की गिरफ्त से भाग गया। फरार हुए तस्कर की तलाश के लिए वन विभाग ने कई टीमों को लगाया है।

दुधवा टाइगर रिजर्व की बफर जोन के मकनपुर गांव में बृहस्पतिवार को मुखबिर की सूचना में वन विभाग व यूपीएसटीपीएफ बरेली की टीम ने छापेमारी करते हुए गांव निवासी भागीराम व प्रकाश चौधरी निवासी कैलाली, गोदावरी (नेपाल) को गिरफ्तार किया था। इनके पास से बाघ के चार बड़े दांत, 13 छोटे दांत, बाघ के 18 नाखून, बाघ के जबड़े की तीन हड्डियां व अन्य चीजें बरामद की थीं। दोनों पर वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

शुक्रवार को मकनपुर गांव निवासी भागीराम लघुशंका के बहाने निकला और साथ चल रहे वनकर्मियों को चकमा देकर पलिया रेंज से फरार हो गया। इसकी सूचना मिलने पर आला अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन रेंज कार्यालय पर पहुंचना शुरू कर दिया। वन विभाग द्वारा कई टीमों को लगाते हुए पुलिस की मदद से आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। बताया जाता है कि आरोपी स्थानीय निवासी है, इस वजह से जानकारी होने के कारण ही वह फरार होने में सफल रहा। इस संबंध में पलिया रेंजर विनय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी भागीराम फरार हुआ है, जिसकी तलाश की जा रही है। टीमों को लगाकर जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। फिलहाल इस मामले को लेकर विभाग में खलबली मची हुई है।

निष्पक्ष कार्यवाही, जन सामान्य को न्याय दिलाना, प्राथमिकता : अर्पित

बाराबंकी। नवागत पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण करने के उपरान्त पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों से वार्ता की। प्रेस वार्ता दौरान एसपी ने पत्रकारों को प्राथमिक उद्देश्यों और कार्ययोजना के सम्बन्ध में जानकारी दी। उन्होंने कहा, कानून व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने के साथ अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही प्राथमिकता के साथ की जायेगी। उन्होंने पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी करने हेतु तकनीकी सेवाओं के माध्यम से भी अभिनव पहल करने के विषय में बताया, जिसमें बार कोड के माध्यम से पुलिसकर्मियों की भ्रमणशीलता को चेक कर पुलिसिंग को और अधिक सशक्त किया जायेगा। एसपी ने कहा, पुलिस थानों में नियमित शालीनता के साथ जनसुनवाई कर त्वरित न्याय दिलाने की कार्यवाही की जायेगी। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ रखने हेतु क्षेत्रीय परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर ई-रिक्शा आदि के विरुद्ध अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। महिला एवं बाल अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी एवं प्रत्येक सप्ताह पुलिस टीम द्वारा पूर्व पीड़िताओं से सम्पर्क कर उनसे फीड बैक लिया जायेगा एवं उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया जायेगा। त्रिनेत्र कैमरों के सतत संचालन के साथ और अधिक कैमरा लगवाये जायेंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि, लोगों को न्याय दिलाना एवं निष्पक्ष कार्यवाही करना ही उनकी प्राथमिकता है।

तीन अभियुक्त गिरफ्तार, मारफीन बरामद

बाराबंकी। मुखबिर की सूचना पर तीन अभियुक्तों जितेन्द्र पुत्र प्रेमचन्द्र निवासी खरैला कुआँ थाना मसौली जनपद बाराबंकी, मो0 अरशद पुत्र मो0 सईद निवासी कटरा थाना मसौली जनपद बाराबंकी और मो0 फरमान पुत्र ताजुद्दीन निवासी मोहल्ला पचासा सहादतगंज थाना मसौली जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया।

नेशनल हेराल्ड घोटाला : भाजयुमो का विरोध-प्रदर्शन, पुतलों का दहन

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा नेशनल हेराल्ड घोटाले को लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पुतले का दहन किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित सिंह ने बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 20 नवंबर 1937 को एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की स्थापना की थी। इस संस्था के अंतर्गत अंग्रेजी में नेशनल हेराल्ड, हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज़ जैसे अखबार प्रकाशित होते थे। मालिक स्वयं नेहरू नहीं थे, बल्कि 5,000 स्वतंत्रता सेनानी इसके शेयरहोल्डर थे।

इस संस्था को कई शहरों में अखबारों के प्रकाशन के उद्देश्य से सरकार द्वारा सस्ती दरों पर ज़मीनें आवंटित की गईं थीं। भाजयुमो का आरोप है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने वर्ष 2011 में यंग इंडिया लिमिटेड नामक कंपनी बनाकर ।श्रस् की संपत्ति पर अवैध रूप से अधिकार जमा लिया। यह संपत्ति लगभग 2,000 करोड़ रुपये की बताई जा रही है। रोहित सिंह ने कहा, इस घोटाले की जांच के सिलसिले में जून 2022 में राहुल गांधी से 5 दिन में 50 घंटे पूछताछ हुई थी, जबकि 21 जुलाई को सोनिया गांधी से 3 दिन में 100 से अधिक सवाल पूछे गए थे। हाल ही में, 11 अप्रैल 2025 को प्रवर्तन निदेशालय (म्व) ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 8 और संबंधित नियमों के अंतर्गत संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज रजिस्ट्रार को सौंपे।

उक्त संपत्तियों को खाली कराने की मांग भी की है। भाजयुमो के विरोध प्रदर्शन में रचना श्रीवास्तव, रामेश्वरी त्रिवेदी, सूरज सिंह, अमरजीत श्रीवास्तव, सर्वेश अवस्थी, अरुण रावत, गुरदीप सिंह, वैभव मिश्रा, अनुज वर्मा समेत सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा डीसीएम के नीचे आ जाने से दो की मौत

हैदरगढ़, बाराबंकी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक और दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। यूपीडा की एम्बुलेंस द्वारा सीएचसी हैदरगढ़ पहुँचाये गए घायलो में से युवक और एक युवती को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया, वहीं गंभीर रूप से घायल हुई दूसरी युवती को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर किया गया हैं। मैनपुरी जनपद थाना भोगवा के नंदा खेड़ा गांव निवासी आलोक कुमार (28) का विवाह अंबेडकर नगर निवासी संध्या (25) के साथ तय था। आलोक अपनी मंगेतर संध्या एवं उसकी छोटी बहन काजल को कानपुर से मोटरसाइकिल पर बैठाकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माध्यम से अंबेडकर नगर जा रहा था।

शुक्रवार सुबह जब उसकी मोटरसाइकिल लोनी कटरा थाना क्षेत्र में किलोमीटर 20 पर नेरा कबूलपुर गांव के निकट पहुंची तो युवक ने आगे जा रही डीसीएम गाड़ी को ओवरटेक करने का प्रयास किया। बताते हैं कि इस दौरान मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पलट गई और मोटरसाइकिल पर बैठे तीनों लोग डीसीएम के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक्सप्रेसवे की राहत एवं बचाव टीम द्वारा तीनों घायलों को यूपीडा की एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़ पहुंचाया गया, जहां पर आलोक और संध्या को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि हेड इंजरी व पैर में फ्रैक्चर के कारण गम्भीर घायल काजल को ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर किया गया है।

चोरी करने वाला कर्मचारी साथी समेत गिरफ्तार

प्लाई गोदाम की चोरी में दूसरे सहयोगी की पुलिस कर रही तलाश

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने प्लाई गोदाम में चोरी करने वाले वहीं के कर्मचारी समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे, निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद किया। पुलिस विज्ञप्ति अनुसार पुलिस टीम ने शुक्रवार को वांछित दो अभियुक्तों अनुराग पाण्डेय पुत्र सुरेन्द्र पाण्डेय निवासी 33/1 पुरानी लेवर कालोनी ऐशबाग थाना बाजारखाला जनपद लखनऊ और कय्यूम पुत्र रफीक अहमद निवासी ग्राम छतैनागढी थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को ग्राम तकिया गोईया से गिरफ्तार किया।

अभियुक्तों के कब्जे, निशानदेही पर गोदाम से चोरी किए गए 67 बोर्ड ग्रीन प्लाई, 19 प्लाई बोर्ड, एक ̆च्छ बोर्ड और एक ̆च्छ दरवाजा बरामद किया गया। पुलिस की पूछताछ से प्रकाश में आया कि अभियुक्त अनुराग पाण्डेय अपने अन्य साथी प्रभात पाण्डेय के साथ छतेनागढ़ी स्थित नितिन जैन के प्लाई गोदाम में नौकरी करता है। 16 अप्रैल को अनुराग ने अपने साथी प्रभात पाण्डेय के साथ मिलकर गोदाम से बोर्ड ग्रीन प्लाई, प्लाई बोर्ड, बोर्ड, दरवाजा चोरी करने के पश्चात अभियुक्त कय्यूम के ग्राम तकिया गोईला स्थित मकान में रख दिया था। अनुराग और कय्यूम द्वारा साथ मिलकर चोरी किया गया सामान कम कीमत पर बेचा जा रहा था। वहीं पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त प्रभात पाण्डेय की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

पीतल के घण्टे बरामद

बाराबंकी। थाना सुबेहा पुलिस ने क्षेत्रीय जनसहयोग से शुक्रवार को दो अभियुक्तों सलमान पुत्र शमी और रूकसार पुत्र मो0 ताहिर निवासीगण हवेली वार्ड कस्वा व थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन पीतल के घण्टे और एक तांबे का लोटा बरामद किया। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

शातिर चोर गिरफ्तार, टैबलेट बरामद

बाराबंकी। थाना असन्द्रा पुलिस टीम ने शुक्रवार को अभियुक्त कुंवर बहादुर यादव पुत्र राधेश्याम यादव निवासी हाजीपुर थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी को ग्राम हाजीपुर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे, निशानदेही पर एक बैट्रा, एक गैस सिलेण्डर, दो सैमसंग टैबलेट बरामद किया गया। पुलिस अनुसार अभियुक्त कुंवर बहादुर यादव एक शातिर अपराधी व संगठित गिरोह का सरगना है, जिसके विरुद्ध जनपद में विभिन्न अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्त कुंवर बहादुर यादव उपरोक्त की हिस्ट्रीशीट खोलने हेतु ̆ खाका तैयार किया जा रहा है तथा अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी का भी प्रयास किया जा रहा है। पुलिस की पूछताछ से प्रकाश में आया कि अभियुक्त कुंवर बहादुर यादव द्वारा अपने अन्य साथियों फूलचन्द्र पुत्र पुत्तीलाल निवासी प्यारेपुर सरैया थाना सफदरगंज, अरविन्द निवासी ग्राम पत्थरपुरवा थाना कोठी के साथ मिलकर रेकी करने के पश्चात रात्रि में स्कूलों में चोरी की घटना को अंजाम दिया जाता है। अभियुक्तों द्वारा दिनांक 29 .10 .2024 की रात्रि में थाना असन्द्रा क्षेत्र के इमामगंज में स्थित प्राइमरी पाठशाला से सैमसंग कम्पनी के दो टैबलेट, एक स्म्व, एक बैट्रा, एक इनवर्टर, एक गैस सिलेण्डर आदि सामान चोरी किया गया था। दिनांक 22 .11 .2024 को थाना रामसनेहीघाट क्षेत्रान्तर्गत मोहम्मदपुर स्थित कम्पोजिट विद्यालय में तथा दिनांक 02 .02 .2025 को थाना कोठी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सरायनजर स्थित प्राथमिक विद्यालय में रसोई का सामान, विद्युत उपकरण आदि चोरी किया गया था।

तूफान से हुई बच्चों की मौत, राज्यमंत्री ने दी सहायता

विश्ववार्ता संवाददाता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। गुरुवार शाम आंधी तूफान आने से ग्राम कचार मजरे हकामी में टीनशेड गिरने से उसके नीचे दबी ज्योति पुत्री मुन्ना लाल एवं शिवम यादव पुत्र राजू यादव की मौत हो गई थी। शुक्रवार को राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने एसडीएम अनुराग सिंह के साथ गांव पहुचकर पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए ढाँढस बंधाया।

समाचार विवरण अनुसार रामसनेहीघाट के कचार मजरे हकामी गांव में गुरुवार शाम करीब साढ़े 5 बजे आंधी पानी आने के बाद उससे बचने के लिए गांव के किनारे बन्द पड़े मुर्गी फार्म में कुछ बच्चे चले गए थे। लेकिन आंधी तूफान में उसका टीनशेड गिरने से दो बच्चो की मौत हो गई थी। शुक्रवार को रामसनेहीघाट एसडीएम अनुराग सिंह और राज्यमंत्री सतीश शर्मा पीड़ितों के घर पहुंचे और मृतक ज्योति की माता संगीता पत्नी मुन्ना लाल एवं शिवम की माता माधुरी पत्नी स्व. राजू यादव को चार-चार लाख रुपये की मुख्यमंत्री दैवीय आपदा आर्थिक सहायता राशि प्रदान किया। राज्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देकर उनके साथ खड़े रहने का भी आश्वासन दिया। बाराबंकी। विकास खंड सिद्धौर के ग्राम नवाबपुर कोडरी निवासी फूलमती देवी पत्नी विशुन लाल एवं ध्रुव प्रजापति पुत्र वासुदेव प्रजापति की आंधी तूफान से टीनशेड गिरने से असामयिक निधन होने के कारण मृतक के परिजनों को विधायक दिनेश रावत ने चार, चार लाख रुपये की मुख्यमंत्री दैवीय आपदा आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर अमरीश रावत, प्रवीण सिंह, सतनाम वर्मा, रामबरन वर्मा, लाल रावत, ̆क्ड हैदरगढ़ सहित अन्य सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व

विश्ववार्ता संवाददाता

बाराबंकी। गुरुद्वारा लाजपत नगर में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा धर्म एवं मानवता के रक्षक हिन्द दी चादर सिख धर्म के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। एक सप्ताह पूर्व श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सहज पाठ की आरंभता हुई, जिसकी समाप्ति शुक्रवार को हुई उसके उपरांत विशेष दीवान सजा जिसमें हुजूरी रागी भाई तीरथ सिंह के जत्थे द्वारा कीर्तन भजन किया गया।

शाम के दीवान में लखनऊ से आए भाई प्रीतम सिंह द्वारा कीर्तन भजन किया गया। सभी आई संगत ने कीर्तन का आनंद लिया, श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता व धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली की चांदनी चौक में अपनी शहादत वर्ष 1675 में दी थी। उसके उपरांत आनंद साहिब जी का पाठ कर समाप्ति हुई। उसके उपरांत गुरु का अटूट लंगर वर्ताया गया जिसे सभी धर्मों के लोगों ने एक पंगत में एक साथ बैठ कर चखा। जिसमें गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य रूप से प्रधान सरदार भूपेंद्र सिंह, सरदार चरनजीत सिंह, सरदार रवीन्द्रपाल सिंह, सरदार रविंदर सिंह, सरदार राजदीप सिंह, सुमित्रा कौर, कवलजीत कौर, रंजीत कौर, परमजीत कौर, मौजूद रहे।

मुंबई से लौटे युवक ने खाया जहर, जिला अस्पताल रेफर

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। शुक्रवार सुबह मुंबई से वापस आकर अपनी ससुराल में रूके एक युवक ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जानकारी पर परिजनों ने उसे सीएचसी पहुंचाया जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। समाचार विवरण अनुसार कोतवाली रामसनेहीघाट क्षेत्र के भरहेमऊ गांव निवासी शिवम (22) पुत्र राम मिलन शुक्रवार की सुबह मुंबई से लौटा और अपनी ससुराल मोहम्मदपुर उपाध्याय में रुक गया।

थोड़ी देर बाद यही पर घर मे उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालात नाजुक होने पर जब परिजनों ने तत्काल सीएचसी रामसनेहीघाट पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि गंभीर हालात में युवक को अस्पताल लाया गया था, परिजन कीटनाशक पीने की जानकारी दे रहे।

चिंताजनक कीट के हमले के कारण पत्तियां मुरझाने लगती हैं और धीरे-धीरे काली पड़ने लगती हैं

गन्ने की फसल पर पायरिला कीट का हमला, उपाय खोजने में लगे हुए हैं किसान

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जनपद के साथ ही प्रदेश के अधिकांश जिलों में गन्ने की फसल में पायरिला नामक कीट का हमला देखने को मिला है। यह कीट गन्ने के सिरों पर हमला कर उसकी पत्तियों और तनों को नुकसान पहुंचा रहा है। नाजुक पत्तियां खाकर गन्ने की बढ़त रोक देता है।

शासन ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है, ताकि फैलाव न हो सके। इधर, विभागीय अफसरों के साथ ही चीनी मिलों ने इसके रोकथाम के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सदर ब्लॉक के बैरागर, पीथवापुर, केशवपुर गुरैल, डॉजितपुर आदि काफी गांवों में पायरिला कीट का प्रकोप देखने को मिला है। इसके अलावा धौरहरा, पलिया, निघासन आदि क्षेत्रों में भी कीट का प्रकोप होने की आशंका है। पायरिला कीट गन्ने की फसल पर हमला करने वाला एक खतरनाक कीट है, जो गन्ने के ऊपरी हिस्से को नष्ट करता है। यह कीट गन्ने के नए बढ़ते हिस्सों को खाता है। इसके कारण गन्ने की फसल कमजोर हो जाती है। पायरिला कीट गन्ने के सिरों पर हमला करता है और पत्तियों और तनों को नुकसान पहुंचाता है। यह कीट मुख्य रूप से गन्ने की नाजुक पत्तियों पर अंडे देता है। इसके लार्वा इन पत्तियों को खाकर गन्ने की बढ़त रोक देते हैं। पायरिला कीट के हमले के कारण गन्ने के पत्तों में छोटे-छोटे छेद दिखाई देते हैं। गन्ने के नए सिरों पर सफेद या पीले धब्बे दिखाई देते हैं, जो पायरिला के लार्वा के खाए हिस्सों को दर्शाते हैं। कीट के हमले के कारण पत्तियां मुरझाने लगती हैं और धीरे-धीरे काली पड़ने लगती हैं। पायरिला कीट के कारण नए अंकुर गिरने लगते हैं। गन्ने की वृद्धि में रुकावट आती है। उत्तर प्रदेश गन्ना शोध संस्थान शाहजहांपुर के प्रसार अधिकारी डॉ. संजीव पाठक ने बताया कि समय से पहले गर्मी पड़ने की वजह से गन्ने की फसल में यह समस्या आई है। अगर किसी खेत में परजीवी नहीं हैं और पायरिला कीट का प्रकोप अधिक है तो क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी की 800 मिली कीटनाशक अथवा प्रोफेनोफॉस 40 प्रतिशत प्लस साइपर 4 प्रतिशत की 750 मिली कीटनाशक अथवा क्वीनालफॉस 25 ईसी 800 मिली कीटनाशक को 625 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर कीट को नियंत्रित कर सकते हैं। खेत में मनी बनाए रखें। जिला गन्ना अधिकारी वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि शासनस्तर से पायरिला कीट को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। विभाग की टीमों के साथ चीनी मिलों को निगरानी को लगा दिया है। जनपद में गन्ने का करीब 3.72 लाख हेक्टेयर रकबा है। सर्वे कराया जा रहा है कि कितने क्षेत्र में इस कीट का प्रकोप फैला है। किसान भाइयों से अपील है कि किसी के यहां यह समस्या देखने को मिले तो सूचना दें, ताकि समाधान किया जा सके। किसान अनिकेत वर्मा का कहना है कि गन्ने की फसल में यह कीट लग गया है, जिसकी वजह से फसल प्रभावित हो रही है। रोकथाम हो लेकर छिड़काव शुरू करा दिया है। इस कीट की वजह से पैदावार पर असर पड़ेगा। किसान जगत प्रसाद का कहना है कि गन्ने में रोग तो हमेशा लगते हैं, लेकिन इस बार प्रकोप कुछ ज्यादा है। पायरिला कीट को लेकर फसल प्रभावित होगी, जिसकी वजह से नुकसान उठाना पड़ेगा।

केले की खेती से किसानों को फायदा

पलिया खीरी। लखीमपुर खीरी की पलिया तहसील में किसान अब गन्ने की जगह केले की खेती की ओर रुख कर रहे हैं। इससे उन्हें ज्यादा मुनाफा मिल रहा है।स्थानीय किसान वीरू ने बताया कि केले की फसल का भुगतान नकद मिलता है। इसके विपरीत, गन्ने की फसल में भुगतान की समस्या रहती है। उन्होंने कहा कि बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड समय पर भुगतान नहीं करती है।किसानों को गन्ने की खेती के लिए कर्ज लेना पड़ता है, लेकिन बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड के माध्यम से समय पर भुगतान न मिलने से वे और अधिक कर्जदार हो जाते हैं। वीरू के अनुसार, केले की खेती में गन्ने की तुलना में मेहनत थोड़ी ज्यादा करनी पड़ती है। लेकिन नकद भुगतान मिलने से परिवार का पालन-पोषण आसानी से हो जाता है।

संपादकीय

शिक्षा भी अनिवार्य अंग

शिक्षा किसी भी देश की सभ्यता और संस्कृति का अनिवार्य अंग है। शिक्षा के द्वारा न केवल व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है, वरन् सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी यह करती है। नयी पीढ़ी अपनी संस्कृति के प्रति आस्था और निष्ठा उसी शिक्षा के माध्यम में रख सकती है, जिसका आधार उसकी अपनी संस्कृति हो। भारतवर्ष की सनातन सांस्कृतिक परम्परा में शिक्षा स्वयं में बहुअर्थगर्भित शब्द है । यहाँ शिक्षा का अभिप्राय साक्षरता अथवा शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की उपलब्धता मात्र नही है। शिक्षा यहाँ मानव-मन को शुभसंस्कारों से सुसज्जित करने का माध्यम है; मनुष्य को मनुष्य बनाने की कला है; उसमें सामाजिक दायित्वबोध का जागरण है और उदात्त मानव मूल्यों की प्राप्ति का कल्याणकारी संदेश है, जिसमें अक्षरजान, प्रमाण-पत्र आदि औपचारिकताओं का स्थान गौण है और मनुष्य का चारित्रिक उत्थान प्रधान है। व्यापक यूरोपीय प्रभाव के कारण जब से भारतीय समाज ने शिक्षा के उपर्युक्त स्वरूप और उद्देश्य को विस्मृत कर संस्थागत प्रमाणपत्रीय औपचारिक शैक्षणिक स्वरूप को ही शिक्षा के अर्थ में सीमित संकुचित कर दिया है तब से समाज शिक्षा के वास्तविक प्रकाश से वंचित होकर अशिक्षा एवं अज्ञान के घोर अंधकार में भटकता हुआ वैयक्तिक और सामाजिक पतन का शिकार हो रहा है। भारतीय शिक्षा के उद्देश्यों का ही चमत्कार है कि भारतीय संस्कृति ने संसार का सदैव पथ-प्रदर्शन किया है। भारतीय अवधारणा में शिक्षा का उद्देश्य मात्र जीविकोपार्जन तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि ज्ञानार्जन द्वारा व्यक्ति को आध्यात्मिकता के दिव्य गुणों से युक्त कर उसे धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष के पुरुषार्थ चतुष्टय के निष्पादन योग्य बनाना भी रहा है। प्राचीन भारत में शिक्षा मानवीय व्यक्तित्व के उच्चतम विकास के विशिष्ट उद्देश्य से ही संचालित थी। इस उद्देश्य की पूर्ति तभी संभव हो सकती है जब व्यक्ति को शरी बुद्धि और आत्मा के स्तर तक निखारा जा सके। शिक्षा के इसी दूरगामी उद्देश्य को सम्मुख रखते हुए प्राचीन आचार्यों ने अपने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा था कि - हे सौम्य, तू ज्ञान सम्पन्न हो, शारीरिक रूप से शत्रुओं का मर्दन करने वाला बलशाली हो, स्व में स्थित होकर विवेकशील बन व आत्म ज्योति से परिपूर्ण प्रज्ञावान् बन कर परम कल्याण को प्राप्त करते हुए जीवन में अपने समकक्षों से श्रेष्ठ बन (शुक्रोऽसि, भ्राजोऽसि, स्वरसि, ज्योतिरसि, आप्नुहि श्रेयांसमति संक्राम)। इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि इस आह्वान के माध्यम से छात्र के समग्र विकास अर्थात शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक व आत्मिक उन्नति के लिए सचेष्ट किया गया है। इस प्रकार शिक्षा के दो पक्ष हुए एक लौकिक और दूसरा परलौकिक । यही कारण था कि भारत की प्राचीन शिक्षा ने भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में ऐसे ज्ञान आविष्कृत किए, जिनके ऋणी आज भी विश्व के दार्शनिक व वैज्ञानिक हैं। अपनी इसी विशिष्ट शिक्षा पद्धति के कारण ही भारत ने सहस्त्राब्दियों तक न केवल विश्व का सांस्कृतिक मार्गदर्शन ही किया, अपितु कृषि, उद्योग, कला-कौशल, औषधि-विज्ञान, गणित-नक्षत्र विद्या तथा विज्ञान-तकनीकी के सभी क्षेत्रों में भी अग्रणी रहा। प्राचीन शिक्षा का उदेश्य मात्र व्यक्तिगत आध्यात्मिक व भौतिक उन्नति ही नहीं था अपितु इसका लक्ष्य लोक भावना से पूरित राष्ट्र निर्माण व विश्व बंधुत्व से ही अभिप्रेरित रहा। वस्तुत: प्राचीन भारत की सांस्कृतिक व भौतिक समृद्धि का मूल कारण यहाँ के लोक जीवन को समग्र एवं समावेशी भावना ही थी जो कि उस काल की विशिष्ट शिक्षा पद्धति के द्वारा निरन्तर पोषित होती रही। समग्र विकास का भारतीय प्रतिमान- भारतीय शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास था । व्यक्तित्व के समग्र विकास में बालक के चारित्रिक विकास तथा आध्यात्मिक विकास का उद्देश्य ही सर्वप्रमुख था । प्राचीन भारतीय शिक्षा ने अपने देश में ही नहीं, समूचे विश्व में ऐसा उच्चकोटि का आदर्श स्थापित किया, जिससे न केवल व्यक्ति का व्यक्तित्व समुन्नत हुआ, अपितु सम्पूर्ण देश और समाज का नाम ऊंचा हुआ । अहं (व्यक्ति) से वयं (कुटुम्ब) और फिर वयं से सर्वं (लोक) को संस्कारित करना ही शिक्षा का अभीष्ट है।

कटाक्ष

हसन जैदी

नेशनल हेराल्ड के चक्रव्यूह में सोनिया-राहुल

अरविंद जयतिलक

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मनी लॉनड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद जिस तरह कांग्रेस पार्टी की तिलमिलाहट बढ़ी है और उसके नेता धरना, प्रदर्शन के जरिए विरोध जता रहे हैं उससे साफ है कि कांग्रेस पार्टी अपने नेता सोनिया व राहुल गांधी को देश और संविधान से ऊपर मानकर चल रहे हैं। कांग्रेस अपने दलीलों के जरिए कुछ इस तरह की धारणाएं स्थापित करने की कोशिश में है मानों केंद्र सरकार जानबुझकर जांच एजेंसियों के जरिए सोनिया और राहुल गांधी को फंसाना चाहती है।

यह ठीक नहीं है। चूंकि यह मामला कांग्रेस समर्थित यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड और एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के बीच वित्तीय अनियमितता से जुड़ा है लिहाजा इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा चार्जशीट दाखिल किया जाना कहीं से भी अनुचित नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय का मकसद यंग इंडियन और एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के हिस्सेदारी पैटर्न, वित्तीय लेनदेन और प्रवर्तकों की भूमिका अदालत के समक्ष लाना है। चूंकि यंग इंडियन के प्रवर्तकों और शेयर धारकों में सोनिया व राहुल गांधी समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं ऐसे में आवश्यक भी है कि सोनिया व राहुल गांधी अदालत के समक्ष पेश होकर अपना पक्ष रखें। आखिर वे सही हैं तो फिर सांच को आंच क्या? देश में जब सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून है, एक तरह की जांच-प्रक्रिया है तो फिर सोनिया व राहुल गांधी कानून से ऊपर कैसे हो सकते हैं? ध

्यान देना होगा कि गत वर्ष पहले इस मामले में आरोपित सोनिया व राहुल गांधी को आयकर विभाग द्वारा भेजे गए पुनर्मूल्यांकन के मामले में उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली थी। तब आयकर विभाग ने राहुल गांधी को वित्तीय वर्ष 2011-12 के पुनर्मूल्यांकन का नोटिस भेजा था। आयकर विभाग ने पुनर्मूल्यांकन करने का फैसला इसलिए लिया था कि राहुल गांधी ने जानकारी नहीं दी थी कि वह वर्ष 2010 में यंग इंडियन के निदेशक थे। देश तब भी जानना चाहा था कि अगर आयकर विभाग पुनर्मूल्यांकन करना चाहता है तो इससे कांग्रेस को आपत्ति क्यों है? अगर सोनिया व राहुल गांधी से वित्तीय गड़बड़ी हुई है अथवा नहीं हुई इसका दूध का दूध और पानी का पानी तो अदालत में ही होगा न। उल्लेखनीय है कि नेशनल हेराल्ड का मामला 2013 में तब उठा था जब केंद्र में कांग्रेसनीत यूपीए की सरकार थी और डा0 मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। इस मामले को भाजपा नेता और याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा उठाया गया था। उस समय उच्च न्यायालय ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व उपाध्यक्ष राहुल गांधी को निचली अदालत में पेश होने का आदेश दिया। तब भी कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि यह साजिश है और इसके पीछे भाजपा का हाथ है। स्वयं तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी यह कहती सुनी गयी थी कि वह इंदिरा गांधी की बहू हैं इसलिए डरने वाली नहीं हैं। उनके इस रवैए से देश भर में यहीं संदेश गया था कि सोनिया व राहुल गांधी अपनी रसूख के दम पर अदालत में पेश होने की छूट चाहते हैं। आज भी उसी की पुनरावृत्ति होती दिख रही है। इस मामले को समझने के लिए नेशनल हेराल्ड मामले को समझना जरुरी है। नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की मालिकाना कंपनी एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड है। पहले नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को कांग्रेस ने 26 फरवरी, 2011 को 90 करोड़ रुपए का लोन दिया और उसके बाद पांच लाख रुपए से यंग इंडिया कंपनी बनायी। फिर 10-10 रुपए के 9 करोड़ शेयर यंग इंडिया को दिए गए। इसके बदले यंग इंडिया को कांग्रेस का लोन चुकाना था। लेकिन मजे की बात यह कि 9 करोड़ शेयर के साथ यंग इंडिया को एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के 99 फीसदी शेयर तो हासिल हो गए लेकिन उसे कर्ज भी नहीं चुकाना पड़ा। यानी कांग्रेस ने उदारता दिखाते हुए 90 करोड़ रुपए का लोन माफ कर दिया। कांग्रेस का तर्क है कि इस प्रक्रिया में ऐसा कुछ भी गलत नहीं हुआ जिससे कानून का उलंघन हुआ हो। लेकिन यहां सवाल यह है कि बतौर एक राजनीतिक दल होते हुए कांग्रेस किसी कंपनी को लोन कैसे दे सकती है?

कांग्रेस का यह तर्क कि पार्टी अपनी पूंजी को जैसे चाहे वैसे खर्च कर सकती है यह उसकी नासमझी और तानाशाही को रेखांकित करता है। तब यह खुलासा हुआ था कि जिस यंग इंडिया लिमिटेड ने नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को खरीदा उसमें सोनिया व राहुल गांधी की 38-38 फीसदी की हिस्सेदारी है। 24 फीसदी हिस्सेदारी कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और आस्कर फर्नांडीज की है। क्या इससे यह प्रमाणित नहीं होता है कि कांग्रेस पार्टी सोनिया व राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं को परोक्ष रुप से लाभ पहुंचाया है? क्या कांग्रेस इस तरह की आर्थिक उदारता एक सामान्य कांग्रेसी कार्यकर्ता के प्रति दिखा सकती है? अगर नहीं तो फिर ऐसे में याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी की यह दलील सर्वथा उचित ही है कि कांग्रेस ने यंग इंडियन को एजेएल को खरीदने के लिए असुरक्षित कर्ज दिया। याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी का यह भी तर्क है कि इस हेरा-फेरी का मकसद दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति को कब्जाना था। अगर याचिकाकर्ता के इस दलील में दम है तो फिर इसकी जांच क्यों नहीं होनी चाहिए? मामला सतह पर आने के बाद कांग्रेस द्वारा दलील दिया गया कि हेराल्ड हाउस को पासपोर्ट ऑफिस के लिए किराए पर दिया गया। लेकिन यहां सवाल यह है कि जब तत्कालीन केंद्र की सरकार ने अखबार चलाने के लिए जमीन दी तो फिर उसका व्यवसायिक इस्तेमाल क्यों किया गया? क्या यह कानून के खिलाफ नहीं है? गौर करें तो सवाल यहीं तक सीमित नहीं है। याचिकाकर्ता का आरोप यह भी है कि चूंकि इस खेल में हवाला का पैसा लगा है लिहाजा सोनिया व राहुल गांधी के विरुद्ध टैक्स चोरी और धोखाधड़ी का मामला बनता है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि फेमा वॉयलेशन की शिकायत सही पाए जाने पर ही सोनिया व राहुल के खिलाफ रेग्यूलर केस दर्ज हुआ है। चूंकि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस को राजनीतिक दल होने के बावजूद व्यवसायिक लेन-देन में शामिल होने को लेकर नोटिस दिया इसलिए इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई।

कांग्रेस का यह तर्क बेमानी है कि उसने एजेएल में 90 करोड़ का ट्रांजेक्शन व्यवसायिक कार्य के लिए नहीं बल्कि विचारधारा के लिए किया। मान भी लिया जाए कि कांग्रेस ने अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए ऐसा किया तब भी सवाल बनता है कि फिर उसने नेशनल हेराल्ड को जीवंतता क्यों नहीं होने दी? गौरतलब है कि पंडित जवाहर लाल नेहरु ने आजादी के दौरान 8 सितंबर, 1938 को लखनऊ में नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना की। आजादी के उपरांत यह अखबार कांग्रेस का मुखपत्र बन गया और घाटे के चलते 2008 में छपना बंद हो गया। अखबार बंद होने के बाद कांग्रेस की नजर नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर टिक गयी और उसने हेरा-फेरी शुरु कर दी। थोड़ी देर के लिए मान भी लिया जाए कि नेशनल हेराल्ड की कंपनी एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) घाटे में थी तो उस समय की तत्कालीन मनमोहन सरकार उसके कर्ज को माफ क्यों नहीं की? कांग्रेस ने नई कंपनी का गठन क्यों किया? क्या यह रेखांकित नहीं करता है कि उसने यह खेल नेशनल हेराल्ड की हजारों करोड़ की संपत्ति को हथियाने के लिए किया? अगर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने वर्ष 2010 में यंड इंडियन के निदेशक होने के बावजूद भी इस तथ्य को आयकर विभाग से छिपाया तो यह कार्य न केवल भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है बल्कि यह कृत्य देश को गुमराह करने वाला भी है। सच कहें तो कांग्रेस का रवैया ठीक उसी तरह है जैसे कोई सुदखोर कर्जदार का ऋण माफकर उसकी पूरी संपत्ति ही हड़प ले और दोष दूसरे के मत्थे मढ़ दे। **(लेखक के अपने विचार हैं)**

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे- vishwavarta.response@gmail.com

बीजेपी की मजबूरी है तमिलनाडु में गठबंधन की सियासत

संजय सक्सेना

भारतीय जनता पार्टी और दिवंगत जयललिता की पार्टी एआईएडीएमके के बीच तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव को लेकर हुआ गठबंधन ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पार्टी की नींद उड़ा दी है। यह गठबंधन बीजेपी के रणनीतिकार अमित शाह की देन बताई जा रही है।हालांकि अभी तक दोनों दलों के दिल मिलते नहीं दिखाई दे रहे हैं। वजह हैं एआईएडीएमके नेता ई. पलानीस्वामी के बयानों में बार-बार आ रहा असमंजस। तमिलनाडु की राजनीति में यह कोई पहला मौका नहीं है जब चुनावी गणित के चलते विरोधी दलों ने हाथ मिलाया हो, लेकिन सत्ता साझा करने को लेकर जो स्पष्टता होनी चाहिए, उसकी यहां भारी कमी नजर आ रही है। अमित शाह ने खुद चेन्नई जाकर गठबंधन की सार्वजनिक घोषणा की, यहां तक कि दावा भी कर दिया कि अगली सरकार तमिलनाडु में एआईएडीएमके-बीजेपी की होगी। लेकिन जब पलानीस्वामी से इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने साफ कह दिया कि उनका बीजेपी के साथ सिर्फ चुनावी गठबंधन है, सरकार साझा नहीं की जाएगी। इससे बड़ा संकेत और क्या हो सकता है कि गठबंधन का भविष्य बेहद अनिश्चित है। यह सब तब हो रहा है जब बीजेपी ने अन्नामलाई जैसे उभरते नेता को हटाकर नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। तब माना गया कि पलानीस्वामी की शर्त पूरी कर दी गई है और अब गठबंधन में कोई बाधा नहीं रहेगी। लेकिन अब जिस तरह से एआईएडीएमके लगातार यह कह रही है कि बीजेपी के साथ मिलकर सिर्फ चुनाव लड़ेंगे, सरकार नहीं बनाएंगे, उससे साफ है कि उनके इरादे पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि कहीं यह गठबंधन केवल अन्नामलाई को हटवाने की रणनीति तो नहीं थी? जिस प्रकार से पलानीस्वामी ने पहले अन्नामलाई के खिलाफ मुखर विरोध जताया और अब अन्नामलाई की विदाई के बाद भी नए मुद्दे खड़े किए जा रहे हैं, उससे संदेह और भी गहराता जा रहा है। गौरतलब है कि तमिलनाडु की राजनीति में हिंदी विरोध, सांस्कृतिक पहचान, और क्षेत्रीय स्वाभिमान जैसे मुद्दे हमेशा हावी रहे हैं। ऐसे में बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ाव अक्सर द्रविड़ दलों के लिए एक राजनीतिक जोखिम बन जाता है। पलानीस्वामी भी शायद इसी वजह से खुलकर बीजेपी के साथ सत्ता साझा करने से बच रहे हैं। वह एक तरफ डीएमके को सत्ता से हटाने के लिए बीजेपी के समर्थन का लाभ उठाना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी से दूरी बनाकर अपने क्षेत्रीय वोट बैंक को भी साधना चाहते हैं। यही वजह है कि वह बार-बार स्पष्ट कर रहे हैं कि केंद्र में नरेंद्र मोदी नेता होंगे और तमिलनाडु में सिर्फ वह यानी पलानीस्वामी। इससे संकेत मिलता है कि एआईएडीएमके नहीं चाहती कि तमिलनाडु में बीजेपी को ज्यादा ताकत मिले। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस तरह का गठबंधन तमिलनाडु की राजनीति में नया नहीं है। डीएमके और एआईएडीएमके ने अक्सर चुनावों में गठबंधन किए हैं, लेकिन राज्य की सत्ता में आने के बाद अपने सहयोगियों को सत्ता में भागीदारी देने से कतराते रहे हैं। डीएमके, कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर चुनाव जीतती है, लेकिन सरकार सिर्फ डीएमके की बनती है। कुछ ऐसा ही पैटर्न अब एआईएडीएमके भी अपनाना चाहती है। यानी चुनावी फायदा लेने के लिए बीजेपी के साथ हाथ मिलाया जाए, लेकिन सत्ता में उन्हें हिस्सा न दिया जाए। इससे लगता है कि जयललिता की पार्टी, बीजेपी को कहीं सिर्फ एक वोट बैंक के तौर पर तो इस्तेमाल नहीं कर रही है।क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 11 फीसदी से अधिक वोट हासिल हुए थे,जो किसी भी चुनाव में किसी भी दल की जीत हार का अंतर कम और बढ़ा सकते हैं। अगर हम आंकड़ों पर नजर डालें तो 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और एआईएडीएमके के गठबंधन को लगभग 40 फीसदी वोट मिले थे, जबकि डीएमके और उसके सहयोगियों को 45 प्रतिशत। यानी मुकाबला कड़ा था। लेकिन जब 2023 में अन्नामलाई को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, तब से एआईएडीएमके के साथ बीजेपी के रिश्तों में खटास आ गई। आखिरकार 2023 में यह गठबंधन टूट गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा, और नुकसान दोनों को हुआ। एआईएडीएमके को 20.46 फीसदी वोट मिले और बीजेपी को अकेले 11.24 प्रतिशत, यानी एनडीए को कुल 18.28 प्रतिशत। अगर ये दोनों साथ होते तो आंकड़ा लगभग 41 फीसदी के पास पहुंचता, जो डीएमके गठबंधन के 47 प्रतिशत के मुकाबले कुछ हद तक टक्कर दे सकता था। बीजेपी को इस आंकड़े से यह सीख जरूर मिली कि तमिलनाडु में वह अकेले दम पर अभी सत्ता में नहीं आ सकती। इसलिए उन्होंने फिर से एआईएडीएमके से हाथ मिलाने का फैसला किया। लेकिन अन्नामलाई जैसे नेता की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और आक्रामक शैली को देखकर पलानीस्वामी ने शायद खतरे की घंटी महसूस की और अन्नामलाई को हटाने की शर्त रख दी। बीजेपी ने यह शर्त मानकर नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया, लेकिन अब भी एआईएडीएमके का रुख सख्त है। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रतीत होता है कि पलानीस्वामी गठबंधन के नाम पर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन सत्ता में बीजेपी को साझीदार बनाने से कतरा रहे हैं। यहां एक और दिलचस्प बात यह है कि तमिलनाडु बीजेपी के नए अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने इस पूरे विवाद पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार बनाने का फैसला दोनों पार्टियों के नेतृत्व द्वारा सही समय पर किया जाएगा। यानी फिलहाल बीजेपी भी खुलकर कुछ कहने से बच रही है। अमित शाह ने भी सीटों के बंटवारे को लेकर यही बात दोहराई थी कि उचित समय पर सब स्पष्ट किया जाएगा। इससे यह साफ होता है कि बीजेपी पलानीस्वामी के बयानों से नाराज तो है लेकिन अभी किसी टकराव की स्थिति नहीं बनाना चाहती। लेकिन क्या बीजेपी का यह नरम रवैया उसे लंबे समय तक नुकसान नहीं पहुंचाएगा? क्योंकि, अगर चुनाव जीतने के बाद भी उसे सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिलेगी, तो उसके कार्यकर्ताओं में निराशा बढ़ेगी। इससे पार्टी की छवि कमजोर होगी और तमिलनाडु जैसे राज्य में जहां बीजेपी अब तक सत्ता से दूर रही है, वहां वह अपनी पहचान मजबूत नहीं कर पाएगी। वहीं पलानीस्वामी का यह दोहरा खेल यह दिखाता है कि वह एक तरफ बीजेपी का सहारा लेकर डीएमके को हराना चाहते हैं, लेकिन दूसरी ओर बीजेपी को सत्ता से बाहर रखकर अपनी पार्टी की स्थिति को मजबूत भी करना चाहते हैं। यह रणनीति चतुर जरूर है, लेकिन स्थायित्व के लिहाज से बेहद खतरनाक भी है। **(लेखक के अपने विचार हैं)**

कविता

कल्पना सिंह चिटनिश

मरघट में एक और जश्न

जाने कितनी मन्नतें मानकर
उसने एक सुबह मांगी थी,
और सूरज की चुटकी भर सिंदूरी
किरण से
अपनी मांग सजाई थी।
पर समाज के अवैध खाते में
एक स्त्रियोचित कर्ज था वह,
जिसे अदा करते-करते
वह पूरी की पूरी चुक गयी
और उसकी सुबह
रात के हवाले कर दी गई।
फिर इंसानियत के मरघट में
दहेज़ ने एक और चिता सजाई,
हवस ने एक और जश्न मनाया।

भुखमरी से झेल रहे पाकिस्तान को चाहिए भारत से नफरत नहीं उससे बराबरी करें

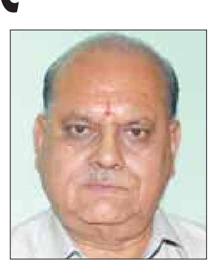

अजय कुमार

1947 में पाकिस्तान की बुनियाद हिन्दुओं से नफरत के कारण पड़ी थी। आज करीब 77 वर्षो के बाद भी पाकिस्तान हिन्दुओं के प्रति ऐसा ही रवैया लेकर आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान में जितने भी प्रधानमंत्री या सेना प्रमुख हुए वह भारत के खिलाफ हमेशा जहर उगलते और आतंकवादियों को संरक्षण देते रहें। आज भी यह सिलसिला जारी है। इसी परिपाटी को आगे बढ़ाते हुए पाक की फौजी हुकूमत एक बार फिर पुराना राग अलाप रही है। इस्लामाबाद में हाल ही में हुए प्रवासी पाकिस्तानियों के सम्मेलन में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कश्मीर के मुद्दे पर उकसाने वाले बयान दिए, जिनसे न केवल क्षेत्रीय शांति को नुकसान हुआ है, बल्कि यह भी साफ हो गया कि पाकिस्तान की सत्ता संरचना अब भी नफरत और विघटन की राजनीति को अपनी ताकत मानती है। मौजूदा जनरल मुनीर का हाल ही में दिया गया बयान, जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'गले की नस' बताया,ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पाकिस्तान की सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। यही सब पिछले कई दशकों से पाकिस्तान की फौजी हुकूमत द्वारा लगातार दोहराया जाता रहा है। पाकिस्तान के जनरल यह हमेशा कहते रहे हैं कि कश्मीर पाकिस्तान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसे कभी भी पाकिस्तान से अलग नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन क्या इस विचारधारा ने पाकिस्तान को किसी प्रकार का लाभ पहुंचाया है? पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है, आतंकवाद की पोषक छवि बन चुकी है और वैश्विक मंच पर वह अलग-थलग पड़ा हुआ है। पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। इन्हीं हरकतों के कारण वह आर्थिक रूप से कमजोर होता जा रहा है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार 2025 के शुरुआती महीनों में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार महज 3.1 अरब डॉलर था, जो मुश्किल से कुछ हफ्तों का आयात खर्च चला सकता है। महंगाई दर 30 प्रतिशत के पार जा चुकी है, बेरोजगारी करीब नौ प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और जनता राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता से त्रस्त है। ऐसे में पाकिस्तान की फौजी हुकूमत का इस प्रकार का उकसावे भरा बयान यह दर्शाता है कि पाकिस्तान के पास अब कोई दूसरा उपाय नहीं बचा है, सिवाय इसके कि वह अपने लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पुराने और साम्प्रदायिक मुद्दों को उछाले। बलूचिस्तान में अलगाववाद की लपटें तेज होती जा रही हैं, और वहां के लोग पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ खुलेआम विद्रोह कर रहे हैं। बलूच विद्रोहियों ने हाल ही में पाकिस्तानी सेना के कई ठिकानों पर हमले किए हैं, जिससे पाकिस्तान के भीतर की अस्थिरता को और भी बढ़ावा मिला है। जनरल मुनीर का यह कहना कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का अभिमान है और कोई इसे नहीं छीन सकता, इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उन्हें बलूचिस्तान की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता है। पाकिस्तान के भीतर के लोग यह सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक कश्मीर के नाम पर उन्हें गुमराह किया जाएगा, जब उनके घरों में रोटियां पकने की स्थिति नहीं है? यह सवाल पाकिस्तान की युवा पीढ़ी में और सोशल मीडिया पर गहराई से उठ रहा है, जहां सेना की आलोचना अब आम बात हो गई है। कई लोग खुलकर कह रहे हैं कि भारत के साथ फिर से मिल जाना ही बेहतर होता, जो एक संकेत है कि पाकिस्तान में अब लोग अपनी असल समस्याओं के बारे में गंभीर हो रहे हैं। जनरल मुनीर ने अपने भाषण में विदेशों में बसे पाकिस्तानियों से अपील की कि वे अपने बच्चों को यह सिखाएं कि पाकिस्तान क्यों बना और हिंदू और मुसलमान कभी एक जैसे नहीं हो सकते। उनका यह बयान पाकिस्तान की संस्कृति और पहचान को हिंदुओं से श्रेष्ठ बताने वाला था, जबकि आज की वैश्विक दुनिया में यह सोच पूरी तरह से अप्रासंगिक हो चुकी है। टू नेशन थ्योरी, जिसकी नींव पर पाकिस्तान बना था, वह 1971 में ही धराशायी हो गई थी, जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान से अलग होकर अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की थी। यह विभाजन यह साबित करता है कि धर्म के आधार पर बनी राष्ट्र की अवधारणा टिकाऊ नहीं हो सकती, और पाकिस्तान की असफलता इस सिद्धांत का प्रमाण बन चुकी है। आज बलूच, सिंधी और पख्तून समुदाय भी अपनी अस्मिता की लड़ाई लड़ रहे हैं, और यही पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जनरल मुनीर को यह डर सता रहा है कि अगर उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ नफरत का एजेंडा नहीं चलाया, तो पाकिस्तान की नई पीढ़ी उनसे सवाल पूछेगी। इसलिए वह कमजोर और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय को एक बार फिर दुश्मन के तौर पर पेश कर रहे हैं, जबकि पाकिस्तान में बचे-खुचे हिंदू समुदाय की स्थिति बेहद दयनीय है। 1947 में पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 23 प्रतिशत थी, जो आज घटकर महज 3 प्रतिशत रह गई है। या तो वे पलायन कर गए, मारे गए, या फिर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर कर दिए गए। फिर भी, जनरल मुनीर को इनसे डर क्यों लगता है? क्योंकि वह जानते हैं कि यदि नफरत का यह माहौल समाप्त हो गया, तो पाकिस्तान के सत्ता ढांचे की बुनियाद हिल जाएगी। पाकिस्तान की मशहूर सीरीज जिंदगी गुलज़ार है में भी यह दिखाया गया था कि पाकिस्तान में हिंदुओं को किस प्रकार हाशिए पर रखा जाता है, और यह किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति बहुत खराब है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब अल्पसंख्यक समुदाय पहले से ही इतना शोषित है, तो उनके खिलाफ नफरत फैलाने की आवश्यकता क्यों महसूस की जा रही है? अंतरराष्ट्रीय पत्रकार और न्यूयॉर्क टाइम्स के लेखक ताहा सिद्दीकी ने एक्स पर लिखा था कि जनरल असीम मुनीर बच्चों के दिमाग में जहरीली सोच भरना चाहते हैं ताकि उनका ब्रेनवॉश किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुनीर दो राष्ट्र सिद्धांत का प्रचार कर रहे हैं, जो 1971 में ही असफल हो चुका था। यह बयान यह दर्शाता है कि जनरल मुनीर पाकिस्तान के भीतर की अस्थिरता और विघटन को लेकर बेहद चिंतित हैं। परवेज मुशर्रफ, जिन्होंने कारगिल युद्ध छेड़कर भारत से सीधा टकराव किया था, उन्होंने भी कश्मीर को हथियाने के लिए हर संभव प्रयास किया था। उन्होंने आतंकवाद को राज्य नीति का हिस्सा बनाया और भारत में कई आतंकवादी हमले कराए थे। अब जनरल मुनीर भी वही भाषा बोल रहे हैं। इससे यह सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान फिर से वही आत्मघाती रास्ता अपनाना चाहता है? पाकिस्तान अब कमजोर है, लेकिन उसकी सेना और खुफिया एजेंसियां अभी भी आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करती रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में हालिया समय में आतंकवादी गतिविधियों में थोड़ी कमी आई है, लेकिन यह मानना भूल होगी कि खतरा पूरी तरह से टल गया है। भारत को पाकिस्तान की असलियत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करते रहना चाहिए। साथ ही, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर को भी भारत में पुनः शामिल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास तेज किए जाने चाहिए। भारत को दुनिया को यह दिखाना होगा कि वह शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं की रक्षा भी जानता है। जहां तक पाकिस्तान की बात है,वह 77 साल तक भारत से दुश्मनी का नतीजा देख चुका है,अच्छा होगा कि पाकिस्तान,भारत से लड़ने झगड़ने की बजाये उसके विकास कार्यो से बराबरी करे। **(लेखक के अपने विचार हैं)**

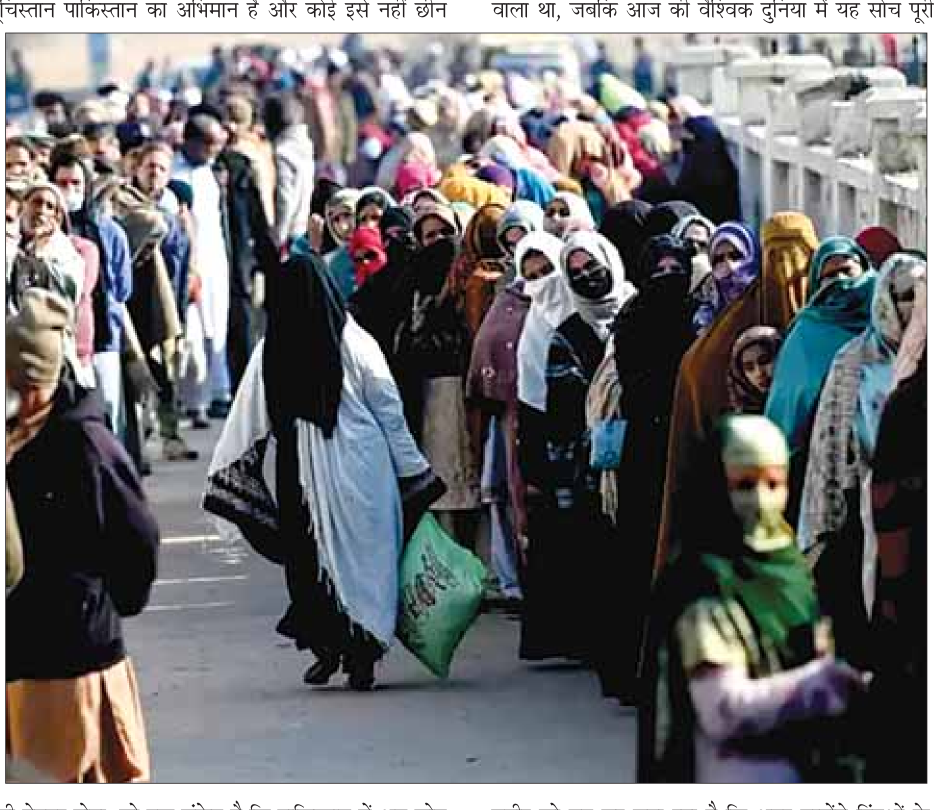

एक नजर

यूपी प्रभारी बने राष्ट्रीय कवि कमलेश मृदु मौर्य

बिसवां (सीतापुर)। राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल बाबूजी ने राष्ट्रीय मंत्री साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु को उत्तर प्रदेश का प्रभारी मनोनीत किया है। उन्होंने ओरछा मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यह घोषणा करते हुए कहा कि इससे उत्तर प्रदेश के सभी छह प्रांतों में कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ेगी और कार्य के विस्तार को गति मिलेगी। बैठक में उपस्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिव कुमार व्यास, काशी प्रांत अध्यक्ष अटल नारायण अटल, गोरक्ष प्रांत अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र, ब्रजप्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष पदम गौतम ने इस घोषणा का स्वागत किया व सभी उपस्थित जनों ने हर्ष व्यक्त किया। राष्ट्रीय कवि संगम सीतापुर के जिलाध्यक्ष आनन्द खत्री आनंद, राष्ट्रीय मंत्री अर्पित मिश्र तेजस, संस्कार भारती बिसवां इकाई के महामंत्री घनश्याम शर्मा, कला कुंज भारती के संपादक पद्मकांत शर्मा प्रभात, वरिष्ठ साहित्यकार अरुणेश मिश्र व रजनीश मिश्र, सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान, विधायक बिसवां निर्मल वर्मा, पूर्व विधायक महेन्द्र सिंह यादव सहित जनपद के तमाम कवियों–साहित्यकारों ने साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु को बधाई दी है।

पांच पर गैंगेस्टर एक्ट का केस दर्ज

सीतापुर। महमूदाबाद पुलिस ने गोवध निवारण, पशु क्रुरता व संपत्ति सम्बन्धी जैसे अपराध में लिप्त पांच अपराधियों पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक सरवन पुत्र राजाराम, परमानन्द पुत्र अशर्फी, महाराज पुत्र रंगीलाल यादव व आलोक यादव पुत्र परमानंद यादव निवासीगण ग्राम मलिकापुर थाना महमूदाबाद व तौफीक राइनी पुत्र अब्दुल गफ्फार निवासी नोनहरा तहसील कासिमाबाद जनपद गाजीपुर पर कार्यवाही की गई है। यह सभी अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके विरुद्ध गौवध निवारण व पशु क्रुरता के संबंध में अभियोग पंजीकृत हैं।

बरेली से चोरी अपाचे शहर में बरामद

सीतापुर। कोतवाली नगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान अभियुक्त गौरव भारती पुत्र मजरेट निवासी भैरमपुर थाना नैमिषारण्य को आरएमपी तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से अपाचे मोटरसाइकिल संख्या यूपी 25 सीएच 4595 बरामद हुई है। अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि मैने व मेरे एक अन्य साथी ने मिलकर आजमनगर जनपद बरेली से दो दिन पहले रात में एक घर के सामने से चोरी की थी। शहर कोतवाल अनूप शुक्ला ने बताया कि उपरोक्त मोटरसाईकिल नूर अख्तर कुरैशी पुत्र अब्दुल कय्यूम कुरैशी निवासी 706 आजमनगर हरी मस्जिद बरेली के नाम पंजीकृत है। जिसके संबंध में थाना कोतवाली बरेली में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने सम्बंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेजने की कार्यवाही की है।

व्यापारी उमेश अग्रवाल की पत्नी का निधन

सीतापुर। जिले के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी उमेश अग्रवाल (मूसाराम भगवानदास) की धर्म पत्नी श्रीमती सुशीला अग्रवाल का उपचार के दौरान लखनऊ के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन का समाचार मिलने से परिवार और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनकी अंतिम यात्रा लखनऊ रोड स्थित जमैय्यतपुर निवास से कल प्रातः निकाली जाएगी।

जंगल में पेड़ से लटका मिला शव, कोहराम

सीतापुर। कमलापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पताराकला गांव निवासी रामनरेश (58) पुत्र लल्लू राम का शव शुक्रवार को दाउदपुर जंगल मे पेड से लटकता मिला। रामनरेश बुधवार को सुबह अपने घर से निकले थे जिसके बाद से परिजन काफी परेशान थे। परिजनों और गांव वालों उनकी काफी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल पाया फिर उनके गुमशुदगी की सूचना भी पुलिस को दी थी। आज सुबह लोग जंगल की तरफ गये तो उनके शव को एक पेड़ से लटका हुआ देखा तो परिजनों और पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

रोजगार सेवकों से अवैध वसूली करने का आरोप

सकरन (सीतापुर)। सकरन ब्लॉक में मनरेगा सेल में पिछले कई वर्षों से कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत रोजगार सेवक सुनीत गुप्ता के द्वारा कार्य किया जा रहा है। मनरेगा के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एप्स जिनमें मनरेगा भुवन व मनरेगा मोबाइल मॉनिटरिंग ऐप जिससे मनरेगा श्रमिकों की कार्यस्थल पर ऑनलाइन हाजिरी लगाई जाती है। इनको मोबाइल में डाउनलोड करने के लिए उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर/रोजगार सेवक के द्वारा अपने ही साथी रोजगार सेवकों के साथ जिम्मेदारों की शह पर अवैध धनउगाही की जा रही है। उक्त रोजगार सेवक द्वारा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सकरन के सामने जबरन धन उगाही का खेल खेला जा रहा है। यदि किसी के पास पैसे नहीं होते हैं तो उसके मोबाइल में मनरेगा भुवन और मनरेगा एन एम एम एस ऐप डाउनलोड करने से साफ मना कर दिया जाता है। रोजगार सेवक के द्वारा मनरेगा ऐप डाउनलोड करने तथा एरिया ऐप पर मनरेगा कार्यों की फोटो वेरिफिकेशन के नाम पर धन उगाही की जा रही है। ब्लॉक के अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी इस अवैधानिक कृत्य को रोकने का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार यह रोजगार सेवक फीडिंग के नाम पर प्रधानों से भी धन उगाही करता है। इस मामले में जब एपीओ रवि सिंह से बात की गई तो उन्होने बताया कि सुनीत रोजगार सेवक है, कम्प्यूटर आपरेटर नही है। वह सिर्फ अपनी ग्राम पंचायतों का कार्य करता है।

105 फुट ऊंचा तिरंगा झंडा लहराया

तम्बौर (सीतापुर)। आर्दश नगर पंचायत मे रेउसा मोड़ पर नगर पंचायत की सीमा प्रवेश पर 105 का फिट का तिरंगा झण्डा का चयरमैन प्रतिनिधि द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया। तम्बौर नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रयास से आदर्श नगर पंचायत घोषित होने के बाद नगर पंचायत में प्रस्ताव नगर पंचायत की सीमा का विस्तार होने पर नगर की सीमा में आने पर सीमा पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने के बोर्ड बैठक में बजट पास किया गया। बोर्ड में 105 फिट का लगाने का प्रस्ताव पास हुआ था। इस राष्ट्रीय तिरंगे की लागत करीब 13 लाख रुपये की है। चयरमैन अध्यक्ष तैय्यबुन निशां ने बताया कि नगर पंचायत में विकास को प्रथम वरीयता देकर कार्य कराया जा रहा है। आदर्श नगर पंचायत होने के बाद तम्बौर नगर पंचायत के9 खूबसूरती की तर्ज पर कार्य कराया जा रहा है। नगर पंचायत बोर्ड में कई प्रस्ताव लंबित पड़े हुए हैं उनको भी जल्द कराया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का कार्य पूर्ण हो गया है। इस जगह पर पिकनिक स्पॉट बनाकर जल्द ही सुंदरीकरण कराया जाएगा। इस मौके पर चयरमैन प्रतिनिधि दानिश कमाल शाह जमन शकील शाहबाज समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

दरिंदे ने लूटी नाबालिग की अस्मत

खेत पर गेहूं की बाली बीनने गई थी छात्रा, आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

» एसएसपी ने किया घटना स्थल का निरीक्षण, दिए शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। सकरन थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम खेत को गेहूं बीनने गई एक नाबालिग लड़की के पड़ोस के गांव के युवक ने दुष्कर्म किया।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि पीड़िता को चिकित्सीय परीक्षण हेतु जिला अस्पताल लाया गया है। सूचना पाकर एएसपी उत्तरी, सीओ बिसवां समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। सकरन थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 11वर्षीय किशोरी कक्षा पांच की छात्रा बृहस्पतिवार को स्कूल से आने के बाद शाम पांच बजे गांव के बाहर खेत को गेहूं की बाली बीनने गई थी। इसी दौरान वहां बाइक से पहुंचे पडोसी गांव कुटीपुरवा थाना सकरन निवासी सुग्रीव ने छात्रा को अकेला देख उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इस दौरान छात्रा बेहोश हो गई आरोपी बेहोशी की हालत में उसे छोड़कर मौके से फरार हो गया। होश में आने पर किसी तरह पीड़ति लहूलुहान हालात में अपने घर पहुंची और परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे सूचना पाकर एएसपी उत्तरी आलोक सिंह, सीओ बिसवां सतीश चन्द्र शुक्ल तथा मानपुर, रेउसा व बिसवां थानों की पुलिस भी देर शाम मौके पर पहुंच गई। थानाध्यक्ष नवनीत मिश्र ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए देर शाम टीमें गठित कर सम्भावित जगहों के लिए रवाना कर दिया। देर रात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त के विरुद्ध कार्यवाही की है। थानाध्यक्ष नवनीत मिश्र ने बताया आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भेजा जा रहा है।

पति पर महिला से अवैध संबंध का आरोप

सीतापुर। पत्नी ने पति पर अन्य महिला के साथ अवैध संबंधों के चलते प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए महमूदाबाद कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महमूदाबाद के तुरसेना गांव निवासिनी एक महिला ने आरोप लगाया है कि वह चार बच्चों की मां है। आरोप है कि उसके पति विश्वनाथ पुत्र रामानंद का अन्य महिला से अवैध संबंध हैं। जिसका विरोध करने पर विश्वनाथ उसके व बच्चों के साथ अक्सर मारपीट कर प्रताड़ित करता है। कोतवाल अनिल सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

अजय जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बने

सीतापुर। समाज के प्रति सेवा एवं समर्पण की भावना को देखते हुए ग्राम धोंधी निवासी व्यवसायी व समाजसेवी अजय जायसवाल को अखिल भारतीय जायसवाल (सर्ववर्गीय) महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकिशोर मोदी ने महासभा का राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया है। श्री जायसवाल से अपेक्षा की गयी है कि वह कुछ समय अपने समाज की प्रगति, कल्याण एवं विस्तार के लिए अवश्य प्रदान करेंगें।

श्री जायसवाल के इस मनोनयन पर राष्ट्रीय संयोजक अटल कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री शैलेन्द्र जायसवाल, महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्षा अनुपमा जायसवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष त्रिलोकी नाथ जायसवाल, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष राजा चौधरी सहित अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के पदाधिकारियों व सदस्यों ने अजय जायसवाल को हार्दिक बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि श्री जायसवाल ओबीसी मोर्चा भाजपा के जिला कार्यालय प्रभारी व आल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के मंडल प्रभारी भी हैं।

गणपति गजराज आके दया दृष्टि डारिए

मां संकटा देवी धाम में जागरण का भव्य आयोजन

सीतापुर। महमूदाबाद कस्बे में स्थित मां संकटा देवी धाम में चल रहे 30 दिवसीय मेले के दौरान धाम के सांस्कृतिक मंच पर श्रीबाला जी जागरण पार्टी के कलाकारों द्वारा भगवती जागरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कलाकारों ने सुंदर मातारानी के भजनों के जरिए भक्तों को आनंदित करने के साथ झांकी के कलाकारों ने हैरतंगेज झांकियों का प्रदर्शन कर भक्तों का मन मोह लिया। रानी तारामती की संगीतमयी कथा और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। गुरुवार को धाम के सांस्कृतिक मंच पर समिति के सहयोग से जगराते के आयोजक राकेश चंद्र कन्नौजिया के द्वारा जागरण का आयोजन हुआ। जागरण के आचार्य के द्वारा मुख्य यजमान राकेश कन्नौजिया को सपत्नीक गौरी गणेश सहित मां भगवती का पूजन करवाया गया। जागरण में कानपुर से पधारी फेमस यू–ट्यूब गायिका रुचि किंकर ने 'गणपति गजराज आके दया दृष्टि डारिए' के साथ 'स्वर सुधा की विधा दो मां, वो नैया थपेड़ों से भी पार हो जाए, कर में मां जिसकी पतवार हो जाए' सहित अन्य भजनों को गाकर भक्तों को आनंदित किया। लखनऊ से आयी प्रसिद्ध गायिका मुस्कान मिश्रा ने 'भवनवा जइबे माता के, मां के दरबार चलो, मैया जी ललुआ मांगे ला अंचरा पसारी के' गाकर भक्तों की तालियां बटोरी। गायक प्रभात त्रिवेदी, जुगुल किशोर तिवारी, राजू किंकर ने मां की भेंट प्रस्तुत कर अपनी हाजिरी लगाई। झांकी ग्रुप के कलाकारों ने गणेश वंदना, महिषासुर वध, शिव तांडव, राधा–कृष्ण, कृष्ण–सुदामा मिलन झांकियों का सजीव मंचन कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध किया। इस अवसर पर पं. पुरूषोत्तम मिश्र, शिवम् विक्रांत, गोलू सैनी, अनुज शुक्ल, अशोक नाग, बुद्धिलाल कश्यप मौजूद रहे।

सतर्कता बरतने से गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकता है : डॉ रानू

350 बच्चों व शिक्षकों ने करवाई स्क्रीनिंग

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति अभिभावकों को जागरुक रहने के साथ मौसम के साथ उनका खानपान व कपड़ों के उपयोग करवाने की जरूरत है। अभिभावक बच्चों के प्रति यदि सतर्क रहें और सावधानी बरतें तो ज्यादातर बीमारियों से बचा जा सकता है।

यह बात सीता ग्रुप ऑफ एजूकेशन के शास्त्री सभागार में शुक्रवार को आयोजित एनीमिया स्क्रीनिंग कैंप में मौजूद शिक्षकों, विद्यार्थियों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए न्यूट्रीशनपंच लखनऊ की फाउंडर डॉ. रानू सिंह ने कही। उन्होंने इस दौरान एनीमिया के लक्षण व बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों का जिस मशीन से परीक्षण किया गया वह अमेरिकन कंपनी द्वारा बनाई गई मशीन है। भारत में अभी केवल छह मशीनें उपलब्ध हैं। मशीन की मदद से बिना किसी ब्लड सैंपलिंग के हीमोग्लोबिन, ऑक्सीजन लेवल और पल्स मापी जाती है। कैंप में 350 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने स्क्रीनिंग करवाई। चिकित्सक का स्वागत चेयरमैन रमेश वाजपेयी विरल, आंजनेय आशीष, वागीश दिनकर, यशपाल वर्मा, अनंत रत्नम एवं अवनीश अवस्थी ने किया।

शराब के नशे में युवक ने लगाई फांसी, बिना पीएम के हुआ अंतिम संस्कार

सीतापुर। सकरन थाना क्षेत्र मे संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। परिजनों ने बगैर पीएम कराये ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सकरन थाना क्षेत्र के मडिकौडा मजरा मडोर निवासी बच्चू लाल (19) पुत्र भगौती शराब के नशे का आदी था बृहस्पतिवार की रात वह शराब पीकर घर आया था तब परिजनों ने उसे फटकार लगाई थी। उसके बाद वह लेट गया था देर रात उसने घर के भीतर कमरे में रस्सी से गला बांध कर हुक में लटक कर आत्महत्या कर ली सुबह परिजनों को उसका शव लटकता मिला।

मृतक के पिता भगौती ने बताया बच्चू लाल शराब पीने का आदी था परिजनों के समझाने के बाद वह शराब नही छोड़ रहा था रात में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों ने बगैर पीएम कराए ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया मृतक के परिजनों का किसी पर कोई आरोप नही है। पुलिस का कहना है कि परिजन यदि किसी पर शक जाहिर करते हैं और लिखित में तहरीर देंगे तो आगे की कार्रवाई जरूर की जाएगी। किंतु अभी तक इस तरह की कोई बात सामने नहीं आई है। पीएम रिपोर्ट से असलियत सामने आएगी।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ने किया बिस्वां में सेल्फी पॉइंट का शुभारंभ

विश्ववार्ता संवाददाता

लहरपुर (सीतापुर)। नगर क्षेत्र को सुंदर बनाने के उद्देश्य से पालिका परिषद द्वारा बनाए गए हमारा लहरपुर सेल्फी पॉइंट का किया गया शुभारंभ। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नगर के बिस्वां तिराहा गेट स्थित फव्वारे के निकट पालिका परिषद के द्वारा बनाए गए लहरपुर सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ पालिका परिषद के अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद के द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारी संख्या में नगरवासी गेट पर बनाए गए फव्वारे पर प्रतिदिन शाम को टहलने व सेल्फी लेने के लिए जमा होते हैं, नगर वासियों की सुविधा के लिए फव्वारे के सामने ही एक आकर्षक एवं खूबसूरत सेल्फी पॉइंट का निर्माण पालिका परिषद द्वारा कराया गया है, उन्होंने कहा कि लहरपुर गेट व उसके आसपास के क्षेत्र को सुंदर आकर्षक और खूबसूरत ढंग से सजाये जाने की कार्य योजना बनाई गई है। इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा सभासद मनीष शुक्ल, मोईनखान, क्रांति, उस्मान खान, अन्नू अवस्थी, आलम, विजय, प्रदीप, रहमत अली, शोएब, नबी अहमद, नीरज गौड़ हाजी मुशीर, जगदीश, निसार, सोनू, हनीफ, शेखर वर्मा, रघुवंश अवस्थी, उमंग मेहरोत्रा सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे।

विधायक ने किया तटबंध के निर्माण कार्य का शुभारंभ तैयारियां हुई शुरू

सीतापुर। रामपुर मथुरा इलाके में घाघरा नदी पर तटबंध के निर्माण कार्य का आज से शुभारंभ हो गया है। सेउता विधायक ज्ञान तिवारी ने आज पूजा अर्चना के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।जानकारों की माने तो 21 करोड़ रुपये की लागत से यह तटबंध परमगौड़ा इलाके में किया जायेगा।

इस तटबंध के बनने से आसपास के एक दर्जन गांवों को लाभ मिलेगा। उन्हें बाढ़ और कटान की समस्या से सुरक्षा मिलेगी। इस अवसर पर तहसील, सिंचाई और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

बिसवां के सम्पूर्ण समाधान दिवस में रहेंगे जिलाधिकारी

सीतापुर। जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 19 अप्रैल दिन शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक तहसील में किया जाएगा। उक्त तिथि को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बिसवां में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन प्रस्तावित है। डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह समय रहते सभी शिकायतों का निस्तारण करें। शिकायत आने पर कार्रवाई जरूर की जाएगी।

एसडीएम के आश्वासन पर टूटी भूख हड़ताल

लखनऊ में निर्णायक आंदोलन की चेतावनी, आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में धांधली का आरोप

विश्ववार्ता संवाददाता

सीतापुर। जनपद मौजूदा समय में एक गहरे प्रशासनिक संकट से गुजर रहा है। जहां आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में सामने आए व्यापक भ्रष्टाचार और अनियमितताओं ने न केवल अभ्यर्थियों का विश्वास तोड़ा है, बल्कि शासन-प्रशासन की जवाबदेही पर भी गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। सैकड़ों महिला अभ्यर्थियों द्वारा आंगनबाड़ी भर्ती में हुई धांधलियों के विरोध में किए गए आमरण अनशन ने पूरे जनपद को आंदोलित कर दिया। यह अनशन समाजसेवी पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व एवं संघर्षशील अभ्यर्थियों की दृढ़ता का परिणाम था। अंततः उप जिलाधिकारी सदर द्वारा विकास भवन के सामने चल रहे भूख हड़ताल को लिखित आश्वासन के बाद 30 घंटे बाद समाप्त कर दी गयी, किंतु चेतावनी दी गई कि यदि एक सप्ताह के भीतर समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन की अगली कड़ी लखनऊ के इको गार्डन और मुख्यमंत्री आवास पर आमरण अनशन के रूप में होगी।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि चयन प्रक्रिया में पूर्णतः पारदर्शिता की कमी रही। मेरिट, नियम और आरक्षण का घोर उल्लंघन करते हुए अपात्र और अयोग्य व्यक्तियों को प्राथमिकता दी गई। कई अभ्यर्थियों ने यह भी दावा किया कि उन्हें जानबूझकर नजरअंदाज कर दिया गया, जबकि वे सभी मानकों पर खरे उतरते थे। कसमंडा, सिधौली, मिश्रिख, हरगांव, बिसवां जैसे विकास खंडों से रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो क्लिप और दस्तावेज़ों में यह स्पष्ट है कि चयन में भारी लेन-देन और धमकियों का सहारा लिया गया। यह असंवेदनशीलता का परिचायक है। ग्राम मनवा में एक अभ्यर्थी को विधवा बताकर चयनित कर दिया गया, जबकि ग्राम प्रधान ने उसे अविवाहित प्रमाणित दिया है। सिधौली की एक चयनित अभ्यर्थी प्राची विश्वकर्मा के पति पहले से सरकारी शिक्षक हैं, बावजूद इसके उन्हें 'आर्थिक रूप से कमजोर' कोटे में रखना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। आवेदिका शीला रावत की वायरल कॉल रिकॉर्डिंग में प्रशासनिक अमले की धमकियाँ सुनाई दी गईं। इसके बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे यह प्रतीत होता है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज़ उठाने वालों को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है।

आवेदन पत्र, मेरिट सूची, चयन मापदंड और मूल्यांकन प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए। जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर गंभीर आरोप हैं, उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए और उन्हें तत्काल निलंबित किया जाए। भर्ती प्रक्रिया को निरस्त कर पुनः निष्पक्ष प्रक्रिया लागू की जाए जिससे योग्य, मेहनती और ईमानदार अभ्यर्थियों को न्याय मिल सके। प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, शासनादेश का कोई मतलब नहीं जैसे कथन देने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। यह संघर्ष केवल नौकरी की लड़ाई नहीं है, यह लोकतंत्र की आत्मा–न्याय, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की रक्षा का संग्राम है। महिला अभ्यर्थियों का शांतिपूर्ण आमरण अनशन इस बात का प्रतीक है कि समाज अब चुप नहीं बैठेगा। यदि शासन ने इसे हल्के में लिया, तो यह आंदोलन लखनऊ की सड़कों पर न्याय की ज्वाला बनकर फूट पड़ेगा। प्रशासन के लिए यह अवसर है कि वह अपनी छवि को बचाते हुए समय रहते निर्णय ले और ईमानदार अभ्यर्थियों को न्याय दिलाए। अन्यथा यह जनांदोलन समूचे प्रदेश में होगा।

मजदूरों व समाज हित के लिए हमेशा आवाज उठाते रहे भूषण : रिजवी

विश्ववार्ता संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। श्रमिक नेता लोकतंत्र सेनानी व समाजसेवी स्वर्गीय प्रसाद भूषण की पुण्यतिथि साथी संस्था द्वारा उनकी याद में जन सेवा समर्पण सम्मान दिवस के रूप में मनायी गयी। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अंम्बार रिजवी ने कहा स्वर्गीय भूषण को लोग कभी भी भूल नहीं पाएंगे वह सदैव मजदूरो व समाज के लिए आवाज उठाते रहे। उन्होंने कहा आज उनकी पुण्यतिथि पर उनके पुत्रों द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करके उनकी यादों को ताजा करने का कार्य किया है। वह बधाई के पात्र हैं।

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधान परिषद सदस्य भरत त्रिपाठी ने उनके संस्मरण को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हिंद मजदूर सभा के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय भूषण सदैव श्रमिकों की लड़ाई लड़ते थे उनको उनका हक दिलाने में लगे रहते थे। उनका नाम सीतापुर में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में मजदूर नेता के नाम से जाना जाता था। कार्यक्रम को समाजसेविका रेनू मेल्होत्रा दिनेश चंद पांडे डॉक्टर सुमित मेहरोत्रा शिवकुमार खेतान ने भी संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम आयोजक बृजभूषण पांडे डॉ. आयुष भूषण पांडे चंदन पांडे ने किया। कार्यक्रम में समाज में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य कर रहे लोगों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। संचालन संदीप मिश्रा सरस ने किया। डॉ. सरला अवस्थी इरफान मंसूरी शिक्षिका सुधा श्रीवास्तव शब्बीर खाँ रजनीश मिश्रा अमर मेहरोत्रा कमलेंद्र बाजपेई आनंद मेहरोत्रा नरेश गौड़ विजय

सहुलियत 2005 से नारी अदालत का हो रहा संचालन, 6000 विवादों का हो चुका निस्तारण, एएसपी ने किया निरीक्षण

पति-पत्नी व घरेलू हिंसा के विवादों को सुलझाने में सहारा बनी नारी अदालत

विश्ववार्ता संवाददाता

महोली (सीतापुर)। पिसावां कस्बे के निरीक्षण भवन परिसर में महिला समाख्या की उपवन महासमिति द्वारा आयोजित नारी अदालत की बारीकियों को समझने पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक डॉ प्रवीण रंजन ने नारी अदालत का निरीक्षण कर उनके द्वारा विवादों को निपटाने के तरीकों व कार्यप्रणाली को समझा। नारी अदालत के दौरान 12 महिलाओं की टीम ने विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई की।

क्षेत्र के करौंदिया गांव निवासी माया देवी का तीन साल से अपने पति से विवाद चल रहा था। उसका नारी अदालत द्वारा निस्तारण कराया गया। इस दौरान एक फसल विवाद को भी सुलझाया गया। एएसपी डॉ प्रवीण रंजन ने नारी अदालत की सराहना करते हुए कहा कि छोटे विवादों का इस प्रकार से आपसी तालमेल से समझौता कराना बेहद ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि नारी अदालत की महिलाएं एंटी रोमियो टीम के साथ मिलकर महिला हिंसा पर अंकुश लगाने में भी मदद करें। इस दौरान रेखा गुप्ता, नीबू कली, प्रतिभा, माया, सुषमा, सुशीला, रामलली, सरला, सहित सैकड़ों महिलाएं शामिल रहीं। बॉक्सकोर्ट न थाना, लोगों ने नारी अदालत को माना पति-पत्नी सहित परिवारों के छोटे-छोटे विवादों को कोर्ट और थाने की दहलीज तक न जाना पड़े। आपसी तालमेल और समझौतों के साथ सभी समस्याओं का निराकरण आसानी से हो सके।

इसलिए महिला समाख्या की उपवन महासमिति द्वारा बीते 2005 से नारी अदालत का संचालन किया जा रहा है। नारी अदालत का आयोजन प्रत्येक माह की 14 व 28 तारीख को किया जाता है। सदस्य नींबू कली ने बताया कि अभी तक पति-पत्नी और महिला हिंसा के लगभग छह हजार से भी अधिक वादों का निस्तारण नारी अदालत द्वारा किया जा चुका है। नारी अदालत की उपयोगिता इसलिए भी सार्थक हो चली है कि लोग इसके फैसले को हंसी-खुशी से स्वीकार लेते हैं।

स्कूल काउंसलिंग सदस्यों के लिए हुआ मतदान

सीतापुर। सिंघानिया एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में स्कूल काउंसलिंग के सदस्यों के चयन हेतु मतदान का आयोजन किया गया। निर्धारित समय में स्कूल काउंसिल इलेक्शन 2025 का सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। सिंघानिया एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में 16 अप्रैल एवं 17 अप्रैल को यह आयोजन संपन्न हुआ। विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक तरीके से विभिन्न प्रतिनिधियों का चुनाव किया। प्रतिनिधि मंडल में कक्षा प्रतिनिधि, हेडबॉय, हेडगर्ल, हाउस प्रिफेक्ट व स्पोर्ट कैप्टन का चयन हुआ। विद्यालय के चेयरमैन ओम प्रकाश सिंघानिया ने छात्रों को इस अवसर पर लोकतंत्र में मतदान की प्रक्रिया एवं उसके महत्व के विषय में जानकारी दी। मतदान करने से पूर्व सभी छात्रों को निष्पक्ष मतदान करने की शपथ दिलवाई गई। छात्रों ने अपने शिक्षकों के निर्देशन में मतदान में हर्षोल्लास के साथ प्रतिभाग किया।

एक नजर

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने फूंका राहुल का पुतला

फर्रुखाबाद। शुक्रवार को भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा जिला कार्यालय फर्रुखाबाद में एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व अभियान प्रभारी के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक जोशी ने करते हुए आगामी जिले में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम संयोजक के रूप मे भाजयुमो जिला मंत्री विक्रांत तिवारी ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने का निर्देश दिया एवं जिले में 7 ब्लॉकों के 18 मंडलों में कार्यक्रम को भाव रूप देने की बात कही। कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे राजीव मिश्रा की अध्यक्षता में नेशनल हेराल्ड देश में आरोपी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला लोहिया मूर्ति तिराहा आवास विकास में फूंका गया एवं प्ले कार्ड लेकर युवा मोर्चा के पदाधिकारी आवास तिराहे से फतेहगढ़ चौराहे, लाल दरवाजा पर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजयुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान जिला मंत्री अंकुर गुप्ता, हिमांशु खटीक मंडल अध्यक्ष रानू दीक्षित ,प्रतीक दुबे, सिद्धांत सिंह कार्यालय प्रभारी रोहित शर्मा ,मनोज चतुर्वेदी सत्यम कटियार मंडल महामंत्री पवन मिश्रा, मयंक गुप्ता, संजय सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कल तक चलता रहेगा मौसम का उतारचढ़ाव

कानपुर। एक बार फिर से मौसम करवट ले सकता है। एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के आने से आंधी-पानी का दौर एक बार फिर शुरू हो सकता है। बादलों की आवाजाही शुरू हो जाने से रात के तापमान तेजी से चढ़ने लगे हैं। हालांकि शुक्रवार सुबह से धूप निकली हुई थी, साथ ही हल्की हवाएं चल रही थी। दिन का तापमान जहां 38.4 डिग्री पहुंच गया वहीं रात का तापमान 22.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को आंधी-पानी की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। तापमान सामान्य से 2 डिग्री अधिक हो गए हैं। पश्चिमी विक्षोभ ने पहाड़ों पर दस्तक दे दी है पर मौसम में बदलाव की वजह अन्य सर्कुलेशन भी हैं। इससे पूरे प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग दिनों में मौसम बदलेगा। अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर आदि में आंधी-पानी की स्थितियां रहीं। रविवार तक इस तरह की गतिविधियां प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बनी रहेंगी।14 अप्रैल से अब तक दिन का तापमान लगातार चढ़ रहा है। अभी उत्तर-पूर्वी हवाएं चल रही हैं जो अपने साथ नमी ला रही हैं। तापमान सामान्य से ऊपर बने रहे। मौसम विशेषज्ञ डा. एसएन सुनील पांडेय के मुताबिक एक साथ कई मौसम प्रणालियां काम कर रही हैं। इसका प्रभाव उत्तर प्रदेश पर भी पड़ रहा है। एक पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी ईरान और आसपास के क्षेत्रों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में सक्रिय है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान सहित एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी असम और एक पूर्वी मध्य प्रदेश में भी बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञ ने बताया कि उत्तर प्रदेश में यह मौसम बदलाव 20 अप्रैल तक जारी रह सकता है। अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ कहीं बूंदाबांदी तो कहीं तेज वर्षा हो सकती है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी संभव है। कानपुर में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई जा रही है।

कानपुर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय सम्मेलन शुरू

कानपुर। सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सतत ऊर्जा एवं उन्नत सामग्री विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। इस सम्मेलन का संयुक्त आयोजन रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, सामग्री विज्ञान एवं धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग, तथा व्यावसायिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में प्रति कुलपति डॉ. अनिल कुमार यादव ने दीप प्रज्जलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। प्रति कुलपति ने उद्घाटन भाषण में सतत विकास, ऊर्जा संरक्षण तथा नवाचार की दिशा में अनुसंधान की महत्ता को रेखांकित किया। सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रो. लालतु चंद्रा, सतत ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी कानपुर थे। उन्होंने सम्मेलन की थीम पर विस्तृत चर्चा करते हुए ऊर्जा, सततता एवं नवाचार पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सतत ऊर्जा स्रोतों की खोज एवं उन्नत सामग्री का विकास, वैश्विक स्तर पर अत्यंत आवश्यक हो गया है।

निर्माण कार्य के चलते रूट किया गया डायवर्सन

उन्नाव। बैराज मार्ग स्थित सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते प्रशासन ने 15 अप्रैल से ट्रैफिक रूट डायवर्सन लागू किया है। डायवर्सन के तहत उन्नाव से गंगा बैराज, बिठूर, मंधना, कल्याणपुर, कन्नौज, फर्रुखाबाद और कानपुर जाने वाले हल्के वाहनों को सहजनी क्रॉसिंग होकर ट्रांस गंगा सिटी गेट नंबर दो से निकाला जा रहा है। पहले दिन कुछ भारी वाहन भी सहजनी मार्ग से गुजरे। यातायात पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाया और चेतावनी दी। अगले दिन से सहजनी मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद कर दिया गया। इससे स्थानीय लोगों और छोटे वाहन चालकों को राहत मिली है। लेकिन इस व्यवस्था का असर हाईवे पर देखने को मिल रहा है। सभी भारी वाहन अब हाईवे से गुजर रहे हैं। इससे वहां ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है। हाईवे पर दिनभर बड़े ट्रकों और कंटेनरों की लंबी कतारें लग रही हैं। कई जगहों पर वाहन रेंगते हुए चल रहे हैं। जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन का निर्णय सही है। लेकिन हाईवे पर बढ़े दबाव के लिए जल्द वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत है। ट्रैफिक विभाग के अनुसार बैराज मार्ग पर लगने वाले जाम से निर्माण कार्य बाधित हो रहा था। इसलिए 14 अगस्त तक डायवर्सन लागू किया गया है। प्रशासन हाईवे पर ट्रैफिक को सुचारु रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर रहा है।

दहेज हत्या का आरोपी गिरफ्तार

सफीपुर उन्नाव। दहेज हत्या के एक मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। क्षेत्राधिकारी मधुप नाथ मिश्रा के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बृजपाल पुर गांव के रहने वाले गुड्डू को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार सुबह दबिश देकर पकड़ा। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बुधवार को गुड्डू की पत्नी राम कुमारी (30) का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला था। मृतका के परिजनों ने गुड्डू, उसकी मां और पिता पर दहेज हत्या का आरोप लगाया था। आरोप है कि चार लाख रुपए की दहेज मांग पूरी न होने पर राम कुमारी की हत्या कर दी गई। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होते ही सभी आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस टीम लगातार उनकी तलाश कर रही थी। शुक्रवार को मुखबिर से मिली सूचना के बाद मुख्य आरोपी गुड्डू को गिरफ्तार किया गया।

नगर निगम को 1.93 अरब के 9 बड़े विकास कार्यों की सौगात देंगे पीएम

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 24 अप्रैल को कानपुर आना प्रस्तावित है। वह यहां मेट्रो के नए फेज के संचालन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही वह कानपुर से ही प्रदेश की 19 हजार करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे, जिसमें 1.93 अरब के कानपुर नगर निगम के 9 बड़े प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। नगर निगम ने फूलबाग में बनने वाली ई-लाइब्रेरी, दो मियावाकी पार्क, सीएम ग्रिड की सड़कों को प्रोजेक्ट में शामिल किया है।

सीएमवीएनवाई योजना के तहत जोन एक में गांधी भवन फूलबाग में ई-लाइब्रेरी 8 करोड़ रुपए से तैयार होनी है। लाइब्रेरी के लिए टेंडर हो चुके है, जिसका पीएम मोदी शिलान्यास कर

सकते हैं। इसके साथ ही 12.97 करोड़ रुपए से बनने वाले जोन 3 के नए भवन का भी शिलान्यास मोदी करेंगे। नगर निगम ने योजना में दोनों ही प्रोजेक्ट को शामिल किया है।

साथ ही सीएम ग्रिड योजना के दूसरे फेज में बनने वाली 5 सड़कों के निर्माण कार्य की शुरुआत भी पीएम मोदी कर सकते हैं। इसमें थाना स्वरूप नगर से मटका तिराहा होते हुए कमिश्नर आवास, कंपनी बाग तक बनने वाली सड़क के कार्यों की भी शुरुआत होगी। यह सड़क 22 करोड़ की लागत से तैयार होनी है।

दीप सिनेमा से सोटे बाबा मंदिर तक 33.48 करोड़ से सड़क का निर्माण सीएम ग्रिड योजना के तहत होना है। इसी तरह योजना के तहत बनने वाली नौबस्ता बंबा से कर्रही रोड लागत 28.28 करोड़, गुरुदेव सिनेमा से चिड़ियाघर तक लागत 47.04 करोड़ और लाल बंगला रोड से जेके फर्स्ट चौराहा तक 39.74 करोड़ रुपये से बनने वाली सड़क को शामिल किया गया है।

नगर निगम ने उपवन योजना के तहत मियावाकी पद्धति से बनने वाले वार्ड-12 व वार्ड-53 के 2 पार्कों को भी शिलान्यास के लिए शामिल किया गया है। दोनों ही पार्कों के निर्माण में करीब 2 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मरों के चालू होने से शहर रहेगा जगमग

कानपुर। शहर में बिजली के लाखों उपभोक्ताओं को 24 घन्टे आपूर्ति प्रदान करने के लिए अब कानपुर इलेक्ट्रिक सिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड की ओर से साल 2030 तक के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत शहर में जहां 6 नये सब स्टेशन तो बनेंगे ही साथ ही 800 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे, जिसकी लागत लगभग 740 करोड़ रुपये की आ सकती है। केस्को की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक शहर के मोहल्लों में बिजली सप्लाई होती है वह सीधे डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर से होती है। ऐसे में जब अधिक संख्या में डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर लग जाएंगे, तो फॉल्ट में भी कमी आएगी और अधिक से अधिक बिजली सप्लाई हो सकेगी।केस्को के अधिकारियों के मुताबिक शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में केस्को की ओर से अधिक से अधिक बिजली सप्लाई के लिए जहां रिंग मेन यूनिट लगाई जायेंगी। वहीं शहर में 38 पावर ट्रांसफार्मर भी लगाए जा रहे हैं।

अख़बार में खबर पढ़कर लावारिस भर्ती बुजुर्ग से मिलने पहुँचे बेटी दामाद

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। बिधनू के स्वास्थ्य केंद्र में बुजुर्ग को भर्ती कराने के बहाने छोड़ जाने के मामले में नया मोड़ आया है। अखबार में खबर पढ़ने के बाद बुजुर्ग के बेटी-दमाद हैलट अस्पताल पहुंचे और उन्होंने डॉक्टरों का धन्यवाद किया।

बिधनू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को एक 65 वर्षीय बुजुर्ग को उनकी बेटी और दामाद इलाज के लिए लेकर आए थे। दोनों दवा लेने के बहाने बाहर गए और फिर वापस नहीं लौटे। बुजुर्ग काफी देर तक अस्पताल में दर्द से तड़पते रहे। केंद्र के डॉक्टर और स्टाफ ने उन्हें इलाज के बाद हैलट रेफर कर दिया था। पतिहुरिया पनकी निवासी दीपक प्राइवेट नौकरी करते हैं। 4 साल पहले गोविंद नगर निवासी पूजा से उनका विवाह हुआ था। इसके बाद से दीपक के 65 वर्षीय ससुर सुरेश कुमार बेटी के ससुराल में ही रहने लगे थे। दीपक ने बताया कि ससुर सुरेश कुमार पहले गोविंद नगर में किराए के घर में रहते थे, लेकिन लिवर खराब हो जाने के कारण कई सालों से वह हमारे घर पर पनकी में रहने लगे थे। बुधवार को ससुर को दवा दिलाने के लिए बिधनू सीएचसी ले गए थे। वहां पर ससुर को यह कह कर छोड़ दिया कि तुम दवा लेकर घर आ जाना, हम गेंहू की कटाई कराकर आते हैं। इसके बाद जब उनके ससुर की हालत बिगड़ी तो डॉक्टरों ने 108 एंबुलेंस से उन्हें हैलट रेफर कर दिया। दीपक ने बताया कि देर रात तक जब ससुर घर नहीं पहुंचे तो हम लोग सीएचसी गए। वहां पता चला कि वो उर्सला भेजे गए है। रात में भी उर्सला पहुंचे तो पता चला कि वहां पर भी कोई नहीं हैं।

तमंचे के बल पर फ्लैट में लूटपाट करने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। पनकी में दिन दहाड़े फ्लैट में घुसकर तमंचे के बल पर लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को पनकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस तीनों बदमाशों तक पहुंची, पुलिस लूट की इस वारदात को संदिग्ध बता रही थी, लेकिन खुलासा होने पर पुलिस अफसर भी दंग रह गए।

तीन युवक दिन दहाड़े कारोबारी का फ्लैट खटखटा कर घुसे और वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तारी के बाद तीनों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी वेस्ट आरती सिंह ने बताया कि शिवालिक अपार्टमेंट के फ्लैट में रहने वाले डिब्बा कारोबारी वेद प्रकाश के घर में 16 अप्रैल को दिन दहाड़े तीन बदमाश दरवाजा खटखटा कर घुसे और लूटपाट की वारदात

» तीनों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है

को अंजाम दिया था। वेद प्रकाश इस दौरान अपने कारखाने में थे। दो नकाबपोश बदमाश दोपहर 2:40 बजे आए और उनके फ्लैट का दरवाजा खटखटाया। घर पर अकेले मौजूद उनकी पत्नी भावना ने दरवाजा खोला। दरवाजा खुलते ही बदमाश भावना को धक्का देकर घर के अंदर दाखिल हो गए। लुटेरों ने भावना के सिर पर तमंचा लगाकर उनकी चेन लूट ली।

अवैध विज्ञापनो पर नगर निगम ने लगाया 10 लाख का जुर्माना

कानपुर। नगर निगम के विज्ञापन विभाग ने पूरे शहर में अवैध तरीके से लगाए गए विज्ञापनों पर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। बिठूर स्थित ब्लू वर्ल्ड थीम पार्क के पूरे शहर में अवैध तरीके से लगाए गए विज्ञापनों पर निगम ने एक्शन लिया है। पहली बार किसी फर्म पर इतना बड़ा जुर्माना लगाया गया है।

विज्ञापन प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि फूलबाग की दीवारों में पोस्टर, वॉल पेंटिंग, पेड़ों पर होर्डिंग और पंपलेट लगाकर और साथ ही पूरे शहर में अवैध तरीके से प्रचार-प्रसार किया गया था।

इस पर नगर निगम ने 5000 रुपए प्रति विज्ञापन की दर से थीम पार्क पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। थीम पार्क को नोटिस भी रिसीव करा दिया गया है। टेफ्को चौराहा से कम्पनी बाग, मेट्रो स्टेशन रावतपुर चौराहा से लेकर गोल चौराहा तक अवैध विज्ञापनो के खिलाफ अभियान चलाया गया।

गठिया के मरीजों को अब नहीं कराना होगा घुटने का ऑपरेशन

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। गठिया की गंभीर समस्या पर मरीजों को अब ऑपरेशन कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि एक छोटे से चीरे में ही उनकी गठिया की समस्या को दूर कर दिया जाएगा। कानपुर मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में आर्थो विभाग में प्रॉक्सिमल फिबुलर आस्टियोटॉमी विधि का प्रयोग कर गठिया की बीमारी का उपचार किया जा रहा है।

बढ़ती उम्र के साथ शरीर में हड्डी की भी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। खासकर गठिया की समस्या सबसे अधिक देखने को मिलती है। ये समस्या इंसान को असहनीय दर्द देती है और चलने फिरने के लिए भी मोहताज कर देती हैं। इसका इलाज आपरेशन करके नी ट्रांसप्लांट ही होता है।

लेकिन अब नी ट्रांसप्लांट की जगह

पीएफओ एक अच्छी और सफल विधि आ गई है। इसमें मरीजों को ज्यादा दिक्कत नहीं होगी और मरीजों को दर्द से भी निजात मिलेगी।

हैलट के आर्थों विभाग के डॉ. फहीम अंसारी ने बताया कि नई-नई तकनीक से रोगियों का इलाज यहां पर किया जा रहा है। इसमें पीएफओ एक ऐसी विधि है। जिसमें हड्डी को रिपेयर करके ठीक किया जाता है। इसके बाद फिजियोथेरेपी देने से रोगी आसानी से चलने लगता है। आमतौर पर एक उम्र के बाद घुटने जवाब देने लगते हैं।

आत्महत्या करने वाले कैंसर पीड़ित बुजुर्ग का शव मिला

कानपुर। शिवराजपुर में एक कैंसर से पीड़ित 65 वर्षीय वृद्ध ने बुधवार को गंगा नदी में छलांग लगा दी थी। दो दिन की तलाश के बाद उनका शव बरामद हुआ है। चौबेपुर थाना क्षेत्र के बंसठी गांव के रहने वाले दयाशंकर लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। वह शोभन मंदिर जाने की बात कहकर बाइक से निकले थे। शाम करीब 5 बजे उन्होंने परिजनों को फोन करके बताया कि वह बीमारी से परेशान हैं। उन्होंने गंगा में कूदने और घर न लौटने की बात कही। इसके बाद परिजन तुरंत खेरेश्वर गंगा तट की ओर भागे। वहां पुल पर उनकी बाइक और दवाइयां मिलीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों ने तलाश शुरू की। गुरुवार को पूरे दिन खोजबीन जारी रही। शुक्रवार को खेरेश्वर गंगा तट से करीब 6 किलोमीटर दूर सुनौढ़ा गांव के पास एक शव तैरता मिला। परिजनों ने शव की पहचान दयाशंकर के रूप में की।

भारत को विकसित बनाने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक

विश्ववार्ता संवाददाता

फर्रुखाबाद। अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के तत्वाधान में एक बैठक दिलवाल के एक गेस्ट हाउस में संपन्न हुई जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे बताया गया कि एक राष्ट्र एक चुनाव के लागू होनें से `भारत विकसित राष्ट्र जल्दी बनेगा।सांसद मुकेश राजपूत ने कहा भारत को विकसित करने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव होना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी विशेष पार्टी और व्यक्ति का नहीं है बल्कि यह राष्ट्र के नव निर्माण के लिए जरूरी है। भारत में समय-समय पर विधानसभा और लोकसभा के चुनाव अलग-अलग होते हैं, जिससे अत्यधिक समय की बर्बादी एवं अत्यधिक पैसा खर्च होता है एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होने से विकास की गति में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। एक मजबूत लोकतंत्र का निर्माण

» अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा की बैठक

तभी हो सकता है । भाजपा जिलाध्यक्ष फतेह चंद्र वर्मा ने कहा वन नेशन वन इलेक्शन यह एक गंभीर विषय है। भारत सरकार द्वारा यह एक विचाराधीन प्रस्ताव है। जिस पर एक सार्थक चर्चा के लिए गोष्ठी का आयोजन कियाजा रहा है। एक राष्ट्र एक चुनाव कराने से केंद्र के राजकोष की बचत होगी अलग-अलग चुनाव होने के कारण समय-समय पर राज्यों में आचार संहिता लागू होती है। लोधी कल्याण महासभा के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम वर्मा ने कहा भारत को विकसित राष्ट्रों की सूची में लाने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव जरूरी है। पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा डा.भूदेव सिंह राजपूत ने कहा सरकारी खजाने का 30 प्रतिशत खर्च इससे बचाया जा सकता है। विपक्ष इस पर चर्चा से भाग रहा है वह देश का भला नहीं चाहता बल्कि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते इस महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

संचालन भाजपा जिला महामंत्री डीएस राठौर ने किया। कार्यक्रम में संयोजक सांसद प्रतिनिधि अनूप मिश्रा, अनिल कश्यप, ईश्वर दयाल राजपूत, रजनीश राजपूत, भाजपा जिला मंत्री धर्मेंद्र राजपूत, विनोद राजपूत, कौशल राजपूत अमित राजपूत पुष्पेंद्र राजपूत राम लड़ैते राजपूत, श्वेता दुबे, धीरेंद्र वर्मा, पूर्व मंडल महामंत्री व पाल सेना जिलाध्यक्ष पंकज पाल आदि रहे।

डीसीपी ने नेयवेली पावर प्लांट का किया निरीक्षण

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर घाटमपुर के यमुना तटवर्ती क्षेत्र में स्थित नेयवेली पावर प्लांट में पहुंचकर कानपुर डीसीपी साउथ और एसडीएम घाटमपुर ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया है। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियां तेज हो गई हैं। पुलिस उपायुक्त दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने थाना सजेती क्षेत्र स्थित नेयवेली पावर प्लांट का दौरा किया।

उन्होंने मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी घाटमपुर, एसीपी घाटमपुर और थानाध्यक्ष सजेती भी मौजूद रहे।

सीसीसीटीवी कैमरे की निगरानी में गोवंश को दिया जाए चारा : डीएम

विश्ववार्ता संवाददाता

फर्रूखाबाद। राजपुर ब्लॉक के गांव खडौली में बनी गौशाला का जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला मे 283 गौवंश पाये गये गौशाला में साफ सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई ,गौशाला में भूसा, दाना, का पर्याप्त भंडारण पाया गय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने देखा कि सभी गौबंश की ईयर टैगिंग हो गई है सभी कर्मचारियों का मार्च तक का भुगतान हो गया है गौशाला में सीसीटीवी. कैमरे व इंटरनेट कनेक्शन लगाया गया है,जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कैमरे इस एंगल से लगाये जाये जिसमे गौशाला के प्रवेश द्वार व गौवंश को दिये जाने बाला चारा दिखाई दे जिससे यह पता चल सके कि उन्हें खाने

» जिलाधिकारी ने गौशाला का किया निरीक्षण

में क्या दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि गौशाला से सम्बद्ध दो हेक्टेयर भूमि पर हरा चारा बोया जाये व अगली सीजन में गेहूँ भी बोया जाये गेहूँ कटाई का सीजन शुरू हो गया है, भूसा का पर्याप्त भण्डारण कर लिया जाये, जिलाधिकारी द्वारा गौशाला में वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिये गये।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्प फाउंडेशन अग्नि पीड़ित परिवार की मदद को आगे आये

विश्ववार्ता संवाददाता

सुमेरपुर उन्नाव। विकास खण्ड की सराय मनिहार ग्राम पंचायत मे अनन्तू प्रसाद कोरी के यहां आग लग जाने से घर मे रखा सामान जलकर राख हो गया है। घर मे बेटी की शादी 5 मई को होनी है। शादी की तैयारी भी चल रही थी तभी अचानक घर मे लगी आग से सब कुछ जलकर राख हो गया था। जैसे ही सूचना पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह को हुई तो उन्होंने अपनी अनुपस्थित मे अपने बड़े भाई मानवेन्द्र सिंह व पुष्प फाउंडेशन की वरिष्ठ टीम को राशन सामग्री के साथ अग्नि पीड़ित परिवार की सहायता के लिए भेजा मौके पर पहुंचे पुष्प फाउंडेशन की टीम के द्वारा आर्थिक मदद व राशन सामग्री आदि देकर संकटग्रस्त बेसहारा परिवार को सहारा दिया। पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा की गयी मदद से आग की

विभीषिका से तबाह हो चुके परिवार को उबरने मे परिवार को काफी मदद मिलेगी व पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने बेटी की शादी मे भी मदद का भरोसा दिया। अग्नि पीड़ित परिवार मे अनन्तू की पत्नी शांति देवी ने सहायता राशि मिलने पर खुशी जाहिर की व धन्यवाद दिया। इस मौके पर मुख्य से मानवेन्द्र सिंह, प्रभात सिंह, बच्चा सिंह, शिवम यादव, मैनेजर सिंह, फुन्नी प्रसाद त्रिपाठी, श्याम लाल कोरी, सचिन यादव, प्रखर सिंह, रामजी यादव, पंकज सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध कच्ची शराब समेत दो महिला गिरफ्तार

मौरावां उन्नाव। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार अवैध मदिरा की बिक्री व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी व

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी रवि शंकर के कुशल नेतृत्व में पी पी टंडन आबकारी निरीक्षक सफीपुर व निशांत सिंह आबकारी निरीक्षक पुरवा मय हमराह व थाना मौरावां पुलिस स्टाफ के साथ ग्राम छोटी खेड़ा, छीटूखेड़ा थाना मौरावां में एक बारगी दबिश देते हुए कुल 46 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए 02 अभियोग पंजीकृत किए गए व लगभग 400 किग्रा लहन महुआ मौके पर नष्ट किया गया वही मौके से सुमन पत्नी नन्हू व शीतला पत्नी स्वर्गीय बिन्दा को गिरफ्तार किया।

पूर्व सांसद व सपा की राष्ट्रीय सचिव ने अग्नि पीड़ितों के पोंछे आंसू

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। सदर तहसील की गंगा कटरी में स्थित गांव मझरा में लगी भीषण आग से लगभग एक दर्जन परिवार बुरी तरह से प्रभावित हो गए थे। आग का ये आलम था कि प्रभावित परिवारों की पूरी गृहस्थी राख हो गई और लोग किसी तरह अपनी जिंदगी बचा के घर से बाहर निकल पाएं। उक्त हृदय विदारक घटना की सूचना जब स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सपा राष्ट्रीय सचिव अन्नू टंडन जी को दी गई तो उन्होंने तत्काल मदद के लिए हाथ बढ़ाते हुए पीड़ित परिवारों के पास पहुंचकर हालचाल लेते हुए प्रभावित परिवारों को नई जिंदगी शुरू करने में सहायता देते हुए जरूरत का सामान अनाज, कपड़े, तिरपाल, बर्तन आदि वस्तुएं वितरित की। पूर्व सांसद अन्नू टंडन जी ने पीड़ितों को सांत्वना देते हुए कहा कि निश्चित ही परिवार पर संकट की घड़ी है लेकिन हम हर स्तर पर परिवार की

मदद के लिए खड़े है। उन्होंने प्रशासन से भी पीड़ितों के जल चुके घरों के लिए कालोनी देने के लिए उच्चाधिकारियों से वार्तालाप करने का आश्वासन दिया। पीड़ितों में राम प्रकाश कुरील, राजाराम कुरील, गोविंद कुरील, सोहन गौतम, राजकुमार गौतम, श्रवण कुरील, सतीश गौतम, शिवपाल गौतम, कमलेश कुरील आदि ने इस मुश्किल घड़ी में अन्नू टंडन जी द्वारा खुद गांव आकर मदद करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्नू टंडन जी की तुरंत सहायता ने जिंदगी शुरू करने में मदद कर दी।

ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, पेंटर की मौत

उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के डोकरई गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। कार पेंटर प्रभाकर (35) की ट्रैक्टर से टक्कर में मौत हो गई। वह बहन के घर शादी समारोह में जा रहे थे। बता दे कि घटना गुरुवार रात की है। प्रभाकर बाइक से मुस्तकीम गंज में अपनी बहन के घर जा रहे थे। रास्ते में एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाने का प्रयास किया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। प्रभाकर अपनी मेहनत से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके पीछे पत्नी बबली देवी और दो नाबालिग बच्चे हैं। परिवार का मुख्य सहारा खो जाने से पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चों का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया है।

किसान के हाते में लगी आग भूसा व बोरिया जलकर राख

उन्नाव। गंगा घाट कोतवाली क्षेत्र के पीपर खेड़ा गांव में एक किसान के हाते में आग लग गई। पीपर खेड़ा डेरा वाला निवासी रामस्वरूप यादव के घर के पीछे बने हाते में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई। आग की लपटें देखते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने पानी और मिट्टी की मदद से आग पर काबू पा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग बहुत तेज थी। कुछ ही मिनटों में पूरा हाता आग की चपेट में आ गया। हाते में रखा भूसा और बोरियां जल गईं। ग्रामीणों का कहना है कि बड़ी मात्रा में अनाज और पशु चारा जल गया है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। माना जा रहा है कि किसी सिगरेट या चिंगारी से आग लगी होगी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

प्रेक्षागृह कश्मीर की वादी जहां आतंकी गोली गूंजती थी वहां आज रोजगार की बोली गूंज रही है

एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रबुद्ध समागम

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव। भाजपा जैसा कहती वैसा करती है देश भक्त के सत्ता में आने से 70 मिनट के डिस्कशन में वन टू थ्री धारा 370 फ्री कश्मीर पर्यटकों से भर गया कश्मीर की वादी जहां आतंकी गोली गूंजती थी वहां आज रोजगार की बोली गूंज रही है। यह बात पूर्व उप मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद माननीय दिनेश शर्मा ने निराला प्रेक्षागृह में आयोजित प्रबुद्ध समागम में कही।

शर्मा ने परिवारवाद पर हमला बोलते हुए कहा यह हो पाया क्योंकि अब परिवारवादी पार्टी नहीं हैं पहले जवाहरलाल फिर इंदिरा गांधी राजीव सोनिया प्रियंका राहुल गांधी डीएमके में करुणानिधि का बेटा उसका बेटा यादव परिवार में मुलायम शिवपाल रामगोपाल अखिलेश प्रतीक इनके यहां कोई बच्चा पैदा होता है तो लोग कहते थे विधायक पैदा हो गया सांसद पैदा हो गया। सब अपने परिवार की चिंता करते हैं मोदी जी और योगी का परिवार देश और प्रदेश की जनता है। कोविड काल में योगी जी ने पिता की बीमारी और मृत्यु के समाचार पर जनता के कार्यों को सर्वोपरि रख किया उनकी सुरक्षा स्वास्थ्य की चिंता की। उन्होंने आगे कहा लोकसभा चुनाव में लोग जब घर से निकाले गए तब 63 करोड़ लोग ने मतदान किया और बिना बुलाए 66 करोड़ 50 लाख लोगों ने जातिभेद मिटा एक दूसरे का हाथ पकड़ कुंभ में स्नान किया।बीजेपी स्वग्रही है सबको लेकर

चलने वाली है हमने मिसाइल मैन अब्दुल कलाम जी को राष्ट्रपति बनाया हमने अनुसूचित वर्ग से कानपुर के रहने वाले रामनाथ कोविंद जी को राष्ट्रपति बनाया एक दलित आदिवासी शिक्षिका को राष्ट्रपति बनाया जिनके गांव में बिजली नहीं थी।

कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा राणा सांगा पूरे जीवन मुगलों से लड़ अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले वीर हैं कुछ लोगों ने साजिशन रामजी लाल सुमन गद्दार बुलवा विद्रोह पैदा करवाना चाहते हैं। बाबर उन्नाव में गलियों में टहलने वाले जानवर की पूंछ का बाल है। अब्दुल हमीद हमारे लिए पूज्य हो सकते हैं बाबर जैसे आक्रांता नहीं। उन्होंने कहा मोदी जी और योगी जी मानव नहीं महामानव हैं कभी कभी सरदार वल्लभ भाई पटेल आजाद भगत सिंह पैदा होते हैं कभी कभी अटल जी मोदी जी और योगी बाबा पैदा होते हैं। यह देश बदल चुका है पहले हाथ वाला पंखा ही सहारा था क्यूंकि कांग्रेस बिजली पानी नहीं दे सकती थी उन्नाव आने पर सड़क में गड्ढा या गड्ढे में सड़क होती है। अब कानपुर के से लखनऊ एक्सप्रेसवे से 30 मिनट में लखनऊ जाने पर विचार हो रहा है पहले बिजली आने की खबर बनती थी अब जाने की बनती है।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग समय पर चुनाव होने से शासन पर भारी राजस्व भार पड़ता है और बार-बार लगने वाली आचार संहिता के कारण विकास कार्य बाधित होते हैं। "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना आवश्यक है," एक साथ चुनाव होने से संसाधनों की बचत होगी और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक सशक्त बनेगी।

नगर पालिका उन्नाव में जनता के धन का दुरूपयोग क्यों?

विश्ववार्ता संवाददाता

उन्नाव । कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छता के नाम पर भारी भरकम बजट खर्च कर धन का बंदरबांट किया गया। उन्होंने कहा कि शहर की गलियों में नाले नालिया पूरी तरह ध्वस्त है गलियों में लाइट खंभे नदारत और नगर पालिका अध्यक्ष इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका में लगभग 700 सफाईकर्मी है फिर भी जगह जगह कूड़े के ढेर आपको रोजाना सड़को व गलियों में देखने को मिल जाएगा। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि मेरे द्वारा विकलांगों की समस्याओं को लेकर पूर्व में एक आंदोलन किया और ज्ञापन सौंपा था। परन्तु न तो नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा उसपर कोई संज्ञान लिया गया

और न ही कोई कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा अब तक स्वच्छता के नाम पर कितना धन किसने डकारा यह उन्नाव की जनता जानना चाहती है। उन्नाव बुद्धजीवियों की धरती है। अधिशाषी अधिकारी को धन के बन्दर बांट की जवाबदेही तय करनी होगी और उन्नाव शहर में कल हुए रोड शो की परमिशन किसने दी इस पर जवाब दे प्रशासन। आज की बैठक में बंसीलाल, रामलाल, सुरेंद्र कुमार, शाश्वत बाजपेई, विजय, रामू कश्यप, सुनीता, आदि लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

तूफान और झमाझम बारिश से तबाही, बुजुर्ग महिला की मौत

अमेठी। गुरुवार शाम आए तेज तूफान और झमाझम बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। जहां एक ओर किसान फसलों के नुकसान से बेहाल हैं, वहीं दूसरी ओर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी बुरी तरह चरमरा गई है। इस प्राकृतिक आपदा ने लोगों की जान भी ले ली। पीपरपुर कोतवाली क्षेत्र के अमयेमाफी ग्राम पंचायत अंतर्गत बरतला गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां 74 वर्षीय फूलमती, पत्नी रामपियारे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय वे अपने घर के पास थीं, जब अचानक तूफान के कारण कोई हादसा हुआ, जिससे उनकी जान चली गई।स्थानीय प्रशासन द्वारा घटना की पुष्टि की गई है और राहत कार्य जारी हैं। गांव में मातम का माहौल है और लोग प्रशासन से शीघ्र मुआवजा तथा राहत की मांग कर रहे हैं।

डीएम ने लालगंज के निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का किया निरीक्षण

लालगंज, रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने निर्माणाधीन लालगंज उपरगामी सेतु के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के समय भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पीडी सहित अधिकारियों को अवगत कराया है कि सेतु के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, कुछ कार्य अवशेष हैं जिन्हें त्वरित गति से पूर्ण किया जा रहा है, मई के अंत तक कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे आगामी जून माह में सेतु सुगम यातायात हेतु जनमानस के लिए खोल दिया जाए और जनसामान्य का यातायात सुगम हो सके।

अमेठी में दो ट्रकों की जोरदार टक्कर, केबिन में फंसा चालक

अमेठी। जिले के टांडा-बांदा राजमार्ग पर शुक्रवार रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ममता स्टील फैक्ट्री के पास दो ट्रक आमने-सामने से टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और उसका चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। वहीं, दूसरे ट्रक का चालक मामूली रूप से घायल हुआ है।हादसा रात लगभग 10 बजे हुआ। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सबसे पहले परतोष चौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और फंसे चालक को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन गाड़ी का ढांचा इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त था कि सामान्य प्रयास असफल रहे।इसके बाद मुंशीगंज पुलिस को बुलाया गया। फिलहाल मुंशीगंज पुलिस टीम और राहत दल करीब एक घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। चालक को बाहर निकालने के लिए गैस कटर एक्सपर्ट को बुलाया गया है, जो ट्रक की केबिन को काटकर चालक को सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रहे हैं। हादसे की वजह से हाईवे पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक प्रभावित हुआ, हालांकि पुलिस ने यातायात को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। दुर्घटना के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन प्रथम दृष्टया ओवरस्पीडिंग या ड्राइवर को झपकी आना संभावित कारण माने जा रहे हैं। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी है और प्रशासन की कोशिश है कि घायल चालक को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकाला जा सके।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर, कार सवार बाल-बाल बचे

हरचंदपुर, रायबरेली। थाना क्षेत्र के दतौली गांव के पास तेज रफ्तार पिकअप ने हाईवे किनारे खड़ी बलेनो कार में जोरदार टक्कर मार दी। गुरुवार की रात करीब 11 बजे की है। दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, लेकिन गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने पिकअप को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसपी ने किया दो पुलिस उपाधीक्षकों के तबादले

रायबरेली। पुलिस अधीक्षक डा यशवीर सिंह के-निर्देश पर दो पुलिस उपाधीक्षकों को तात्कालिक प्रभाव से स्थानांतरित किया गया है। निम्नलिखित तबादले किए गए हैं। प्रदीप कुमार को क्षेत्राधिकारी सलोन से क्षेत्राधिकारी महराजगंज के पद पर स्थानांतरित किया गया है, जहां वे थाना महराजगंज, बछरावां, शिवगढ़ और हरचंदपुर के कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे। यादवेन्द्र बहादुर पाल को क्षेत्राधिकारी महराजगंज से क्षेत्राधिकारी सलोन के पद पर स्थानांतरित किया गया है, जहां वे थाना सलोन, नसीराबाद और डीह के कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे। यह तबादला आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और दोनों अधिकारी अपने नए पदों पर कार्यभार संभालेंगे।

रायबरेली में आयोजित होगा एक राष्ट्र एक चुनाव प्रबुद्ध समागम, प्रभारी मंत्री आज

रायबरेली। एक राष्ट्र एक चुनाव , प्रबुद्ध समागम आज शनिवार को समय सायं 4 बजे राजर्षि रामपाल सिंह वैदिक इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश सचान, प्रभारी मंत्री और कैबिनेट मंत्री खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग होंगे। कार्यक्रम के संयोजक बुद्धीलाल पासी, जिलाध्यक्ष भाजपा रायबरेली और दिलीप द्विवेदी क्षेत्र सह-संयोजक हैं। यह जानकारी पूर्व प्रधानाचार्य शिवनारायण सोनी ने दी है।

भाजपाइयों ने अमेठी में राहुल गांधी का पुतला फूंका

ईडी की चार्जशीट के बाद किया प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल हुई चार्जशीट के बाद अमेठी का सियासी माहौल गरमा गया है। इस कार्रवाई के विरोध में अमेठी में जहां कांग्रेस कार्यकर्ता पहले ही सड़कों पर उतर चुके हैं, वहीं अब भाजपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने गौरीगंज के जामो तिराहे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला फूंका।प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विषुव मिश्रा ने किया, जिनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता विरोध स्थल पर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी 'घोटाले का हिसाब दो' जैसे नारे लगाते हुए पोस्टर और बैनर लिए राहुल गांधी के खिलाफ आक्रोश व्यक्त कर रहे थे।प्रदर्शन के दौरान मौके पर तैनात पुलिस बल और कार्यकर्ताओं के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

पुलिस ने पुतला दहन रोकने का प्रयास किया, जिसके चलते धक्का-मुक्की और हाथापाई जैसी स्थिति

बन गई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पुलिस सुरक्षा घेरा तोड़कर पुतला जलाने में सफल रहे। इस घटना के बाद कुछ देर के लिए वहां अफरा-तफरी का माहौल भी रहा।प्रदर्शन में भाजपा युवा मोर्चा के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं में अतुल सिंह, अंशू तिवारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।भाजपा का कहना है कि गांधी परिवार भ्रष्टाचार के मामलों में जवाबदेही से भाग नहीं सकता और ईडी की कार्रवाई पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है। वहीं कांग्रेस लगातार इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध बताकर खारिज करती आई है।गौरतलब है कि इससे पहले कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी अमेठी समेत कई जिलों में ईडी की कार्रवाई के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया था। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि केंद्र सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।अमेठी में हुए इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि नेशनल हेराल्ड प्रकरण को लेकर सियासी संग्राम और तेज़ होता जा रहा है। आने वाले दिनों में यह मामला और गरमा सकता है।

निमंत्रण से घर वापस लौट रहे सड़क हादसे में अधेड़ की मौत

सलोन, रायबरेली। गुरुवार/ शुक्रवार की बीती रात एक सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के तरकोलवा मोड़ के पास निमंत्रण से घर लौट रहे बाइक सवार वृद्ध रतिपाल लोधी (62) अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में गिर गए। इस दुर्घटना में घायल वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक उनका भतीजा अमृत लाल बाल-बाल बच गया। मृतक रतिपाल लोधी नवा बाग पारी थाना जगतपुर के निवासी थे और अपने भतीजे के साथ बाइक से ब्रम्हचारी का पुरवा रोखा थाना डीह मामा की बेटी के यहां निमंत्रण करने गए थे। देर रात घर लौटते समय सई नदी पुल तरकोलवा मोड़ के समीप सड़क पर एक बड़े गड्ढे में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे वृद्ध की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची सूंची चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी शिव शंकर सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत हुई है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

भाजपा सदर विधायक अदिति सिंह ने जल निगम को दिया अल्टीमेटम

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। भाजपा सदर विधायक अदिति सिंह ने आईटीआई बालापुर रोड की दयनीय स्थिति को लेकर जल निगम के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग का निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन तरीके से किया गया, जिसके कारण कुछ ही महीनों में यह मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। विधायक अदिति सिंह ने कहा कि इस मार्ग की दुर्दशा के चलते आमजन, स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग और रोजाना सफर करने वाले लोग भारी कठिनाई और दुर्घटनाओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन की कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं और कहा कि कई बार शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। विधायक ने पत्र में चेतावनी दी है कि यदि आगामी 15 दिनों के भीतर इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो पूर्व में किए गए कार्यों की टीएसी द्वारा जांच कराई जाएगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

- अगर 15 दिनों में नहीं हुआ सड़क निर्माण तो टीएसी से कराऊंगी जांच : अदिति सिंह

टेट-सीटेट पास शिक्षामित्रों ने की विशेष बैठक

- अधिकारों की लड़ाई के लिए किया प्रदर्शन का ऐलान : पुष्पेंद्र बहादुर सिंह, जिलाध्यक्ष
- ब्लॉकों के ब्लॉक अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्यों एवं अन्य टेट
- सीटेट पास शिक्षामित्र साथियों ने संगठन की मजबूती की चर्चा

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में टेट,सीटेट पास शिक्षामित्रों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पुष्पेंद्र बहादुर सिंह, जिलाध्यक्ष शिक्षक,शिक्षामित्र उत्थान समिति रायबरेली ने की।

बैठक में आए हुए सभी ब्लॉकों के ब्लॉक अध्यक्ष और कार्यकारिणी के सदस्यों एवं अन्य टेट/सीटेट पास शिक्षामित्र साथियों ने संगठन की मजबूती और अपने अधिकारों की लड़ाई हेतु संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की। बैठक में टेट पास शिक्षामित्रों का समायोजन, महिला शिक्षामित्रों को उनके ससुराल के निकट स्थानांतरण और मानदेय वृद्धि जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई और यह निर्णय लिया गया कि 27 अप्रैल 2025 को जिले में टेट/सीटेट पास शिक्षामित्रों द्वारा बैनर, तख्ती, पोस्टर, स्लोगन, कैंडिल मार्च और शांति पूर्ण प्रदर्शन प्रस्तावित किया गया है। इसके अलावा, 27 मई 2025 को लखनऊ में शांति पूर्ण प्रदर्शन प्रस्तावित है।

बैठक में सर्व सम्मति से प्रदेश कार्यकारिणी का सहयोग करने का निर्णय लिया गया और पोस्टर अभियान का शुभारंभ पोस्टर चिपकाकर किया गया। बैठक में पुष्पेंद्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष, पंकज प्रताप सिंह, जिलाउपाध्यक्ष, संजीव कुमार गुप्ता, जिलाकोषाध्यक्ष, अजय कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष छतोह, जयकरन, ब्लॉक उपाध्यक्ष छतोह, मो. राहिल, राजकुमार सिंह, लोकेश प्रताप सिंह, ब्लॉक संरक्षक, धर्मेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष ऊंचाहार, जीतलाल यादव, ब्लॉक अध्यक्ष सलोन एवं अन्य शिक्षामित्र साथी उपस्थित रहे।

आवारा पशुओं का अड्डा बना बंद पड़ी स्टील फैक्ट्री

विश्ववार्ता संवाददाता

अमेठी। क्षेत्र की एक बड़ी समस्या अब विकराल रूप लेने लगी है। साल 1998 से बंद पड़ी मालविका स्टील फैक्ट्री अब आवारा पशुओं का स्थायी ठिकाना बन चुकी है। फैक्ट्री परिसर में बाउंड्री वॉल कई स्थानों से टूटी हुई है—कहीं दो मीटर तो कहीं दो सौ मीटर तक दीवार नदारद है। इस खुली सीमा के कारण आवारा पशु आसानी से परिसर से निकलकर आसपास के खेतों में पहुंच जाते हैं और फसलों को बर्बाद कर देते हैं।स्थानीय किसान लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं। फैक्ट्री का एक तिहाई हिस्सा अब घने जंगल में तब्दील हो गया है, जहां झाड़ियां, पेड़ और उग आए वनस्पति पशुओं और जंगली जानवरों के लिए मुफीद आश्रय स्थल बन गए हैं। यहां शरण लेने वाले पशु रात होते ही झुंड में निकलते हैं और किसानों की खून-पसीने से सींची फसलों को चट कर जाते हैं। गांव के किसान अहमद हुसैन ने बताया कि उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन को इस संबंध में कई बार शिकायत की है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया, हमने मौखिक और लिखित दोनों रूपों में गुहार लगाई, मगर हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। कमाल वारिस, अयूब, बद्री प्रसाद लोधी और श्रीराम पासी जैसे कई किसानों ने मांग की है कि फैक्ट्री की बाउंड्री वॉल की तत्काल मरम्मत कराई जाए ताकि पशुओं का रास्ता रोका जा सके। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री प्रबंधन इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं देता है, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

- टूटी बाउंड्री वॉल से निकल कर किसानों की फसलें कर रहे बर्बाद

प्रशासन और प्रबंधन पर सवाल: स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि फैक्ट्री के अधिकारियों से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन वे हर बार टाल-मटोल करते रहे। प्रशासन भी इस मुद्दे पर अब तक चुप्पी साधे बैठा है। नतीजतन, क्षेत्र के किसान हर साल हजारों रुपये की फसल गंवा रहे हैं। खेती पर निर्भर यह क्षेत्र पहले ही आवारा पशुओं की समस्या से जूझ रहा है। अब स्टील फैक्ट्री की उपेक्षा ने स्थिति और भी गंभीर कर दी है। ग्रामीणों को डर है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो भविष्य में संकट और गहरा सकता है।

ट्रैक्टर से कुचलकर नौ माह के मासूम की मौत

रायबरेली। फुरसतगंज क्षेत्र के ब्रहमनी गांव में एक दर्दनाक घटना में नौ माह के मासूम रुद्रांश की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गई। खेलते-खेलते बच्चा सड़क पर चला गया था, जहां ईंटें लादकर आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन बचाते-बचाते ट्रैक्टर का पहिया बच्चे पर चढ़ गया।

बच्चे को गंभीर हालत में रायबरेली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 16 मिनट बाद उसकी मौत हो गई। बच्चे के ताऊ सुनील कुमार ने बताया कि बच्चा खेलते-खेलते सड़क पर आ गया था और अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली के चपेट में आकर घायल हो गया। बच्चे की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया है।

नेशनल हेराल्ड केस कोर्ट में लड़ेंगे और जीतेंगे : सांसद केएल शर्मा

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। सांसद केएल शर्मा कांग्रेस के तिलक भवन में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने पंचायत चुनाव को लेकर दिशा-निर्देश दिए और कहा कि बूथ स्तर पर वोटर लिस्ट को ठीक कराना शुरू कर देना चाहिए। पार्टी पूरी ताकत से पंचायत चुनाव लड़ेगी।

नेशनल हेराल्ड केस पर बोले सांसद: नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की तरफ से सांसद सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में चार्ज शीट दाखिल किए जाने के मामले में अमेठी सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस केस का सामना करेगी और कोर्ट में लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा, ₹हमको पता है कि केस में कोई दम नहीं है। हमको कोर्ट से न्याय मिलेगा। वह जितना प्रताड़ना करना चाहें, करें, कांग्रेस पार्टी डरेगी नहीं। सांसद ने कहा कि ईडी ने 365 दिन में चार्ज शीट दाखिल करनी थी, लेकिन नौ अप्रैल को दाखिल की और अब इसका प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मामले में पूरी तरह से तैयार है और कोर्ट में अपना पक्ष मजबूती से रखेगी।

पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटेगी कांग्रेस

अमेठी सांसद ने कहा कि 29 अप्रैल को होने वाली दिशा की बैठक में सांसद राहुल गांधी को आमंत्रित किया गया है। इससे पहले राहुल गांधी चुनाव जीतने के बाद रायबरेली में 5 नवंबर को दिशा की बैठक में पहली बार शामिल हुए थे।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय मधुकरपुर का किया औचक निरीक्षण

विश्ववार्ता संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने विकासखंड डलमऊ के प्राथमिक विद्यालय मधुकरपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनुपस्थित पाये जाने पर उन्होंने बीएसए को एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिये तथा दिव्यांग शौचालय में गन्दगी मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की, इसके पश्चात एमडीएम में बने भोजन को जिलाधिकारी द्वारा चखकर गुणवत्ता देखी गई, गुणवत्ता अच्छी पायी गयी।

जिलाधिकारी ने विद्यालय में कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों से हिंदी व गणित के प्रश्न पूछे और किताबों को बच्चों से पढ़वाया गया। बच्चों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय के शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि समय से विद्यालय में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुवे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

मोनू सिंह दसवीं बार बने करणी सेना के जिलाध्यक्ष

- संगठन को मजबूत करने के लिए तेजतर्रार युवाओं को दी गई जिम्मेदारी
- पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह को जिला संरक्षक का दिया गया पदभार

करणी सेना के जिलाध्यक्ष मोनू सिंह भदौरिया।

विश्ववार्ता संवाददाता

हरचंदपुर, रायबरेली। करणी सेना भारत की जिला इकाई कनाई सिरे से गठन किया गया ,मोनू सिंह भदौरिया को लगातार दसवीं बार संगठन के मुख्य प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया।सरेनी के पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह को संगठन का जिला संरक्षक बनाया गया साथ ही जिले के तेज तर्रार युवाओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी दी गई।

आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकोष्ठ संगठन का कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होता है सनातन धर्म और हिंदुत्व की रक्षा करना हमारा दायित्व है । देश हित सर्वोपरि है इसकी रक्षा के लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। पुनर्गठित जिला संगठन में सतेंद्र सिंह उर्फ मोनू सिंह भदौरिया को लगातार दसवीं बार मुख्य संगठन का जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह को उपाध्यक्ष,राज सिंह को महामंत्री बनाया गया।

कार्यकर्ताओं को जिले में विधान सभा स्तर पर पदाधिकारी बनाए गए जिसमें दीपक सिंह को हरचंदपुर,निर्भय सिंह को ऊंचाहार,राहुल सिंह को सलोन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा नीरज बाजपेई को सनातन प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया।

हिंदुत्व और सनातन धर्म के का विरोध करने वालों देंगे मुंहतोड़ जवाब: मोनू सिंह

दसवीं बार जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद मोनू सिंह भदौरिया ने कहा कि सनातन धर्म और हिंदुत्व का विरोध करने वालों के खिलाफ संघर्ष किया जाएगा किसी को भी हमारी संस्तुति और महापुरुषों के बारे में अपशब्द कहने का कोई अधिकार नहीं है ।हमारे ग्रंथों ,पुराने और पूजनीय देवी देवताओं का अपमान किसी दशा में सहन नहीं किया जाएगा,ऐसे लोगों को धूल चटाने का कंकड़ने केलिए संगठन के कार्यकर्ता हमेशा तत्पर हैं।

महाराणा प्रताप जयंती पर होगा भव्य कार्यक्रम

करणी सेना की ओर से आगामी 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी ,इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है जिसमें हजारों को तादात में लोग शोभा यात्रा में शामिल होंगे।

राजीव गांधी पेट्रोलियम संस्थान के छात्र की छत से गिरकर हुई मौत

विश्ववार्ता संवाददाता

जायस, अमेठी। राजीव गांधी पेट्रोलियम संस्थान में छात्रावास की छठवीं मंजिल से गिरकर एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई।कालेज प्रसाशन द्वारा छात्र को जिला अस्पताल रायबरेली पहुँचाया गया जहाँ डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल इस मामले में कॉलेज प्रसाशन द्वारा चुप्पी साध लिया गया है।बताया जा रहा है छात्र को अस्पताल पहुँचाने के बाद कालेज प्रसाशन वहां से फरार हो गया।

जायस स्थित राजीव गांधी इंस्टीट्यूट आफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में बिहार के पटना के रहने वाला अभिनव आंनद बी टेक थर्ड ईयर का छात्र था जो छात्रावास में ही रहकर पढ़ाई करता था। शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे अभिनव संदिग्ध परिस्थितियों में छात्रावास की छठवीं मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।आनन फानन में छात्र को जिल अस्पताल रायबरेली पहुँचाया गया जहाँ उसे डॉक्टरो ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है हादसे में छात्र के दोनों हाथ और दोनों पैर बुरी तरह से टूट गए थे। जानकारी के मुताबिक पटना के रहने वाले अभिनव आनंद के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है माँ सरकारी विद्यालय में टीचर है।

कालेज प्रसाशन अस्पताल से हुआ फरार,छिपाई छात्र की पहचान : बताया जा रहा है कि छात्र को अस्पताल पहचाने के बाद कालेज प्रसाशन मौके से फरार हो गया।कालेज प्रसाशन द्वारा जिला अस्पताल से भी छात्र की पहचान छिपाई गई और उसका नाम अभिनव आनंद के साथ पता हरियाणा लिखाया गया।कालेज प्रसाशन द्वारा अस्पताल को बताया गया कि छात्र खिड़की से गिरकर घायल हुआ था। घटना को लेकर सीओ अजय सिंह ने कहा कि मृतक छात्र बीटेक तृतीय वर्ष का छात्र था जिसका नाम अभिनव आनन्द है।छत से गिरकर घायल हुआ था जिसे इलाज के लिए रायबरेली जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसकी मौत हो गई। फील्ड यूनिट और हम लोगों के द्वारा मौके पर जांच की गई है। सीसीटीवी कैमरे को भी देखा जा रहा है। जांच के बाद विधिक कार्यवाही की जायेगी।

- अस्पताल से भाग खड़ा हुआ कॉलेज प्रशासन, पटना का रहने वाला है अभिनव

विश्व विरासत दिवस आधुनिक रेल डिब्बा कोच कारखाना रेलवे की अनमोल विरासतों का कर रहा संरक्षण, आरेडिका में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अपनी अनमोल विरासतों को पहचानें, करें संरक्षण : प्रशांत मिश्रा

- रेलवे की भूली बिसरी यादों को मार्डन कोच फैक्ट्री ने संजोया बना आकर्षण का केंद्र

विश्ववार्ता संवाददाता

लालगंज रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में विश्व विरासत दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेन्ट्रल पार्क के पास बने रेलकोच हेरीटेज पार्क में महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन और चीफ प्लांट इंजीनियर आनन्द प्रकाश सोनी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को

अपनी अनमोल विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। आरेडिका प्रशासन द्वारा इस हेरीटेज पार्क में रेलवे के कोचों और इंजनों को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है, जो रेलवे की अनमोल विरासतों का संरक्षण कर रहा है। आरेडिका प्रशासन ने इस समय हेरीटेज पार्क पर रेलवे के कोचों एवं इंजनों को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है, जो रेलवे की अनमोल विरासतों का संरक्षण कर रहा है साथ ही साथ लोगों को रेलवे की भूली बिसरी यादों से संजोकर लोगों के आकर्षण का केंद्र बना है।

यूनेस्को के सहयोग से लोगों को अपनी विरासतों के संरक्षण के प्रति किया जागरूक : भारत अपनी विविध संस्कृतियों, ऐतिहासिक भवनों, मंदिरों, त्योहारों, और स्थानीय कलाओं के लिए जाना जाता है। विश्व विरासत दिवस के अवसर पर यूनेस्को के सहयोग से लोगों को अपनी विरासतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता है। आरेडिका के जनसंपर्क अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को अपनी विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कॉलोनी के बच्चों ने हेरिटेज प्रदर्शनी का आनंद उठाया और अपनी विरासत से परिचित हुए। कॉलोनी के बच्चों ने हेरिटेज प्रदर्शनी का भरपूर आनंद उठाया तथा लगाए गए पोस्टर प्रदर्शनी से अपनी विरासत से परिचित हुए। इस अवसर पर आदित्य प्रकाश, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता एवं सांस्कृतिक संगठन के सदस्यों विश्वेश्वर प्रसाद, विवेकानंद, दीपक, अरविंद ओझा, धर्मेंद्र, गिरीश, भारतेंदु, प्रियंका, श्रेया, द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को अमूल्य विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा आरेडिका के उच्च अधिकारीगण, कर्मचारी प्रतिनिधिगण, कर्मचारी एवं उनके परिवार के लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

सीएसके के गेंदबाज चोटिल गुरजपनीत बाहर

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह चोट के कारण आईपीएल 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। सीएसके ने शुक्रवार को बताया कि चोटिल गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में जगह दी हैं। ब्रेविस ने 81 टी-20 मैचों में 145 की स्ट्राइक रेट से दो हजार रन बनाए और 18 विकेट लिये हैं। वह मेजर लीग क्रिकेट, एसए-20 और आईपीएल में भी खेल चुके है।

श्याम लाल और आईजीआई कॉलेज की विजयी शुरुआत

नयी दिल्ली। बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज ने पुरुष वर्ग और आईजीआई कॉलेज ने महिला वर्ग में जीत के साथ शुरुआत की। श्याम लाल कॉलेज ने चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में हंसराज कॉलेज को 4-0 से हराया। श्याम लाल कॉलेज की ओर से अतुल चौधरी, प्रियांशु रावत, प्रत्यूष सिंह जग्गी और आकाश ने एक- एक गोल किए। प्रत्यूष सिंह जग्गी को प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार मिला। वहीं महिला वर्ग में के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से हराया। विजेता टीम की ओर से एकमात्र गोल आंचल ने किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि, ध्यानचंद अवॉर्डी हॉकी ओलंपियन अशोक दीवान और प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, प्रिंसिपल एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने किया।

ल्योन को हराकर मैनचेस्टर यूनाइटेड और यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ल्योन को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गये रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ल्योन को 5-4 से हराया। मैनचेस्टर ने 4-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ल्योन पर यह जीत दर्ज की। मैच के शुरु में रुबेन एमोरिम की टीम ल्योन के खिलाफ 2-0 से आगे चल रही थी। इसके बाद ल्योन ने दो गोल दाग कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। ल्योन ने अतिरिक्त समय में दो गोल करके स्कोर 4-2 कर बढ़त बना ली। महज सात मिनट के अंतर में यूनाइटेड ने तीन गोलकर यह रोमांचक मुकाबला जीता। ब्रूनो फर्नांडीस की पेनल्टी के बाद , कोबी मैनू ने गोलकर स्कोर 4-4 कर दिया और इसके कुछ देर बाद ही यूनाइटेड के हैरी मैग्वायर मैच विजय गोल दागा।

अथिया-केएल राहुल ने रिवील किया बेटी का नाम

अथिया शेट्टी और टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने शुक्रवार को बेटी का नाम अनाउंस किया है। कपल ने बेटी का नाम- इवारा रखा है। कपल ने इंस्टाग्राम पर बेटी के साथ फोटो शेयर कर नाम अनाउंस किया। अथिया शेट्टी ने अपने पति और क्रिकेटर केएल राहुल के बर्थडे के मौके पर बेटी का नाम अनाउंस किया है। अथिया ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हमारी बेबी गर्ल, हमारी सबकुछ है। इवारा- गिफ्ट ऑफ गॉड। अथिया ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर बेटी के नाम का मतलब भी बताया है। कपल की बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल है। इवारा का मतलब- गिफ्ट ऑफ गॉड, विपुला- अथिया की नानी के सम्मान में और राहुल- इवारा के पापा। इंडस्ट्री के कई सेलेब्स और क्रिकेटर्स पोस्ट पर रिएक्ट कर रहे हैं। अथिया के पिता और एक्टर सुनील शेट्टी, अनुष्का शर्मा, मलाइका अरोड़ा, अर्जुन कपूर ने कपल के इस पोस्ट पर रिएक्ट किया है।

ग्लेन मैक्सवेल पर बुरी तरह बरसे चेतेश्वर पुजारा

एजेंसी

मुंबई। टीम इंडिया के स्टार टेस्ट प्लेयर चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल 2025 में खराब प्रदर्शन कर रहे ऑस्ट्रेलियाई विस्टफोटक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल को जमकर लताड़ लगाई है। मैक्सवेल के लिए यह आईपीएल सीजन भी बुरे सपने की तरह गुजर रहा है, पिछले साल आरसीबी और इस साल पंजाब के लिए खेलते हुए पिछले 16 आईपीएल मुकाबलों में वह 100 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं। पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए छह मैचों में सिर्फ 32 रन और पंजाब किंग्स के लिए चार मैचों में 21 और रन जोड़े हैं।

मैक्सवेल के इस निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए पुजारा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो टी20 टाइम आउट पर कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी करते हैं, उसमें बहुत बदलाव नहीं आया

है। उन्होंने आईपीएल को लेकर भी अपना नजरिया नहीं बदला है। कई बार ऐसा हुआ है कि वह थोड़े लापरवाह हो गए हैं। वह आज भी वैसे ही हैं जैसे आठ-दस साल पहले थे। मैं थोड़ा आलोचनात्मक हूं, लेकिन कई बार ऐसा होता है जब एक खिलाड़ी के तौर पर आपको जागने की जरूरत होती है। पुजारा ने साथ ही कहा कि अब समय आ गया है कि मैक्सवेल अपनी कमर कस लें और अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर दें, क्योंकि वह दिन दूर नहीं जब पंजाब किंग्स का मैनेजमेंट का धैर्य जवाब दे जाएगा। पुजारा ने कहा, आपको यह समझने की जरूरत है कि आपको खेलने और एक ऐसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने का मौका मिल रहा है, जहां चीजें दांव पर लगी हैं। और कई बार खिलाड़ी लापरवाह हो जाता है, उसे इस बात की चिंता नहीं होती कि क्या हो रहा है। मुझे यकीन है कि वह अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है, लेकिन जब आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे होते हैं, तो आपको बस अपने आप को बेहतर बनाने और अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करनी होती है। उसे वह संतुलन बनाना होगा, अगर कोई और खिलाड़ी होता तो वह XI से बाहर हो जाता, लेकिन मैक्सवेल होने के कारण उसे वह मौका मिल रहा है।

हमें फाइनल में पहुंचने के लिए घर से बाहर भी अच्छा खेलना होगा : हार्दिक

एजेंसी

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि हमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलु मैदान के अलावा बाहर भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स हैदराबाद पर मिली जीत के बाद हार्दिक ने कहा, "यह एक मुश्किल विकेट था। इस पर 160 का स्कोर थोड़ा कम था। यहां गेंदें रूक कर आ रही थीं। हमने अच्छी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी के दौरान अच्छा प्रयास किया। हमें विकेटों की आवश्यकता थी। ईशान, हर्षल और मैं अंतिम ओवरों के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। हमें एक या दो अच्छे ओवर चाहिए थे। इसलिए हमने राहुल चहर को अवसर दिया था। हमें फाइनल में जाने के लिए घर से बाहर अच्छा खेलना पड़ेगा। लेकिन हम अब तक ऐसा नहीं कर पाए हैं।"

उन्होंने कहा, "हम पूरी समझदारी के साथ सटीक गेंदबाजी कर रहे थे। कुछ गेंदों पर शॉट खेलना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसका श्रेय काफी हद तक गेंदबाजो जाता है कि हमने उन्हें कुछ अच्छे शॉट्स खेलने लिए मजबूर किया। हम लगातार उन्हें दबाव में रखने का प्रयास कर रहे थे। दीपक ने जो पहले कुछ ओवर किए, उन में से कुछ गेंदें रूक कर भी आईं। इसके बाद हमने धीमी गेंदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया। इसके अलावा हमने यॉर्कर को बहुत ही चालाकी के साथ इस्तेमाल किया।"

अल्कराज बार्सिलोना ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बार्सिलोना। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने सर्बिया के लासलो जिरे को हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को 71 मिनट तक चले मुकाबले में अल्कराज ने लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया। अल्कराज ने मैच की शुरुआत से शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए पहला सेट 6-2 से जीता। इस सेट में अल्कराज ने आठ विनर लगाए।

नारायण मूर्ति के पोते को 3 .3 करोड़ डिविडेंड मिला

पोते एकाग्र के पास इंफोसिस के 15 लाख शेयर

एजेंसी

मुंबई। इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति के पोते एकाग्र को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में इंफोसिस के शेयर्स पर 3.3 करोड़ का डिविडेंड मिला है। इस वित्त वर्ष में एकाग्र को कुल 10.65 करोड़ रुपए का डिविडेंड मिल चुका है। इससे पहले उन्हें 7.35 करोड़ रुपए डिविडेंड मिला था।

एकाग्र भारत के सबसे कम उम्र के करोड़पतियों में से एक हैं। उनकी उम्र महज 17 महीने है। एकाग्र को उनके दादा नारायण मूर्ति ने पिछले साल अपनी ही कंपनी इंफोसिस के 15 लाख शेयर्स गिफ्ट किए थे, जिनकी मौजूदा वैल्यू करीब 214 करोड़ है। इंफोसिस ने कल यानी 17 अप्रैल को वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने इस तिमाही के लिए शेयरहोल्डर्स को 22 रुपए प्रति शेयर

डिविडेंड देने का ऐलान किया है।

एकाग्र को पिछले साल 18 अप्रैल को 4.2 करोड़ रुपए का डिविडेंड मिला था। इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने इस तिमाही के लिए शेयरहोल्डर्स को 28 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया था।

तिमाही नतीजों से पहले इंफोसिस का शेयर आज गुरुवार (17 अप्रैल) को 1.03% की तेजी के बाद 1,427.70 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 11.29% गिरा है। जबकि 6 महीने में ये 27.46% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 24.16% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 5.88 लाख करोड़ रुपए है। 16 जनवरी से 17 अप्रैल के बीच कंपनी की मार्केट वैल्यू करीब 2.16 लाख करोड़ रुपए कम हुई है।

ऑल टाइम हाई पर सोना : आगे और बढ़ सकते हैं दाम

एजेंसी

मुंबई। गोल्ड 85,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का लेवल पार करके 85,207 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। IBJA के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 19,045 रुपए बढ़ चुके हैं। 31 दिसंबर को सोना 76,162 रुपए पर था, जो अब 85,207 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है।

एक्सपर्ट के अनुसार इस साल के आखिर तक सोना 1.10 लाख रुपए तक जा सकता है। अगर आप भी सोने में निवेश करने का मन बना रहे हैं तो गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड यानी गोल्ड ETFs में निवेश एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इसने बीते 1 साल में 29% तक का रिटर्न दिया है। ऐसे में यहां हम आपको गोल्ड ETF के बारे में बता रहे हैं...

» गोल्ड ETF के जरिए करें निवेश; एक साल में दिया 29% तक का रिटर्न

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। एक गोल्ड ETF यूनिट का मतलब है कि 1 ग्राम सोना। वह भी पूरी तरह से प्योर। गोल्ड ETFs की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना नहीं मिलता। आप जब इससे निकलना चाहें तब आपको उस समय के सोने के भाव के बराबर पैसा मिल जाएगा।

टॉप-10 कंपनियों की वैल्यू 3 .84 लाख करोड़ बढ़ी

HDFC बैंक टॉप गेनर, इसका मार्केट कैप 76,484 करोड़ बढ़कर 14 .59 करोड़

एजेंसी

मुंबई। मार्केट कैप के हिसाब से देश की टॉप-10 कंपनियों की मार्केट वैल्यू इस हफ्ते के कारोबार के बाद 3.84 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। इस दौरान HDFC बैंक टॉप गेनर रही है। बैंक का मार्केट कैप 76,484 करोड़ बढ़कर 14.59 लाख करोड़ पहुंच गया है।

टेलीकॉम कंपनी एयरटेल की मार्केट वैल्यू भी 75,211 करोड़ रुपए बढ़कर 10.77 लाख करोड़ हो गया है। इसके अलावा, देश की सबसे वैल्युएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की वैल्यू 74,766 करोड़, ICICI बैंक की 67,597 करोड़ और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की वैल्यू 38,420 करोड़ बढ़ी है। स हफ्ते के कारोबार में शेयर बाजार 3396 अंक (4.51%) चढ़ा है। कल यानी गुरुवार, 17 अप्रैल को सेंसेक्स बाजार में गिरावट बाद बड़ी तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स

» इस हफ्ते शेयर बाजार में केवल तीन दिन कारोबार हुआ

1509 अंक (1.96%) चढ़कर 78,553 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 414 अंक (1.77%) की तेजी रही, ये 23,852 के स्तर पर बंद हुआ।

इस हफ्ते शेयर बाजार में केवल तीन दिन कारोबार हुआ। पहले कारोबारी दिन (सोमवार, 14 अप्रैल) अंबेडकर जयंती और आखिरी दिन (शुक्रवार, 18 अप्रैल) गुड फ्राइडे के चलते बाजार बंद रहा।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?-मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है।

पूनम ढिल्लो डॉक्टर का सपना छोड़ बनीं मिस इंडिया

सलमान खान पर था क्रश

महज 16 साल की उम्र में मिस इंडिया का खिताब जीतने वाली और फिर बॉलीवुड में सबको अपने हुस्न का दीवाना बनाने वाली अभिनेत्री पूनम ढिल्लों आज अपना 63वां जन्मदिन मना रही हैं। 18 अप्रैल 1962 में उत्तर प्रदेश के कानपुर में पूनम का जन्म हुआ। हिंदी सिनेमा के लीजेंडरी फिल्ममेकर यश चोपड़ा ने पूनम को अपनी फिल्म 'त्रिशूल' में काम करने का ऑफर दिया। एक्ट्रेस ने पहले यश चोपड़ा के ऑफर को रिजेक्ट कर दिया था। बाद में वो एक शर्त के साथ फिम में काम करने के लिए तैयार हो गईं। एक्ट्रेस ने डायरेक्टर के सामने शर्त रखी कि वो शूटिंग केवल स्कूल की छुट्टियों में ही करेंगी। फिल्म 'त्रिशूल' में पूनम को अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार के साथ काम करने का मौका मिला। इस फिल्म के बाद पूनम ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूनम अपनी प्रोफेशनल लाइफ में तो सक्सेसफुल रही हीं, पर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरीं। उनके जन्मदिन के मौके पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ बातें पूनम ने अपने करियर में फिल्म इंडस्ट्री के बड़े अभिनेताओं संग कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। कई लोगों के साथ उनके नाम भी जुड़े। बताया जाता है कि पूनम अपने करियर के शुरुआत में यश चोपड़ा के घर में ही रहा करती थीं। दोनों के ज्यादा समय साथ गुजारने को लोगों ने उनका रिश्ता समझ लिया और ये खबर तेजी से पूरे देश में फैल गई। बाद में एक्ट्रेस ने खुद इन बातों को महज अफवाह बताया था। बहरहाल, वह फिल्म यश चोपड़ा की 'त्रिशूल' ही थी यश चोपड़ा ने शशि कपूर से कहा था कि इस सीन को एक बार में परफेक्शन से करें। परफेक्शन की चाह में शशि ने पूनम को असली और जोरदार थप्पड़ मार दिया। पूनम को जैसे ही शशि का भारी-भरकम हाथ पड़ा तो वो दंग रह गईं और उनके एक्सप्रेशन कैमरे में कैद हो गए। शॉट खत्म होते ही शशि ने उनसे माफी मांगी और मामला समझाया था।

:पति को सबक सिखाने के लिए एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर, शादी से उठा भरोसा तो नहीं की दूसरी शादी

ड्रीम गर्ल 2ये फिल्म सीक्वल नहीं बल्कि एक फ्रेंचाइजी थी

इसलिए नुसरत की जगह अनन्या को लिया

ड्रीम गर्ल 2 के डायरेक्टर राज शांडिल्य ने एक इंटरव्यू में फिल्म की कास्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म को सीक्वल नहीं, बल्कि फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी के तौर पर बनाया गया था। अगर यह सीक्वल होती, तो मैं नुसरत को ही कास्ट करता। दरअसल, हाल ही में नुसरत ने ड्रीम गर्ल 2 का हिस्सा नहीं होने पर निराशा जाहिर की थी। डायरेक्टर राज शांडिल्य ने कहा, ड्रीम गर्ल 2 को एक सीधा सीक्वल नहीं, बल्कि फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी के रूप में बनाया गया था। अगर यह एक सीक्वल होती, तो मैं नुसरत को ही कास्ट करता। लेकिन यह एक फ्रेंचाइजी फिल्म थी, इसलिए मैंने नई लीड एक्ट्रेस को कास्ट किया था। राज शांडिल्य ने आगे बताया कि ड्रीम गर्ल की कहानी आयुष्मान और नुसरत के किरदारों के साथ पूरी हो गई थी। दूसरी कड़ी एक नई कहानी को दर्शाने के लिए बनाई गई थी, जिसमें नई फीमेल लीड की जरूरत थी। हालांकि फिल्म में अन्नू कपूर, मंजोत सिंह और विजय राज जैसे कुछ अहम किरदारों को बरकरार रखा गया। राज ने यह भी कहा कि पहले ही नुसरत से इस फैसले को लेकर बात की थी और उन्हें वही वजह समझाई थी। ऐसे में उन्हें निराश होने की कोई वजह नहीं बनती। राज शांडिल्य की मानें तो अगर ड्रीम गर्ल की तीसरी कड़ी बनाई जाती है, तो उसमें भी किसी नई अभिनेत्री को कास्ट किया जाएगा और अनन्या पांडे भी उस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। राज ने नुसरत को अपना अच्छा दोस्त भी बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस समय एक नई फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं और उसमें भूमिका के लिए नुसरत से संपर्क भी कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि वे जल्द ही नुसरत के साथ फिर से काम करेंगे।

'शाहरुख खान से ज्यादा बिजी हूं': अनुराग

अनुराग ने लिखा- 'मैंने शहर बदला है, फिल्ममेकिंग नहीं छोड़ी। जो लोग सोच रहे हैं कि मैं फ्रस्ट्रेट होकर गायब हो गया हूं, वो जान लें कि मैं यहां हूं और इतना बिजी हूं कि शाहरुख खान से ज्यादा काम कर रहा हूं (करना पड़ता है, क्योंकि मैं उनकी तरह पैसे नहीं कमाता)। मेरे पास 2028 तक डेट्स नहीं हैं।कश्यप ने आगे लिखा- 'मेरी पांच डायरेक्टोरियल फिल्में इस साल आने वाली हैं। शायद तीन अभी और दो अगले साल की शुरुआत में। मेरा IMDB सबसे लंबा है और मैं इतना वर्कलोड झेल रहा हूं कि रोज तीन ऑफर्स को ना कहना पड़ता है। पोस्ट के आखिर में उन्होंने ट्रोल्स को जवाब भी दिया, जिसकी भाषा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई

है। रअसल, हाल ही में अनुराग ने कुछ इंटरव्यूज में बॉलीवुड को लेकर खुलकर नाराजगी जताई थी। द हिन्दू से बातचीत में उन्होंने कहा था, 'यह इंडस्ट्री अब बहुत जहरीली हो चुकी है। हर कोई बस 500 या 800 करोड़ के क्लब के पीछे भाग रहा है। क्रिएटिविटी गायब हो चुकी है। यहां लोग आपको ऊपर उठाने की बजाय नीचे खींचते हैं।' एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'यहां फिल्म बनाना मजेदार नहीं रहा। सब कुछ बेचने की रणनीति से शुरू होता है। मैं मुंबई छोड़कर साउथ जाना चाहता हूं, जहां कुछ नया सीखने को मिले। नहीं तो मैं अंदर से मर जाऊंगा।'डायरेक्शन के अलावा अनुराग बतौर एक्टर भी एक्टिव हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पहली हिंदी-तेलुगू बाइलींगुअल फिल्म 'डाकॉइट' का अपडेट शेयर किया है, जिसमें वो एक्टिंग कर रहे हैं। बतौर डायरेक्टर उनकी पिछली फिल्म 'केनेडी' थी, जिसने इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में अच्छी तारीफ बटोरी थी।

37 साल बाद फिर साथ आए मणिरत्नम-कमल हासन

पहला गाना जिंगुचा लॉन्च, कमल बोले- अब साथ आना जरूरी था

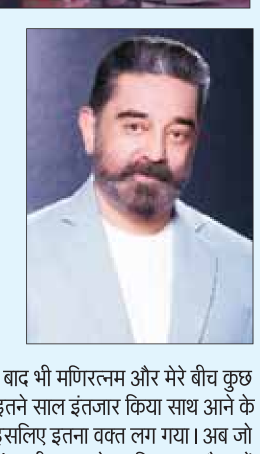

साउथ इंडस्ट्री के दो दिग्गज - मणिरत्नम और कमल हासन, 37 साल बाद एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। साल 1987 में आई कल्ट क्लासिक 'नायकन' के बाद दोनों की जोड़ी अब फिल्म 'ठग लाइफ' में नजर आएगी, जो 5 जून को रिलीज होने जा रही है। आज (18 अप्रैल) को चेन्नई में फिल्म का पहला गाना 'जिंगुचा' लॉन्च किया गया।

वेंट के दौरान कमल हासन ने मणिरत्नम के साथ दोबारा काम करने को लेकर दिल खोलकर बात की। उन्होंने कहा, 'इतने सालों बाद भी मणिरत्नम और मेरे बीच कुछ भी नहीं बदला। ये हमारी गलती है कि हमने इतने साल इंतजार किया साथ आने के लिए। हम अच्छी स्क्रिप्ट्स की तलाश में थे, इसलिए इतना वक्त लग गया। अब जो हम दोबारा साथ आए हैं, वो आप सभी ऑडियंस की वजह से मुमकिन हुआ है। हमें पहले ही साथ आ जाना चाहिए था। इसके लिए मैं माफी चाहता हूं।' कमल हासन ने 'ठग लाइफ' की कहानी मणिरत्नम के साथ मिलकर लिखी है। इवेंट में उन्होंने कहा कि मणिरत्नम के साथ काम करते हुए उन्हें बार-बार अपने गुरु और मशहूर डायरेक्टर के. बालाचंदर की याद आती रही। 'जब मैं मणिरत्नम के साथ काम करता हूं, तो मुझे बालाचंदर की याद आती है। मणि को अच्छी तरह पता है कि ये कितनी बड़ी तारीफ है। हमारे बीच एक-दूसरे के लिए गहरा सम्मान है।' इतना ही नहीं, कमल ने मणिरत्नम का एक दिलचस्प निकनेम भी शेयर किया- 'अंजु आरा मणिरत्नम' यानी सुबह साढ़े पांच बजे वाले मणिरत्नम। हर दिन शूटिंग से पहले वो सबसे पहले सेट पर पहुंच जाते थे, इसलिए मैंने उन्हें ये नाम दिया,' कमल हासन ने मुस्कुराते हुए कहा। बता दें, 'ठग लाइफ' में कमल हासन के साथ त्रिशा, सिलंबरसन, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन, नासर और अभिरामी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है, कैमरा संभाला है रवि के चंद्रन ने और एडिटिंग की है ए श्रीकर प्रसाद ने। फिल्म को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जाइंट मूवीज मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

एक नजर

नरेश माहेश्वरी सुसाइड केस में हुई सुनवाई

सुलतानपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र में नरेश माहेश्वरी की आत्महत्या से जुड़े मामले में आरोपियों की अग्रिम जमानत पर सेशन जज लक्ष्मीकांत शुक्ला ने सुनवाई की। वकील रुद्र प्रताप सिंह मदन ने बताया कि आरोपी गगन दीप सिंह और सरन दीप देसाई को कोर्ट ने अग्रिम जमानत दी है जबकि श्रीकृष्ण सोनी की याचिका निरस्त कर दी गई है। बीते चार मार्च को नरेश माहेश्वरी का शव शहर के लोको कॉलोनी के निकट रेलवे ट्रैक पर मिला था। उसकी पत्नी चंचल महेश्वरी ने मुरारीदास की गली, शाहगंज निवासी श्रीकृष्ण सोनी उर्फ बब्लू, गगन दीप सिंह और सरन दीप देसाई के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। तहरीर के मुताबिक आरोपियों द्वारा दिए गए रूपये की वापसी के लिए लगातार दबाव बनाया जाने के कारण मानसिक रूप से परेशान होकर नरेश माहेश्वरी ने आत्महत्या कर ली थी।

अमेठी की पूर्व नपा अध्यक्ष समेत पांच पर गिरफ्तारी वारंट

सुलतानपुर। धोखाधड़ी कर मकान दूसरे के नाम दर्ज कराने के मामले में एसीजेएम मुक्ता त्यागी ने अमेठी के जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा नेता राजेश अग्रहरि की पत्नी और अमेठी की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी समेत पांच आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। अधिवक्ता अनिल दुबे के मुताबिक अमेठी निवासी घनश्याम सोनी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष हैं। घनश्याम ने अमेठी के जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि की पत्नी व पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी और मोहल्ले के ही लल्लू प्रसाद सोनी, लालजी सोनी, पुजारी लाल सोनी व संगम लाल सोनी के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि नगर पंचायत अध्यक्ष रहने के दौरान चंद्रमा देवी ने धोखाधड़ी कर घनश्याम सोनी का मकान आरोपियों लल्लू प्रसाद सोनी, लालजी सोनी, पुजारी लाल सोनी व संगम लाल सोनी के नाम दर्ज करा दिया था। मुकदमे में हाजिर नहीं होने पर एसीजेएम मुक्ता त्यागी ने पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमा देवी समेत पांच आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश अमेठी कोतवाल को दिया है। अगली सुनवाई दो मई को नियत की गई है।

दुराचारी गया जेल

कादीपुर-सुलतानपुर। लगभग डेढ़ माह से फरार चल रहे दुराचार के मामले के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। शुक्रवार को पुलिस ने कस्बे के चिनीमिल तिराहे के पास से अयोध्या जनपद के पटरंगा थाने के मखदुमपुर गांव के पप्पू उर्फ हरिकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कस्बे के पटेल नगर मोहल्ले में मूर्ति की दुकान चलाता है। उसके ऊपर डेढ़ माह पूर्व अपनी साली के साथ दुराचार करने के मामले में नामजद केस दर्ज था। कोतवाली के निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

लाखों की नगदी व आभूषण चोरी

कादीपुर-सुलतानपुर। चोरों ने घर के दरवाजे पर लगे ताले को तोड़कर लाखां की नगदी एवं आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। कोतवाली क्षेत्र के मुस्तफाबाद सरैया बाजार में मनोज कुमार अग्रहरी की हार्डवेयर की दुकान है। दुकान से कुछ दूर पर बाजार में ही उनका आवास है। बृहस्पतिवार की शाम उनके आवास पर लगे ताले को तोड़कर चोर घर के अंदर घुसे और कमरें में रखें दो लाख रुपए नगद एवम कीमती सोने चांदी के आभूषण चुरा ले गए। जब वह दुकान से अपने घर पहुंचे तो घर का नजारा देख दंग रह गए। शुक्रवार को पीड़ति की दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

दुकान नहीं तो धनराशि वापस करें नगर पालिका

सुलतानपुर। ट्रांसपोर्ट नगर में नौ साल पहले दुकान देने के लिए पैसा लेने वाली नगरपालिका को अब 3,68,000 रूपये ब्याज सहित वापस करने होंगे। स्थाई लोक अदालत ने मुकदमे का खर्च व मानसिक कष्ट के लिए 20 हजार रूपये अतिरिक्त अदा करने का आदेश दिया है। नगरपालिका ने 2016 में पयागीपुर के पास ट्रांसपोर्ट नगर बनाने व उसमें दुकान आवंटित करने का विज्ञापन दिया था। शहर के राम मूर्ति मिश्र ने एक लाख रूपये जमा कर 28 सितंबर 2016 को नीलामी में लगाकर एक दुकान लेने का प्रस्ताव किया। शर्तो के अधीन धनराशि जमा भी कर दिया। लेकिन नगरपालिका की न तो दुकानें बन पाई नहीं किसी को आवंटित हुईं। राम मूर्ति ने स्थाई लोक अदालत में परिवाद दायर किया। नगर पालिका ने कहा कि पूरा रुपया नहीं जमा किया गया जिस कारण जमा राशि जब्त कर ली गई। स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष राधेश्याम यादव और सदस्यों ने नगर पालिका को जमा राशि 3,68,800 रूपये पर 8 प्रतिशत ब्याज व कष्ट तथा खर्च के रूप में बीस हजार रूपये एक माह में जमा करने का आदेश दिया है अन्यथा नियमानुसार इसकी वसूली की जाएगी।

युवक से मारपीट पर मुकदमा दर्ज

कादीपुर-सुलतानपुर। ससुराल आए युवक को गांव के चार लोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आजमगढ़ जनपद के भीमलपुर गांव के रणजीत अपनी ससुराल कोतवाली क्षेत्र के मखदुमपुर कला गांव में राम प्रवेश के घर आए थे। आरोप है कि बृहस्पतिवार को जब वह बाइक से जा रहे थे तभी विपक्षियों ने उन्हें रोककर लाठी-डंडे एवं कट्टे के बट से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ति की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मखदुमपुर कला गांव के छोटे, गोरे ,सोनू एवम रमेश के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर लिया है।

नेशनल हेराल्ड मामले में भाजयुमो का प्रदर्शन, फूंका पुतला

मोर्चा अध्यक्ष बोले, नेशनल हेराल्ड को कांग्रेस ने बना लिया अपना एटीएम

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। नेशनल हेराल्ड मामले के आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी का आज भारतीय जनता युवा मोर्चा व पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सामने पुतला फूंका। इसके पहले चन्दन नारायन सिंह के नेतृत्व व भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की मौजूदगी में युवा मोर्चा व अन्य कार्यकर्ताओं ने तिकोनिया पार्क से बस स्टेशन होते हुए कलेक्ट्रेट गेट तक हाथों में प्लेकार्ड लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर राहुल गांधी,सोनिया गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्दन नारायन सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा भ्रष्टाचार में डूबी हुई पार्टी रही है।उसके बड़े नेता अब बेनकाब हो रहे हैं। कहा नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल व सोनिया गांधी नम्बर एक एवं नम्बर दो पर आरोपी हैं। स्वतंत्र एजेंसी ईडी ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। कांग्रेस नेताओं के भ्रष्टाचार के विरोध में आज हम लोगों ने प्रदर्शन कर उनका पुतला फूंका है। यह भी कहा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने लगभग 2 हजार करोड़ की संपत्ति का घोटाला किया है। कांग्रेस के आला नेताओं ने देश के लोगों समेत अपने कार्यकर्ताओं को धोखा दिया है, झूठ बोल कर सबकों गुमराह कर रहे हैं।

सड़क पर प्रदर्शन करते भाजयुमो के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

नेशनल हेराल्ड केस 2012-13 में तब शुरू हुआ जब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी। इस मामले से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के नीति पर काम करती है। चंदन नारायण सिंह ने आगे कहा नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक इस घोटाले में शामिल हैं। उन्होने नेशनल हेराल्ड मामले में हुए भ्रष्टाचार की बिंदुवार परते खोलते हुए दावा किया कि यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं बल्कि सरासर लूट का मामला है। कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड को अपना एटीएम बना लिया है। गांधी परिवार मॉडर्न डाकू है। कांग्रेस इस मुद्दे पर चोर मचाएं शोर की स्थिति में है। गरीबों को लूटने वालों को जेल जाना ही पड़ेगा।

प्रदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी,सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष डा. सीताशरण त्रिपाठी,पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, शिवाकांत मिश्रा, आनन्द द्विवेदी, सचिन पाण्डे, सुधांशु सिंह, ऋषभ वर्मा,गौरव मौर्या, प्रशांत कसौधन,आकाश शर्मा, धर्मेन्द्र वर्मा, अंकुर तिवारी, नगर अध्यक्ष प्रशांत कसौधन, दीपक सिंह, मोहित तिवारी,शानू सिंह, नितिन मिश्रा, आशीष सिंह रानू, सुनील वर्मा समेत युवा मोर्चा के सभी मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

सीजेएम ने दिये डॉक्टर पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश

- चिकित्सक पर मरीज को हत्या की धमकी देने का भी है आरोप

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक मनीष कुमार पर सीजेएम नवनीत सिंह ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश कोतवाली नगर प्रभारी को दिया है। चिकित्सक पर पद का दुरुपयोग करने, गलत दवा लिखकर बाहर से जांच कराने तथा मरीज से अभद्रता कर हत्या की धमकी देने के आरोप हैं।

कोतवाली नगर के सिविल लाइन निवासी श्रीराम सिंह ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सुलतानपुर में कार्यरत जनरल सर्जन और असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. मनीष कुमार पर मुकदमा दर्ज कराने की याचिका दाखिल की थी। आरोप है कि बीते साल 12 जून को पैर में लगी चोट का इलाज कराने के लिए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में पंजीयन कराया था। जिस पर डॉ. मनीष कुमार ने अल्ट्रासाउण्ड बाहर से कराने की सलाह दी। आरोप है कि डॉ मनीष ने पर्ची पर अपने सहायक से बोलकर दवा लिखवायी और बाहर से दवा लेने की भी बात कही। मेडिकल स्टोर के मालिक ने बताया कि उल्लिखित दवा पेशाब की बीमारी में दी जाती है चोटों के लिए नहीं। जब इस सम्बन्ध में डॉ. मनीष कुमार से बताया तो वे गुस्से में तम-तमा उठे और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। घटना की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. गोयल प्राचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव व पुलिस अधीक्षक से की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने याचिका मंजूर कर चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया है।

मासूम की हत्या के आरोपी की रिहाई का आदेश

सुलतानपुर। गोसाईंगंज थाना की कटका बाजार के निकट चार माह पूर्व पांच साल के मासूम की हत्या के आरोपी राजमिस्त्री प्रदीप कुमार को सेशन जज लक्ष्मीकांत शुक्ला ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। आरोपी के वकील अरविंद सिंह राजा ने कहा कि प्रदीप कुमार विरूद्ध कस्टोडियन डेथ का कोई भार नहीं है और आरोपी की निशानदेही पर शव और कथित कुल्हाड़ी बरामद नहीं हुई थी। कोर्ट ने साक्ष्य और तर्कों के आधार पर आरोपी की अर्जी मंजूर की है। वादी पूर्णमासी का पांच साल का नाती अखिल बीते 18 दिसंबर को घर के बाहर खेलते समय लापता हो गया था। दूसरे दिन उसका शव एवं हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी की बरामदगी संजय के खण्डहर मकान से हुई थी। पुलिस ने जांच में थाना क्षेत्र के सोनवातारा निवासी राजमिस्त्री प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

गौरैया संरक्षण को लेकर गोष्ठी में फैलाई जागरूकता

विश्ववार्ता संवाददाता

बल्दीराय-सुलतानपुर। पर्यावरण संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कटका क्लब द्वारा राममिलन सालिक ज्ञानोदय इंटर कॉलेज, बल्दीराय में गौरैया संरक्षण विषय पर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जागरूकता गोष्ठी में शामिल स्कूली बच्चे।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष सौरभ मिश्र ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गौरैया को बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार या पर्यावरणविदों की नहीं है,बल्कि यह हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा,पहले ही हम गौरैया संरक्षण में काफी देर कर चुके हैं, अब इसे एक मिशन के रूप में अपनाने की आवश्यकता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाज कुछ समय के लिए तो गौरैया संरक्षण की बात करता है, लेकिन फिर इसे भूल जाता है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य कर्मराज शर्मा 'तुकांत' ने कटका क्लब के प्रयासों की सराहना की और सभी छात्र-छात्राओं से अनुरोध किया कि वे अपने घरों में पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था अवश्य करें। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। गोष्ठी में रामराज शर्मा, मथुरा प्रसाद यादव, संतोष प्रजापति, जानकी, शिवम, राजेश, ममता यादव, रुचि पांडेय, ज्योति यादव और प्राची अग्रहरि सहित कई गणमान्य लोग एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सुखदेव मुनि आश्रम का होगा सुंदरीकरण

विश्ववार्ता संवाददाता

बल्दीराय-सुलतानपुर। जनपद में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए शासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। बल्दीराय तहसील के सुखबडेरी ग्राम पंचायत में स्थित सुखदेव मुनि आश्रम का अब सुंदरीकरण किया जाएगा। वर्षों पुराना यह मंदिर जर्जर अवस्था में था,लेकिन अब इसके कायाकल्प की तैयारी शुरू हो गई है।

यह आश्रम क्षेत्र के कई गांवों के लोगों की गहरी आस्था का केंद्र रहा है। आश्रम के सुंदरीकरण की खबर से क्षेत्रवासियों में उत्साह और खुशी की लहर है। विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह के प्रस्ताव पर शासन ने आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 74.94 लाख की धनराशि स्वीकृत की है। जिला योजना के तहत जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर मुहर लग चुकी है और शासन ने कार्यदायी संस्था का चयन कर उसे जिम्मेदारी भी सौंप दी है। कार्य जल्द ही शुरू किए जाने की संभावना है। इस कार्य में क्षेत्र के भाजपा नेता दीलीप सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने शासन से लेकर स्थानीय प्रशासन तक समन्वय स्थापित कर इस परियोजना को आगे बढ़ाया।गांव के राममूरत चौरसिया, दिनेश शुक्ला, सुधाकर शुक्ला, राजकरण शुक्ला, क्षितिज, रमाकांत, ओमप्रकाश समेत कई ग्रामीणों ने इस निर्णय पर प्रसन्नता जताई और कहा कि इससे न केवल धार्मिक आस्था को नया आयाम मिलेगा बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस संबंध में जिला सूचना अधिकारी एवं प्रभारी पर्यटन अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि शासन द्वारा कार्यदायी एजेंसी का चयन कर कार्य आवंटित कर दिया गया है, और एजेंसी की ओर से जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

पूर्व विधायक के मामले में सुनवाई टली

सुलतानपुर। कादीपुर के पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी और कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा समेत 14 आरोपियों पर विचाराधीन मुकदमे में शुक्रवार को वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण सुनवाई नही हो सकी।

कादीपुर क्षेत्र के संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के सामने 17 दिसम्बर 2002 को सड़क दुर्घटना में एक छात्रा की मौत के बाद आक्रोशित पूर्व विधायक रामचंद्र चौधरी, अभिषेक सिंह राणा और रामार्य पाठक समेत 14 पर कादीपुर कोतवाली में पहुंचकर बलवा, नारेबाजी, पथराव और डकैती का आरोप है। वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया कि अगली सुनवाई 26 अप्रैल को होगी।

मारपीट में दूसरें पक्ष का भी मुकदमा दर्ज, कुल दस लोग नामजद

- पहले छह नामजदों पर दर्ज हुआ मुकदमा, अब चार घायलां पर भी रपट

विश्ववार्ता संवाददाता

भदैंया-सुलतानपुर। देहात कोतवाली के सराय अचल गांव में बुधवार की सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दबंग लाठी-डंडा फावड़ा हंसिया लेकर घर में घुस गये तथा मां बेटी व बेटों पर हमला बोल दिया था। पुलिस ने पिता की तहरीर पर छह लोगों पर मुकदमा पंजीकृत किया था। गुरुवार को पुलिस ने दूसरे पक्ष की तहरीर पर चार घायलों पर भी मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाली देहात का सराय अचल गांव आपराधिक गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहता है। आपसी रंजिश में अभी तक गांव मे चार हत्याएं हो चुकी है। बुधवार को पुरानी रंजिश में सराय अचल निवासी हीरालाल जायसवाल तथा रमेश यादव के घर के बीज मारपीट हुई।

सुबह छह बजे हीरालाल तथा रमेश यादव के परिवार के लोग विवाद करने लगे। हीरालाल के घर में लाठी-डंडा कुल्हाड़ी और फावड़ा लेकर रमेश यादव के परिवार वाले घुस गये। आरोप है कि सात आठ लोगों ने हीरालाल की पत्नी सुशीला 58 बड़े बेटे रविशंकर जायसवाल, छोटे बेटे शिवशंकर और बेटी सुधा जायसवाल को जमकर मारा पीटा।

रविशंकर के सिर व चेहरे पर फावड़े से तथा सुशीला के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला होने से दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। हल्ला-गुहार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे तो हमलावर मौके से भागे। सूचना पर पहुंचे हीरालाल जायसवाल ने सभी परिजनों को एंबुलेंस से सीएचसी भदैंया में भर्ती कराया। जहां से सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जहां सुशीला और रविशंकर की हालत नाजुक बनी हुई है।

हीरालाल की तहरीर पर देहात पुलिस ने रमेश यादव के बेटे अजीत उर्फ सोनू, मिथुन यादव, रमेश की पुत्री जया यादव, पत्नी शांति यादव पिता मेहीलाल तथा माता पर जानलेवा हमला, सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। पीड़ति हीरालाल ने बताया कि पुलिस ने हीरालाल का नाम तहरीर में होने पर भी उनके नाम मुकदमा नहीं लिखा था। गुरुवार को दूसरे दिन पुलिस ने रमाश यादव के बेटे अजीत यादव की तहरीर पर घायल शिवशंकर जायसवाल, रविशंकर, सुशीला देवी तथा हीरालाल पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

सुजीत की तहरीर मे आरोप है कि इन लोगों की पिटाई से उनके भाई मिथुन माता शांति, दादा मेहीलाल दादी दिलराजी और बहन जया को चोट लगी है। सभी का इलाज जिला अस्पताल मे कराया गया है। देहात कोतवाल अखंडदेव मिश्र ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर नामजद मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच पडताल की जा रही है।

56 से अधिक ग्राम पंचायतों में गो-आश्रय स्थल नहीं

- खेतों में नुकसान कर रहे बेसहारा गोवंश
- ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से की गो-आश्रय स्थल बनाने की मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

भदैंया-सुलतानपुर। विकासखंड में आठ न्याय पंचायत और 71 ग्राम पंचयतें मौजूद है। जिसमें एक न्याय पंचायत में दो वृहद व अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल संचालित हो रहे है, लेकिन ब्लॉक की सात न्याय पंचायतें व 56 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जिनमें अभी भी गोआश्रय स्थल का निर्माण नहीं हो सका है। जिससे बेसहारा गोवंशीय पशुओं से किसान परेशान हैं। इन सातों न्याय पंचायत के ग्रामीणों ने न्याय पंचायत स्तर पर एक एक गो आश्रय स्थल बनाने की मांग डीएम से की है। जिससे आवारा पशुओं व उनसे होने वाले नुकसान से छुटकारा पाया जा सके।

भदैयां विकासखंड की कंधईपुर न्याय पंचायत के अंतर्गत सौंराई में व अमारी दो गोशालाएं मनरेगा से संचालित हैं तथा तीसरी गोशाला केनौरा न्याय पंचायत के बालमपुर गांव में निर्माणाधीन स्थिति में है। सौंराई तथा आमारी की दोनो गोशालाओं में करीब 600 गोवंशीय मवेशियों को संरक्षित किया गया है।

वहीं सात अन्य न्याय पंचायत की 56 ग्राम पंचायतों में कही भी कोई गो आश्रय स्थल नहीं बनाया गया है। जबकि सरकार ने दो साल पहले ही हर न्याय पंचायत में गोवशीय पशुओं को संरक्षित करने को एक गो-आश्रय स्थल बनाने का निर्देश दिया है। पूर्व बीडीओ भदैंया दिव्या सिंह ने इसके लिए हर न्याय पंचायत में जमीन का चिह्नांकन करवाया है लेकिन अभी तक गो आश्रय स्थल नही बन सका है। जिससे बेसहारा गोवंशीय पशुओं की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। जो किसानों के लिए बड़ी समस्या है। हर न्याय पंचायतों मे गोशाला बनाए जाने के लिए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से गोशाला बनवाने की मांग की है।

इन न्याय पंचायतों में नहीं है गो-आश्रय स्थल

भदैया के स्थानीय न्याय पंचायतों भपटा, बरुई,भदैयां, विकवाजितपुर, छतौना, मीरानपुर की 56 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को अपने अपने क्षेत्र में गोशालाओं के निर्माण व संचालन का इंतजार कर रहे है। भदैयां न्याय पंचायत ब्लॉक की सबसे बड़ी न्याय पंचायत है जहां अकेले भदैयां ग्राम की आवादी पांच हजार से अधिक है। अभी तक ब्लॉक में दो गोशालायें बनी है जो दक्षिणी छोर पर ही बनाई गई है। तीसरी केनौरा के बालमपुर में बन रही है वह भी उसी छोर की ओर है।

गोमती नदी किनारे नहीं बन सकी कोई गोशाला

गोमती नदी किनारे उत्तरी छोर की पचास से अधिक ग्राम पंचायतों में एक भी गोशाला नहीं बनाई गईं है। जबकि इन ग्राम पंचायतों में सैकड़ों बीघे भूमि चारा गाह है तथा गोमती नदी भी बहती है। जहां पर नदी किनारे अधिकांश बेसहारा गोवंशीय पशु रहते है। मनरेगा से बालमपुर ग्राम में गौशाला निर्माणाधीन है। अभी तक भदैंया, विकवाजितपुर, छतौना, भपटा न्याय पंचायत में गोशाला का प्रस्ताव भी नहीं हो सका है। इस सम्बंध में एडीओ पंचायत भदैंया सतीश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अभी इन पंचायतों में गोशाला के लिए कोई प्रस्ताव नहीं आया है। ग्राम सभाओं से प्रस्ताव आने पर कार्रवाई की जाएगी। जिसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है।

समाज को जोड़ने के साथ ही युवाओं को ऊर्जा देतें हैं खेल : यशभद्र सिंह

विजेता को ट्राफी देते मुख्य अतिथि।

- महाकाल 11 आदमपुर बना नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन

विश्ववार्ता संवाददाता

बल्दीराय-सुलतानपुर। क्षेत्र के नंदौली गांव के खेल मैदान पर बाबा नूर शहीद क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का गुरुवार को भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में महाकाल 11 आदमपुर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शाहरुख खान 11 सुल्तानपुर को 34 रन से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाइनल मैच में शाहरुख खान 11 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। महाकाल 11 आदमपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 9 विकेट खोकर 96 रन बनाए। जवाब में शाहरुख खान 11 की टीम निर्धारित ओवर में 7 विकेट पर केवल 63 रन ही बना सकी।इस प्रतियोगिता में जिले भर की 24 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिससे ग्रामीण युवाओं में खेल के प्रति उत्साह का माहौल बना रहा। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख यशभद्र सिंह 'मोनू' ने विजेता टीम को 31 हजार रूपए नकद और ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 21,000 नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर यशभद्र सिंह ने कहा,खेल हमारे समाज को जोड़ने और युवाओं को ऊर्जा देने का सशक्त माध्यम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजन प्रतिभाओं को उभारने का मंच देते हैं। इससे खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है और समाज में सकारात्मकता फैलती है। विशिष्ट अतिथि डा. शोएब मुस्तफा ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। प्रतियोगिता का सफल आयोजन बब्बू उर्फ ब्रटली के नेतृत्व में किया गया,जबकि अंपायर की भूमिका लल्लन और असगर ने निभाई।

भ्रष्टाचार गांवों मे लोगों को स्वच्छ व निर्मल पानी मिलने के लिए सत्रह साल पहले प्रदेश सरकार ने स्वजल धारा योजना की हुई थी शुरूआत

मुंह चिढ़ा रही दो दशक पूर्व बनी स्वजल धारा की टंकी

- लाखों खर्च कर आठ गांवों में शुरू हुई थी महत्वाकांक्षी योजना

विश्ववार्ता संवाददाता

भदैंया-सुलतानपुर। फाल्गुन महीना लगते ही मौसम में परिवर्तन होने लगा है और दिन में तेज हवाएं चलने लगी है। जिससे अब लोगों को पानी की जरुरत बढ़ने लगी है। गांवों मे लोगों को स्वच्छ व निर्मल पानी मिलने के लिए सत्रह साल पहले प्रदेश सरकार ने स्वजल धारा योजना की शुरूआत की थी। जिसमें भदैंया के आठ गांवों को इस योजना में सम्मिलित कर लोगों को टोंटी से पानी मिलने की योजना का शुभारंभ किया गया था,लेकिन यह पूरी योजना ही अधिकारियों की निष्क्रियता व जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से सफेद हाथी साबित हुई है। आज गांवों में बनी पानी की टंकियां धन की बर्बादी व गर्मी में लोगों को चिढ़ाने का काम कर रही हैं।

भदैंया विकास खंड के आठ गांवों में साल 2008 में बनी स्वजल धारा की टंकियां सरकारी धन के बरबादी की गवाही दे रही है। पानी की टंकियां से पानी की कौन कहे हवा भी निकलना मुनासिब नही है। यह योजना अधिकारियों व प्रधानों की घटिया कार्यशैली के लिए हमेशा याद की जाएगी। स्वजलधारा योजना के तहत गांव में पानी की टंकी बनवाकर पंप हाउस में जनरेटर से पाइप लाइन बिछाकर घरों के दरवाजों तक शहर की तरह पानी सप्लाई की व्यवस्था की गयी थी। इसमें दस प्रतिशत अंशदान लाभार्थी को जमा करना था। गांवों में बकायदा जल समितियों का गठन हुआ समिति के अध्यक्ष व सदस्य बनाकर खाता खोला गया था।

अधिकांश लोगों ने अंशदान भी जमा किया, लेकिन योजना के असली रूप लेने से पहले ही प्रधान बदले सत्ता बदली और ग्रामीणों के अरमानों के साथ सरकारी धन बर्बादी का एक और योजना कागज पर ही दौड़ रही है।

हमको नहीं है जानकारी : खंड विकास अधिकारी भदैंया पंकज कुमार गौतम बताते हैं कि जल जीवन मिशन योजना हर गांव में चल रही है। यह पहले की योजना है हमें इसकी जानकारी नहीं है।

जर्जर अवस्था में पंप हाउस।

इन गांवों में भ्रष्टाचार की गवाह है टंकियां

स्वजल धारा योजना के तहत रामपुर हनुमानगंज, बरूई, झौवारा, भपटा, जगदीशपुर, बभनगंवा, बेलाशंकरपुर, बेलासदा, बजेठी सहित आठ गांवों में यह योजना शुरू हुई। टंकी बनी पंपसेट लगे जनरेटर खरीदे गये पाइप लाइन बिछी, लेकिन पंचायत प्रतिनिधि व सत्ता बदलते ही सब बेकार हो गया और दिखावा बनकर रह गया है। मजे की बात यह है कि इन गांवों को संतृप्त मानकर जल जीवन मिशन योजना यहां प्रभावी नही है।

कहीं चोरी तो कहीं आग के हवाले हुए जनरेटर

सभी आठ गांवो में स्वजल धारा योजना के सरकारी धन को पंचायत प्रतिनिधियों ने किस तरह बरबाद किया इसकी निशानी भी मौजूद है। बेलासदा के जनरेटर का निजी उपयोग कर बर्बाद कर दिया गया जिसका कोई पता ही नहीं है। तो बेला शंकरपुर के जनरेटर से शादी ब्याह निपटाकर कबाड़ बनाया गया जो इस समय थाने पर पहुंचकर शोभा बढ़ा रहा है। बरूई के दो जनरेटर आग से जलकर कबाड़ के रूप में पूर्व प्रधान अरविन्द सिंह के घर की शोभा बढ़ा रहे है प्रधान कहते हैं कि आग लगने से जल गया हम क्या करें। भपटा बजेठी जगदीशपुर मे टंकियां निजी उपयोग तक ही सीमित होकर सरकारी योजनाओं की दुर्दशा बयां कर रही है अन्य गांवों का भी यही हाल है।

एक नजर

मोदी ने मस्क से की सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अमेरिकी उद्योगपति एवं अमेरिकी प्रशासन में प्रशासनिक सुधार एलन मस्क से टेलीफोन पर बात की और प्रौद्योगिकी एवं नवान्वेषण के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के बारे में चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा,"एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों के बारे में बात की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन में हमारी बैठक के दौरान हमने जिन विषयों को कवर किया था। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

छेड़छाड़ में जेएनयू प्रोफेसर बर्खास्त

नयी दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) ने यौन शोषण के गंभीर आरोपों के चलते अपने एक सीनियर प्रोफेसर को बर्खास्त कर दिया है। यह घटना कुछ महीनों पहले विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम के दौरान घटी थी, जिसमें जापानी दूतावास की महिला अधिकारी के साथ छेड़छाड़ हुई थी। पीड़ित महिला ने जापान लौटने के बाद शिकायत दर्ज कराई थी, जो भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की तरफ से विश्वविद्यालय पहुंची थी। जेएनयू की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी ने जांच के बाद आरोपों को सही पाया और फिर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने प्रोफेसर की सेवाएं सभी लाभों सहित समाप्त करने की सिफारिश की। प्रोफेसर पर यह पहला मामला नहीं था। विश्वविद्यालय ने बताया कि आरोपी प्रोफेसर पर पहले भी कई शिकायतें मिल चुकी थीं। हालांकि, आरोपी प्रोफेसर को अपील का अधिकार है। उसके नाम और डिपार्टमेंट की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है।

नूंह में तब्लीगी जमात का जलसा आज से

नूंह। हरियाणा के नूंह (मेवात) में पहली बार तब्लीगी जमात का जलसा होगा। यह जलसा 19 से 21 अप्रैल यानि तीन दिन चलेगा। जिसमें देश-विदेश से तब्लीगी जमात से जुड़े 15 लाख मुस्लिम हिस्सा लेंगे। इसे जमात के प्रमुख मौलाना साद संबोधित करेंगे। जलसे के लिए 121 एकड़ जमीन में इंतजाम किए गए हैं, जिसके 21 एकड़ में टेंट लगाया गया है। बचे 100 एकड़ में बैठने, पार्किंग, टॉयलेट और पानी का इंतजाम किया जा रहा है। मोबाइल टॉयलेट की जगह यहां प्लास्टिक के बोरे लगाकर अस्थायी टॉयलेट बनाए गए हैं। इस कार्यक्रम की तैयारी चार महीने से चल रही है। इसके लिए बाकायदा एक्सपर्ट की टीम तैनात की गई है। जलसा कमेटी ने कार्यक्रम में बिरयानी बेचने वालों को चेतावनी दी है। कमेटी ने कहा कि वह वेज बिरयानी बेचने की कोशिश करेगा। अगर मांस की बिरयानी बेचनी है तो सिर्फ चिकन की बिरयानी ही अलाउड है। अगर किसी ने बड़े पशु के मांस की बिरयानी बेची तो पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। जमात के इतिहास में पहली बार नूंह में इस तरह का कार्यक्रम हो रहा है जिसके भीतर पुलिस की एंट्री नहीं होगी।

रक्षा संबंध और मजबूत करेंगे भारत-ब्रिटेन

नयी दिल्ली। भारत और ब्रिटेन ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा के साथ-साथ रक्षा संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने दो दिन की लंदन यात्रा के दौरान वार्षिक द्विपक्षीय रक्षा वार्ता में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। रक्षा सचिव ने लंदन में अपने समकक्ष डेविड विलियम्स के साथ भारत-ब्रिटेन रक्षा परामर्श समूह की 24वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने वार्ता के दौरान क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की और रक्षा संबंधों को पहले से सशक्त बनाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

अमेरिकी स्ट्राइक में 38 हूतियों की मौत

यमन के हूती विद्रोहियों पर अमेरिका की एयर स्ट्राइक में 38 लोगों की मौत हुई है, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ये एयर स्ट्राइक एक तेल के पोर्ट रास ईसा पर हुई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस स्ट्राइक की पुष्टि की है, हालांकि उन्होंने मरने वालों का सही आंकड़ा नहीं बताया है। इस हमले में हुई मौतें अमेरिका द्वारा हूती विद्रोहियों पर की गई अब तक की सबसे घातक हवाई कार्रवाई हो सकती हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 15 मार्च से शुरू किए गए नए अभियान के तहत की गई है। इस अभियान का मकसद ईरान समर्थित हूती विद्रोही समूह को कमजोर करना है, जिसने अक्टूबर 2023 में इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से रेड सी से गुजरने वाले कई अमेरिकी जहाजों पर हमले किए हैं। हूती विद्रोहियों के अल-मसीरह सैटेलाइट न्यूज चैनल ने हमले के बाद का ग्राफिक वीडियो जारी किया, जिसमें घटनास्थल पर बिखरे शव देखे जा सकते हैं।

गुजरात समाचार निदेशक स्मृतिबेन नहीं रहीं

अहमदाबाद। गुजरात समाचार की निदेशक स्मृतिबेन शाह का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को अहमदाबाद में किया गया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि गुजराती दैनिक गुजरात समाचार के प्रबंध संपादक श्रेयांसभाई शाह की पत्नी श्रीमती स्मृतिबेन शाह ने 82 साल की उम्र में बीमारी व वृद्धावस्था के कारण गुरुवार की रात अपने ही घर में अंतिम सांस ली। वह अपने पीछे दो पुत्र निर्मम और अमम सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गयीं हैं। श्रीमती शाह गुजरात समाचार की निदेशक और गुजराती पत्रकारिता के संचालक मंडल में उनकी असाधारण निर्णय लेने और प्रबंधन कौशल के कारण विभिन्न संस्करणों का संचालन करके प्रबंधन को संभालती थीं और पत्रकारों की नई पीढ़ी को मार्गदर्शन देने में उनका योगदान बहुत बड़ा था। वह लगातार चार दशकों तक गुजरात समाचार की लोकप्रिय महिला साप्ताहिक पत्रिका 'श्री' की संपादक रहीं।

इजराइली टूरिस्ट समेत चार की मौत

नेपल्स। इटली के नेपल्स में गुरुवार को एक केबल कार क्रैश होकर जमीन पर आ गिरी। हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों में दो ब्रिटिश और एक इजराइली टूरिस्ट शामिल हैं। चौथा शख्स केबल कार ऑपरेटर था। इटली का एक अन्य टूरिस्ट गंभीर रूप से घायल हुआ। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत क्रिटिकल बनी हुई है। ये एक्सीडेंट कास्तेलामारे डी स्ताबिया और मोंटे फाएतो शहरों के बीच केबल कार सर्विस पर हुआ। इस रूट पर माउंट वेसुवियस वोल्केनो और बे ऑफ नेपल्स का नजारा देखने को मिलता है। ये जगह नेपल्स से 45 किमी दक्षिणपूर्व में है।

बंगाल हिंसा पर बयानबाजी न करे बांग्लादेश

अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा पर ध्यान दे, वहां हो रहा है नरसंहार : जायसवाल

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारत ने बंगाल हिंसा पर बयानबाजी कर रहे बांग्लादेश से कहा है कि वह भारत के मसलों में दखल देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा पर फोकस करे।

दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा था कि भारत को उन अल्पसंख्यक मुस्लिमों की रक्षा करनी चाहिए, जो पिछले हफ्ते बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा से प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात से इनकार कर दिया कि इस हिंसा को भड़काने में बांग्लादेश का हाथ है। भारत ने शुक्रवार को इस बयान का कड़ा विरोध किया है। भारत ने कहा कि बांग्लादेश का यह बयान धूर्तता और कपट से भरा है। वह अपने यहां अल्पसंख्यकों के नरसंहार से ध्यान भटकाना चाहता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा किपश्चिम बंगाल में हुई घटनाओं को लेकर बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को हम खारिज करते हैं। बांग्लादेश इस तरह के बयान दे रहा है, जबकि वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं।

बांग्लादेश में बीते कुछ समय से अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ गए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले महीने संसद में बताया था कि 2024 में बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल शुरू होने के बाद अल्पसंख्यकों पर उत्पीड़न की 2400 घटनाएं हुई। इस

साल अब तक ऐसी 72 घटनाएं हो चुकी हैं।

8 अप्रैल को भारत में वक्फ संशोधन कानून लागू हुआ। इसके विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 8 अप्रैल की शाम को हिंसा भड़क गई थी। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों में आग लगा दी थी। इसमें पुलिस की गाड़ियां भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारियों से झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

वक्फ कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद में मुस्लिम संगठन प्रदर्शन कर रहा था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके। पुलिस ने उन्हें खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। भीड़ हिंसक हो गई। लोगों ने पुलिस के वाहन और अन्य वाहनों में आग लगा दी।

5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में लंबे छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हुआ था। हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके साथ ही बांग्लादेश में हालात बिगड़ गए। पुलिस रातों-रात अंडरग्राउंड हो गई। लॉ एंड ऑर्डर ध्वस्त हो गया।

बेकाबू भीड़ के निशाने पर सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक, खासतौर पर हिंदू आए। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां सांप्रदायिक हिंसा में 32 हिंदुओं की जान चली गई। रेप और महिलाओं से उत्पीड़न के 13 केस सामने आए। करीब 133 मंदिर हमलों का शिकार हुए। ये घटनाएं 4 अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुईं। काउंसिल के मुताबिक, तख्तापलट के बाद महज 15 दिनों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2010 घटनाएं हुईं।

11 जनवरी 2025 को बांग्लादेश सरकार ने इनमें से 1769 केस कन्फर्म किए। इनमें से 1415 मामलों में जांच पूरी हो चुकी है। 354 मामलों का रिव्यू किया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने इन हमलों के मामलों में 10 दिसंबर तक 70 लोगों को कस्टडी में लिया। वहीं, कुल 88 केस दर्ज किए।

एयर होस्टेस से डिजिटल रेप करने वाला गिरफ्तार

नयी दिल्ली। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में वेंटिलेटर पर एयर होस्टेस के साथ डिजिटल रेप मामले के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अस्पताल का ही टेक्निशियन निकला जो पांच महीने से यहां नौकरी कर रहा था। आरोपी 23 वर्षीय दीपक मूलरूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बधौली गांव का रहने वाला है। मामले की जांच के लिए गुरुग्राम पुलिस ने एसआईटी बनाई थी। पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा की बनाई 6 सदस्यों की एसआईटी की अगुआई सीसीपी हेडक्वार्टर डॉ. अर्पित जैन कर रहे थे। टीम में एसीपी डॉक्टर कविता, एसीपी यशवंत, सदर थाने के एसएचओ इंस्पेक्टर सुनील, महिला थाना ईस्ट इंचार्ज नेहा राठी और सीआईए इंचार्ज शामिल थे। एसआईटी ने आरोपी को पकड़ने के लिए 800 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके बाद उसकी पहचान कर उसे पकड़ लिया गया।

जाब ग्रेनेड हमलों का सरगना पासिया अमेरिका में गिरफ्तार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो ने पंजाब में कई आतंकवादी घटनाओं में नामजद भगोड़े अभियुक्त हरप्रीत सिंह पासिया को गिरफ्तार करने की घोषणा की है। हरप्रीत का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से संबंध बताया जाता है।

» बीकेआई और पाक की आईएसआई से हैं सम्बंध

एफबीआई ने सोशल मीडिया पर हरप्रीत के पकड़े जाने की जानकारी दी। एफबीआई ने कहा, " भारत के पंजाब में कई आतंकवादी घटनाओं के लिये जिम्मेदार हरप्रीत सिंह को एफबीआई और ईआरओ ने सैक्रामेंटो में पकड़ा है। दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से संबंद्ध हरप्रीत अमेरिका में अवैध तरीके से घुसा था और गिरफ्तारी से बचने के लिये बर्नर फोन का इस्तेमाल कर रहा था। " एफबीआई ने कहा, " नयी दिल्ली स्थित एफबीआई के विधि कार्यालय के प्रतिनिधि ने सैक्रामेंटो के अधिकारियों को सूचित किया था कि हरप्रीत भारत के पंजाब में आतंकवादी वारदात के कई मामलों में वांछित है। ऐसी आशंका है कि हरप्रीत पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस और खालिस्तानी आतंकवादी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से संबंध रखता है।

सिर्फ टॉप 15 अर्थव्यवस्थाओं से ही करेंगे बात

अमेरिका ने कहा– सबका दुखड़ा नहीं सुन सकते, भारत के प्रति रुख नरम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बढ़ते व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए इसी महीने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स लगा दिया था, जिसे मुक्ति दिवस के रूप में प्रचारित किया गया। इसकी सबसे ज्यादा मार उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन पर पड़ी। बाद में ट्रंप ने 90 दिनों के लिए अपनी टैरिफ योजना पर रोक लगा दी लेकिन चीन के साथ संघर्ष जारी रहा और कई चरणों में होते हुए अब अमेरिका ने चीन पर कुल 245 फीसदी तक का टैरिफ लगाया है, जबकि चीन ने अमेरिका से आने वाले सामानों पर कुल 125 फीसदी तक का टैक्स लगाया है।

इस बीच दोनों देशों ने बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच नरमी दिखाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया है कि चीन ने टैरिफ पर बातचीत के लिए संपर्क किया है। उन्होंने भी नरमी दिखाते हुए कहा है कि इस पर चर्चा शुरू हो चुकी है और उम्मीद है कि जल्द ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव कम होगा और टैरिफ विवाद सुलझ जाएगा। दोनों देशों के जवाबी शुल्क ने पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचा रखा है। चीन भी अमेरिका को जवाब देने के लिए अपने निकटतम पड़ोसियों वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया को साधने में जुटा है।

उधर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। इस दौरान अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेन्ट ने राष्ट्रपति ट्रम्प और इतालवी प्रधानमंत्री के साथ ओवल ऑफिस में घोषणा की कि अमेरिका टैरिफ संकट पर दुनिया की 15 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ बातचीत कर रहा है। यह अमेरिकी रुख में बड़ा बदलाव है। पिछले हफ़्ते जब ट्रम्प के टैरिफ प्रभावी हुए तो न दुनियाभर के बाजारों में प्रतिक्रिया देखने को मिली बल्कि अमेरिकी बाजार में भी भारी गिरावट दर्ज की गई।

भारत के प्रति अमेरिका का क्या रुख

2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यूरोपीय संघ के सभी निर्यातों पर 20% टैरिफ की घोषणा के बाद से मेलोनी ट्रंप से आमने-सामने मिलने वाले पहले यूरोपीय नेता हैं। उनकी बैठक के बाद ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रंप ने ट्रेजरी सचिव से मौजूदा टैरिफ वार्ता पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। इस पर बेसेन्ट ने कहा, ₹हमारे पास इसके लिए एक तय प्रक्रिया है और हम पहले 'बड़ी 15' अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे हैं। सभी की बातें एक साथ नहीं सुन सकते।₹ बेसेंट ने यह भी बताया कि भारत के साथ बहुत तेजी से टैरिफ समाधान पर बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले जापान के साथ भी बहुत सकारात्मक बातचीत हुई है और ईयू पहले से ही बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई के अगले हफ्ते दक्षिण कोरिया से भी टैरिफ पर बातचीत होने की संभावना है।

कौन कर रहा है राष्ट्रपति की ताकत को सीमित

उपराष्ट्रपति धनखड़ पर कपिल सिब्बल ने किया तीखा पलटवार

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले पर आपत्ति जताए जाने वाले उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर वरिष्ठ वकील व राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने नाराजगी जाहिर की है। सिब्बल ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति पर निशाना साधते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति और राज्यपाल के बारे में पता होना चाहिए, जिन्हें मंत्रियों की सहायता और सलाह पर काम करना होता है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल द्वारा विधेयकों को रोकना वास्तव में विधानमंडल की सर्वोच्चता में दखलंदाजी है। यह धनखड़ को पता होना चाहिए, वे पूछते हैं कि राष्ट्रपति की शक्तियों को कैसे कम किया जा सकता है, लेकिन शक्तियों को कौन कम कर रहा है?

कपिल सिब्बल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "आज सुबह कई अखबारों में जब मैंने धनखड़ साहब का भाषण पढ़ा तो दुख और आश्चर्य हुआ, क्योंकि ज्यूडिशियल इंस्टीट्यूशन फिर चाहे सुप्रीम कोर्ट हो या हाई कोर्ट हो, इन पर ही विश्वास है। मुझे लगता है कि जब सरकार के लोगों को ज्यूडिशियरी के फैसले पसंद नहीं आते हैं तो वे आरोप लगाना शुरू कर देते हैं कि ये हद से बाहर हैं। जब पसंद आते हैं तो विपक्ष को कहते हैं कि यह तो सुप्रीम कोर्ट ने फैसला किया था। फिर चाहे 370 हो या राम मंदिर का फैसला हो, इस पर कहते हैं कि यह तो सुप्रीम कोर्ट का फैसला था। जो आपको जजमेंट सही नहीं लगे, सोच के हिसाब से नहीं हो वह गलत है और जो सोच के हिसाब से है, वह ठीक है।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं उनका बड़ा आदर करता हूं, लेकिन आपने कह दिया कि आर्टिकल 142 न्यूक्लियर मिसाइल है, यह कैसे कह सकते हैं? आपको पता है कि आर्टिकल-142 द्वारा सुप्रीम कोर्ट को संविधान ने हक दिया है न कि किसी सरकार ने, ताकि न्याय हो। जब राष्ट्रपति अपना फैसला करती हैं तो वह कैबिनेट के सुझाव से करती हैं। इसी तरह जब कोई विधेयक पारित होता है तो राज्यपाल के पास जाता है। संविधान ने हक दिया है कि राज्यपाल कमेंट करके विधेयक को वापस भेज सकता है। जब दोबारा विधानसभा पारित कर दे तो राज्यपाल को साइन करना पड़ता है। यह संविधान कहता है। राज्यपाल यह भी कर सकता है कि वह किसी विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेज सकता है। राष्ट्रपति व्यक्तिगत तौर पर कुछ नहीं करतीं, वह केंद्र सरकार के कैबिनेट पर जाती हैं और वो एडवाइस करते हैं कि क्या करना है। धनखड़ को यह पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की पावर को कम कैसे कर सकते हैं, आखिर कौन कम कर रहा है उनकी ताकत कम।"

राज्यसभा सांसद ने आगे कहा कि संसद अगर बिल पास करे तो क्या राष्ट्रपति उसे लेकर बैठ सकते हैं कि हम साइन नहीं करेंगे और यदि ऐसा नहीं करें तो किसी को अधिकार है या नहीं कि यह अहम बिल है। वह यह नहीं कह सकते कि वह साइन नहीं करेंगे। वह कमेंट करके वापस भेज सकते हैं, फिर दोबारा पास हो।

सीलमपुर हत्याकांड में लेडी डॉन जिकरा गिरफ्तार

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। सीलमपुर हत्याकांड की आरोपी लेडी डॉन जिकरा को पकड़ लिया गया है। वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है। उसके साथ-साथ अन्य तीन लोगों को भी पुलिस हिरासत में लिया गया है। सीलमपुर में 17 साल के लड़के की हत्या के मामले में लेडी डॉन जिकरा का नाम सामने आ रहा था। बताया जा रहा था कि जिकरा और उसके भाई साहिल ने इस काम को मिलकर अंजाम दिया है। जिकरा अब पुलिस की हिरासत में है। वही साहिल भी लगातार पुलिस के संपर्क है।

लोगों का आरोप है कि ये इलाके में कोई पहला मामला नहीं है। पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ रहे है। इस बीच सीलमपुर से हिन्दुओं के पलायन की खबरें भी सामने आ रही हैं। वहीं लोग उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद की गुहार लगा रहे हैं और योगी मॉडल लाने की बात कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुणाल की हत्या के पीछे इसी लेडी डॉन जिकरा और उसके भाइयों का हाथ है। हालांकि इस बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

» कुणाल की हत्या के बाद लगे हिंदुओं के पलायन के पोस्टर, योगी मॉडल लागू करने की मांग

पैसों के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे बांग्लादेश को एक और झटका

ढाका। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही उसके देश की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। गरीबी में जी रहे बांग्लादेश की अब कर्ज लेने की हालत हो गई है। वह पैसों के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है, लेकिन फिर भी मदद नहीं मिल रही। ताजा घटनाक्रम में, बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 4.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के कर्ज की अगली दो किस्तों (चौथी और पांचवीं) को प्राप्त करने के लिए आवश्यक चार प्रमुख शर्तों को पूरा करने में पिछड़ रहा है। ऐसे में कर्ज मिलना मुश्किल हो गया है। ये चार शर्तें-कमजोर राजस्व वृद्धि, गैर-बाजार आधारित विनिमय दर, सब्सिडी में अपर्याप्त कमी और बैंकिंग क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति की कमी हैं। आईएमएफ से झटका खाने के बाद सवाल उठने लगा है कि मोहम्मद यूनुस अब क्या करेंगे? दो सप्ताह के समीक्षा मिशन के बाद गुरुवार को बांग्लादेश दौरे पर आए आईएमएफ प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक ब्रीफिंग के दौरान इन मुद्दों को उठाया गया।

» यूनुस के सामने हालात बड़े मुश्किल भरे

ऐसे भी नेक जज हैं, जिनका तबादला नहीं चाहते वकील

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट की धारवाड़ बेंच के अधिवक्ताओं के संघ के अध्यक्ष वीएम शीलावंत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को पत्र लिखकर कर्नाटक हाईकोर्ट के चार जजों के अन्य हाईकोर्ट में संभावित ट्रांसफर का विरोध जताया है। शीलावंत ने पत्र में बताया कि जस्टिस कृष्ण दीक्षित, जस्टिस के. नटराजन, जस्टिस हेमंत चंदनगौड़र और जस्टिस संजय गौड़ा के तबादले की खबरों से वकीलों में गहरा असंतोष और चिंता है।

पत्र में लिखा, कर्नाटक के अधिवक्ता इन खबरों को सुनकर स्तब्ध हैं। ये सभी न्यायाधीश निःस्वार्थ सेवा, असाधारण कानूनी ज्ञान, संवेदनशीलता और दक्षता के लिए जाने जाते हैं।

पूर्व आंध्र सीएम जगन के 27 .5 करोड़ के शेयर जब्त

डालमिया सीमेंट की 793 करोड़ की जमीन भी अटैच

एजेंसी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी की 27.5 करोड़ रुपए के शेयर अस्थायी रूप से जब्त किए हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के 14 साल पुराने मामले में की गई है। जिसमें 'क्विड प्रो क्वो' (कुछ पाने के बदले कुछ देना) निवेश होने के आरोप हैं।

ईडी की हैदराबाद टीम ने जगन की तीन कंपनियों – कार्मेल एशिया होल्डिंग्स, सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और हर्षा फर्म में निवेश को जब्त किया है। इसके अलावा डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड की करीब 377.2 करोड़ रुपए की जमीन भी जब्त की गई है। डीसीबीएल के मुताबिक, यह जमीन 793.3 करोड़ रुपए की है।

यह मामला 2011 में सीबीआई द्वारा दर्ज किए गए केस से जुड़ा है, जिसमें आरोप है कि डीसीबीएल ने रघुराम सीमेंट्स लिमिटेड (जगन रेड्डी से जुड़ी कंपनी) में 95 करोड़ रुपए निवेश किए थे। इसके बदले में जगन ने अपने पिता, तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के प्रभाव का इस्तेमाल कर डीसीबीएल को आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में 407 हेक्टेयर की खनन लीज दिलाई थी। सीबीआई ने 2013 में जगन, डीसीबीएल DCBL और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में चार्जशीट दाखिल की थी।

राणा सांगा मामले में मथुरा में सुनवाई

12 मई कोमथुरा। राणा सांगा पर राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा की गई टिप्पणी के खिलाफ वृंदावन के कथा वाचन कौशल किशोर ठाकुर द्वारा मथुरा के एमपी एमएलए कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है और मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है शुक्रवार को इस मामले में गवाही होनी थी लेकिन किसी कारण से गवाही नहीं हो सकी 12 मई को पूरे मामले में कोर्ट सुनवाई करेगा।

याचिका कर्ता कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर ने बताया कि महाराणा सांगा के लिए अपशब्द कहने वाले रामजीलाल सुमन के ऊपर हमने एक याचिका दायर की थी, उस याचिका की आज सुनवाई होनी थी गवाही थी, गवाही के बाद में उसके ऊपर मुकदमा दर्ज करने के लिए हमने माननीय न्यायालय में अपील की है, इस मामले में आज किसी कारणवश सुनवाई नहीं हो सकी है इसके लिए 12 मई की डेट दे दी गई है।

राहत ट्रंप के टैरिफ से अर्थव्यवस्था कमजोर होगी, महंगाई का ग्राफ चढ़ेगा, समूची दुनिया में उथल-पुथल और बढ़ेगी

वैश्विक मंदी आने की आशंका से आईएमएफ ने किया इनकार

एजेंसी

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने वैश्विक व्यापार में मची उथल-पुथल के बीच राहत भरी खबर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बढ़ते टैरिफ से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी और इस वर्ष महंगाई भी बढ़ेगी लेकिन ये वैश्विक मंदी का कारण नहीं बनेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि बढ़ते व्यापारिक तनाव और वैश्विक व्यापार प्रणाली में हो रहे बड़े बदलावों के चलते आईएमएफ अपनी आर्थिक विकास दर के पूर्वानुमानों में गिरावट करेगा, लेकिन वैश्विक मंदी की आशंका नहीं है।

आईएमएफ के अगले सप्ताह जारी किए जाने वाले अनुमानों के आधार पर उन्होंने यह बात कही। जॉर्जीवा ने कहा कि अमेरिका की ओर से लगाए गए नए टैरिफ और चीन तथा यूरोपीय संघ की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था को झकझोर दिया है। इससे व्यापार नीति में ₹अत्यधिक अनिश्चितता₹ और वित्तीय बाजारों में ₹बेहद अस्थिरता₹ देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा, "व्यवधानों की कीमत चुकानी पड़ती है... हमारे नए विकास अनुमान में महत्वपूर्ण गिरावट शामिल होगी लेकिन मंदी नहीं होगी।"

जॉर्जीवा ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन द्वारा शुल्क की दरों में की गई वृद्धि ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, ''आयात शुल्क वैश्विक वृद्धि को धीमा कर देंगे और महंगाई बढ़ेगी लेकिन ये दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेंगे।'' जॉर्जीवा ने कहा कि

वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलावों से विश्व अर्थव्यवस्था के जुझारूपन की परीक्षा ली जा रही है जिससे वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मचने का खतरा है। आईएमएफ की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति और वैश्विक बाजार में हलचल के चलते दुनिया भर के केंद्रीय बैंकर और वित्त मंत्री वाशिंगटन की बैठक में भाग लेने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि शुल्क अनिश्चितता का कारण बनते हैं, जो महंगा पड़ सकता है। सप्लाई चैन की जटिलता से कई देशों में शुल्क के कारण एक-एक वस्तु की लागत प्रभावित हो सकती है। व्यापार बाधाओं में वृद्धि से भी वृद्धि पर तत्काल प्रभाव पड़ता है, तथा यद्यपि इससे घरेलू उत्पादन में वृद्धि हो सकती है लेकिन इसे ऐसा होने में समय लगता है। हालांकि, आईएमएफ प्रमुख ने अमेरिकी प्रशासन की कुछ चिंताओं को भी दोहराया। उन्होंने देशों से शुल्क कम करने और व्यापार में अन्य बाधाओं को कम करने का आह्वान किया। आईएमएफ का पूर्ण आकलन अगले मंगलवार को जारी किया जाएगा। जॉर्जीवा ने कहा कि विश्व की वास्तविक अर्थव्यवस्था अभी भी मजबूत है—मजबूत श्रम बाजार और स्थिर वित्तीय प्रणाली अभी भी है। लेकिन उन्होंने यह भी आगाह किया कि अगर आर्थिक मंदी को लेकर नकारात्मक धारणाएं बनीं, तो इसका असर वास्तविक आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, "संकट के दौर में मैंने यह सीखा है कि धारणा जितनी महत्वपूर्ण होती है, उतनी ही हकीकत भी होती है। अगर धारणा नकारात्मक हो जाए, तो वह अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है।"

आईएमएफ ने जनवरी में 2025 और 2026 के लिए वैश्विक विकास दर 3.3% रहने का अनुमान लगाया था। अब यह संस्था मंगलवार को अपना नया 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' जारी करेगी। जॉर्जीवा ने यह नहीं बताया कि नए अनुमानों में कितनी गिरावट होगी, लेकिन उन्होंने चेताया कि यह गिरावट "महत्वपूर्ण" होगी। महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि टैरिफ से कुछ देशों में उपभोक्ता और उत्पादक कीमतों में इजाफा हो सकता है, जबकि कहीं-कहीं खर्च में कटौती से महंगाई घट भी सकती है। कुल मिलाकर, कुछ देशों के लिए महंगाई बढ़ने का अनुमान है।

आईएमएफ प्रमुख ने देशों से आग्रह किया कि वे मौद्रिक नीति में लचीलापन बनाए रखें, वित्तीय बाज़ारों की निगरानी करें, और आर्थिक सुधारों को जारी रखें। विकासशील देशों को अपने विनिमय दरों में लचीलापन बनाए रखने की सलाह दी गई, जबकि समृद्ध देशों से कमजोर देशों को सहायता बनाए रखने की अपील की गई।

भीलवाड़ा के दो भाइयों के करंट लगाया

भीलवाड़ा। आइसक्रीम बेचने के बाद भीलवाड़ा के दो भाइयों ने सैलरी मांगी तो मालिक ने किडनैप कर लिया। आरोपियों ने भाइयों के करंट लगाया और जमकर मारपीट की। फिर चोरी का इल्जाम लगाकर टॉर्चर का वीडियो भी बनाया। परिवार को वीडियो भेजकर 30 हजार रुपए की डिमांड की। परिवार के पैसे चुकाने के बाद आरोपियों ने दोनों को छोड़ दिया।

मामला छत्तीसगढ़ के कोरबा का 14 अप्रैल का है। पीड़ित परिवार को आरोप है कि भीलवाड़ा पुलिस ने कार्रवाई के बदले समझौते का दबाव बनाया। गुरुवार को पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी।गुलाबपुरा थाने के रहने वाले चचेरे भाई मुकेश और विनोद के अनुसार हमारे गांव का एक व्यक्ति छत्तीसगढ़ में आइसक्रीम की लॉरी का काम करता है।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह*, उत्तराखंड कार्यालय-** जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com